RNI.No. — GUJHIN/2012/45192

सूरत भूमि

हिन्दी दैनिक

संपादक : संजय आर. मिश्रा

श्री 1008 महामंडलेश्वर
श्री स्वामी रामानंद दासजी महाराज
श्री रामानंद दास अन्नक्षेत्र सेवा ट्रस्ट, तपोवन आश्रम

स्व. पं. पू.1008 श्री रामानन्द जी
तपोवन मंदिर, मोरा गांव, सूरत

वर्ष-12 अंक:72 ता. 03 सितम्बर 2023, रविवार , कार्यालय:114, न्यु प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेंट, डिंडोली, डिंडोली, उधना सूरत (गुजरात) मो. 9327667842, 9825646069 पृष्ठ: 8 कीमत: 2:00 रुपये

ho@suratbhumi.com /Suratbhumi.com /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi

इसरो का पहला सोलर मिशन आदित्य एल1 लॉन्च, 63 मिनट में अर्थ ऑर्बिट में पहुंचेगा

चार महीने में 15 लाख किमी दूर लैगरेंज पॉइंट पर जाएगा

बेंगलुरु। चंद्रयान-3 की चांद के दक्षिणी ध्रुव पर कामयाब लैंडिंग के दसवें दिन इसरो ने शनिवार को आदित्य एल1 मिशन लॉन्च कर दिया। आदित्य सूर्य की स्टडी करेगा। शनिवार सुबह 11.50 बजे PSLV-C57 के XL वर्जन रॉकेट के जरिए श्रीहरिकोटा के सतीश धवन स्पेस सेंटर से आदित्य एल1 को लॉन्च किया गया। रॉकेट PSLV आदित्य को पृथ्वी की निचली कक्षा में छोड़ेगा। करीब 63 मिनट 19 सेकेंड बाद आदित्य 235 × 19500 Km की ऑर्बिट में पहुंच जाएगा। वह करीब 4 महीने बाद लैगरेंज पॉइंट-1 तक पहुंचेगा। इस पॉइंट पर ग्रहण का प्रभाव नहीं पड़ता, जिसके चलते यहां से सूरज पर आसानी से रिसर्च की जा सकती है। इस मिशन की अनुमानित लागत 378 करोड़ रुपए है।

आदित्यएल1 चार महीने में लैंगरेंज पॉइंट पर पहुंचेगा

आदित्य स्पेसक्राफ्ट को एल1 पॉइंट तक पहुंचने में करीब 125 दिन यानी 4 महीने लगेंगे। ये 125 दिन 3 जनवरी 2024 को पूरे होंगे। अगर मिशन सफल रहा और आदित्य स्पेसक्राफ्ट लैग्रेंजियन पॉइंट 1 पर पहुंच गया, तो नए साल में इसरो के नाम ये बड़ी उपलब्धि होगी।

लैगरेंज पॉइंट-1 क्या है?

लैगरेंज पॉइंट का नाम इतालवी-फ्रेंच मैथमैटीशियन जोसेफी-लुई लैगरेंज के नाम पर रखा गया है। इसे बोलचाल में एल1 नाम से जाना जाता है। ऐसे पांच पॉइंट धरती और सूर्य के बीच हैं, जहां सूर्य और पृथ्वी का गुरुत्वाकर्षण बल बैलेंस हो जाता है और सेंट्रिफ्यूगल फोर्स बन जाता है। ऐसे में इस जगह पर अगर किसी ऑब्जेक्ट को रखा जाता है तो वह आसानी से दोनों के बीच स्थिर रहता है और एनर्जी भी कम लगती है। पहला लैगरेंज पॉइंट धरती और सूर्य के बीच 15 लाख किलोमीटर की दूरी पर है।

एल1 पॉइंट पर ग्रहण बेअसर, इसलिए यहां भेजा जा रहा

आदित्य यान को सूर्य और पृथ्वी के बीच हेलो ऑर्बिट में स्थापित किया जाएगा। इसरो का कहना है कि रु पॉइंट के आस-पास हेलो ऑर्बिट में रखा गया सैटेलाइट सूर्य को बिना किसी ग्रहण के लगातार देख सकता है। इससे रियल टाइम सोलर एक्टिविटीज और अंतरिक्ष के मौसम पर भी नजर रखी जा सकेगी।

आदित्य यान, एल1 यानी सूर्य-पृथ्वी के लैग्रेंजियन पॉइंट पर रहकर सूर्य पर उठने वाले तूफानों को समझेगा। यह लैग्रेंजियन पॉइंट के चारों ओर की कक्षा, फोटोस्फियर, क्रोमोस्फियर के अलावा सबसे बाहरी परत कोरोना की अलग-अलग वेब बैंड्स से 7 इक्विपमेंट्स के जरिए टेस्टिंग करेगा।

आदित्य एल1 के सात इक्विपमेंट्स कोरोनल हीटिंग, कोरोनल मास इजेक्शन, प्री-फ्लेयर और फ्लेयर एक्टिविटीज की विशेषताओं, पार्टिकल्स के मूवमेंट और स्पेस वेदर को समझने के लिए जानकारी देंगे। आदित्य रु1 सोलर कोरोना और उसके हीटिंग मैकेनिज्म की स्टडी करेगा।

आदित्य एल1 को पूरी तरह देश में ही बनाया गया

ISRO के एक अधिकारी के मुताबिक, आदित्य एल1 देश की संस्थाओं की भागीदारी से बनने वाला पूरी तरह स्वदेशी प्रयास है। बेंगलुरु के इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ एस्ट्रोफिजिक्स विजिबल एमिशन लाइन कोरोनाग्राफ ने इसके पेलोड बनाए हैं। जबकि इंटर-यूनिवर्सिटी सेंटर फॉर एस्ट्रोनॉमी एंड एस्ट्रोफिजिक्स पुणे ने मिशन के लिए सोलर अल्ट्रावॉयलेट इमेजर पेलोड विकसित किया है।

शिवराज सिंह चौहान के गढ़ में हो सकती है INDIA की अगली बैठक

नई दिल्ली। भारतीय राष्ट्रीय विकासात्मक समावेशी गठबंधन ने मुंबई में आयोजित अपनी तीसरी बैठक में सीट शेयरिंग के साथ-साथ पैनल बनाने और अगले महीने एक रैली करने सहित कई मुद्दों पर चर्चा की। 28 विपक्षी दलों की बौठक 'एक राष्ट्र, एक चुनाव' की संभावना के बीच संपन्न हुई। इस गठबंधन ने नरेंद्र मोदी की अगुवाई वाली एनडीए सरकार के खिलाफ आगामी लोकसभा चुनाव मिलकर लड़ने के संकल्प की अपनी घोषणा को दोहराया। हालांकि, गठबंधन अपना लोगो नहीं जारी कर पाया। इसे अंतिम रूप दिया जाना बाकी है। नेताओं ने भविष्य में होने वाली चर्चा और निर्णय लेने के लिए 14 सदस्यीय समन्वय समिति बनाने का भी फैसला किया। इस बीच सूत्रों ने बताया है कि इंडिया गठबंधन की अगली बैठक शिवराज सिंह चौहान के गढ़ मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल में होने की संभावना है। नवंबर से पहले होने वाले विधानसभा चुनावों को देखते हुए यह स्थान महत्वपूर्ण है मुंबई बैठक में कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने इस बात पर जोर दिया कि कैसे विपक्षी दलों के नेता एक साथ रहने के लिए लचीलापन दिखा रहे हैं। वहीं, आम आदमी पार्टी (आप) के राष्ट्रीय संयोजक और दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने कहा कि शक्तिशाली लोग गठबंधन तोड़ने की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने जोर देकर कहा कि इंडिया गठबंधन का कोई भी नेता किसी पद पर नजर नहीं गड़ाए हुए है। आपको बता दें कि इस बात की अटकलें थीं कि आम आदमी पार्टी चाहती है कि अरविंद केजरीवाल को प्रधानमंत्री पद के उम्मीदवार के तौर पर पेश किया जाए। मुंबई में इंडिया गठबंधन की बैठक में भाग लेने वाले एक वरिष्ठ नेता ने कहा, हम नहीं चाहते थे कि कोई व्यक्ति गठबंधन का चेहरा बने और इसलिए एक समन्वय समिति बनाने का निर्णय लिया गया। बैठक शुरू होते ही बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने ऐलान किया कि वह गठबंधन का संयोजक नहीं बनना चाहते है। अंदरूनी सूत्रों से पता चला कि वह ऐसा कोई संयोजक रखने के पक्ष में नहीं हैं। वहीं, भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (सीपीआई) के महासचिव डी राजा ने कहा, हम सामूहिक नेतृत्व चाहते हैं और इसलिए संयोजक पद पर चर्चा नहीं की।

मणिपुर में बीते 4 दिन में 12 और मौतें, मैरी कॉम ने अमित शाह को पत्र लिखा

इंफाल। मणिपुर के चुराचांदपुर और बिष्णुपुर जिलों के बॉर्डर पर बफर जोन में अब भी हिंसा जारी है। यह 29 अगस्त को दोबारा भड़की थी। बीते चार दिनों में 12 लोगों की मौत हो चुकी है, जबकि 18 लोग गंभीर रूप से घायल हुए हैं। दोनों जिलों में आर्मी को तैनात किया गया है। अभी यहां के बफर जोन में CRPF और असम राइफल्स तैनात थी। वहीं, पूर्व वर्ल्ड चैम्पियन मुक्केबाज और पद्मविभूषण से सम्मानित मैरी कॉम ने एक बार फिर केंद्र से मदद मांगी है। उन्होंने केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह को पत्र लिखा है। उन्होंने अपील की है कि केंद्रीय सुरक्षा बल दोनों समुदायों को कोम गांवों में घुसने से रोके। आर्मी कोम जनजाति को बचाएं। उधर, सुप्रीम कोर्ट ने 1 सितंबर को केंद्र और मणिपुर सरकार को हिंसा प्रभावितों तक भोजन, दवाएं और बुनियादी सामान पहुंचाने का निर्देश दिया। CJI डीवाई चंद्रचूड़ और जस्टिस जेबी पारदीवाला की बेंच ने सरकार से अलग-अलग संगठनों की नाकेबंदी से खुद निपटने को कहा। साथ ही ऑप्शन के तौर पर प्रभावित इलाकों में राशन की एयर ड्रॉपिंग की सलाह दी। मामले की अगली सुनवाई 6 सितंबर को होगी।

पिछले दिनों भड़की हिंसा में कुकी गायक की मौत-खोइरनटक, चिंगपेई, खोशुबंग और नारायनसेना में मैतेई और कुकी हमलावरों के बीच 31 अगस्त को हिंसक झड़प हुई थी। इस दौरान मोर्टार हमलों और फायरिंग में पांच लोगों की मौत हुई थी। मृतकों में मणिपुर के चर्चित कुकी गायक मंगबोई लुंगडिम भी थे, जिन्होंने मई में हिंसा भड़कने के बाद 'आई गम हिलौ हैम' गीत लिखा और गाया था।

29 अगस्त को गोलीबारी में 2 लोगों की मौत हुई थी-मणिपुर के बिष्णुपुर-चुराचांदपुर सीमा पर 29 अगस्त को दो गुटों में गोलीबारी हुई थी। इसमें ग्राम रक्षा दल के दो वॉलंटियर्स की मौत हो गई थी। वहीं 7 लोग घायल हुए थे। नारानसीना में हमलावरों ने खेतों में काम कर रहे किसानों पर गोलाबारी की थी। इसके जवाब में वॉलंटियर्स ने भी फायरिंग शुरू कर दी थी। मृतकों की पहचान लाइबुजम इनाओ और जांगमिनलेन गंगेट के रूप में हुई। लाइबुजम को बिष्णुपुर के नारानसीना में गोली लग गई थी। इंफाल के एक अस्पताल में इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। वहीं जांगमिनलेन चुराचांदपुर के सोंगदो गांव में झड़प के दौरान घायल हो गया था। बाद में उसने भी दम तोड़ दिया।

दिल्ली एलजी ने शिवलिंग जैसे फव्वारे पर सफाई दी, बोले- वो सिर्फ सजावट की चीज, कण-कण में भगवान हैं

नई दिल्ली। दिल्ली में जी-20 समिट को लेकर सड़कों के किनारे शिवलिंग के आकार वाले फव्वारे लगवाने पर लेफ्टिनेंट गवर्नर वी के सक्सेना ने सफाई दी। उन्होंने कहा, वो सिर्फ सजावट की चीज है। शिवलिंग नहीं है। देश के कण-कण में भगवान हैं।

पालम एरिया के उलान बतार में यक्षिणी की मूर्तियों का अनावरण के बाद LG ने कहा, हमारे डेलीगेट्स इस रास्ते से होकर गुजरेंगे। हमनें यहां यक्षिणी की मूर्तियां लगवाई हैं। आप इसे देवी कहेंगे। कहने को कुछ भी कहा जा सकता है। LG सक्सेना ने AAP के आरोपों को बचकाना व्यवहार करार दिया। उन्होंने कहा, आप हर चीज को वैसे देखते हैं जैसे आप देखना चाहते हैं। यक्षिणि भगवान कुबेर की कीमती चीजों की रक्षा करती हैं।इन मूर्तियों को प्रतीकात्मक संकेत के रूप में स्थापित किया गया है।

● पालम एरिया के उलान बतार में यक्षिणी की मूर्तियों का अनावरण के बाद LG ने कहा, हमारे डेलीगेट्स इस रास्ते से होकर गुजरेंगे। हमनें यहां यक्षिणी की मूर्तियां लगवाई हैं। आप इसे देवी कहेंगे। कहने को कुछ भी कहा जा सकता है। LG सक्सेना ने AAP के आरोपों को बचकाना व्यवहार करार दिया। उन्होंने कहा, आप हर चीज को वैसे देखते हैं जैसे आप देखना चाहते हैं।

जी-20 समिट को लेकर दिल्ली को बनाया जा रहा सुंदर

दिल्ली में 9-10 सितंबर को जी-20 समिट होने वाली है। इसमें अमेरिकी राष्ट्रपति बाइडेन, चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग, ब्रिटेन के प्रधानमंत्री ऋषि सुनक समेत कई ग्लोबल लीडर्स के शामिल होने की चर्चा है। ऐसे में राष्ट्रीय राजधानी को सुंदर बनाने के लिए कई अलग-अलग तरीके अपनाए जा रहे हैं। इसी के तहत पालम एयरपोर्ट के टेक्निकल एरिया में हनुमान मंदिर जंक्शन पर शिवलिंग के आकार के 18 फव्वारे लगाए गए हैं। आम आदमी पार्टी ने इस पर आपत्ति जताई। शुक्रवार, 1 सितंबर को AAP ने LG सक्सेना के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई है।

AAP ने LG पर हिंदुओं की भावनाएं आहत करने का आरोप लगाया

AAP ने LG वी के सक्सेना पर हिंदुओं की भावनाएं आहत करने का आरोप लगाया। AAP विधायक दुर्गेश पाठक ने कहा, शिवलिंग के ऊपर सीवेज का पानी बह रहा है, जिससे हिंदुओं को गहरा आघात पहुंच रहा है।

बंगाल में निवेशकों को लुभाने के लिए ममता बनर्जी के संग स्पेन जाएंगे सौरव गांगुली

कोलकाता। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान सौरव गांगुली पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के साथ इस महीने के अंत में स्पेन की यात्रा पर जाएंगे। सीएम का उद्देश्य बंगाल में विदेशी निवेश को आकर्षित करना है। गांगुली के एक करीबी सूत्र ने ममता के साथ स्पेन जाने की जानकारी दी है। नबन्ना (राज्य सचिवालय) के सूत्रों के अनुसार, ममता बनर्जी के 12 सितंबर को स्पेन के लिए रवाना होने की उम्मीद है। अपनी यात्रा के दौरान मुख्यमंत्री स्पेनिश व्यापार समुदाय के साथ कई बैठकें करेंगी। सौरव गांगुली बार्सिलोना में मुख्यमंत्री के साथ शामिल होंगे। एक सूत्र ने बताया कि राजनीति में उतरने के बारे में चुप्पी साधने के बावजूद सौरव गांगुली पश्चिम बंगाल को निवेशकों को लुभाने के लिए उत्साहित नजर आ रहे हैं। ममता बनर्जी के नेतृत्व वाले प्रतिनिधिमंडल में कुछ उद्योगपतियों और एमएसएमई विभाग के कुछ अधिकारियों के शामिल होने की भी संभावना है। न्यूज एजेंसी पीटीआई ने एक अधिकारी के हवाले से कहा कि वे स्पेन से लौटते समय दुबई भी जाएंगे। अधिकारी ने बताया कि मुख्यमंत्री ममता बनर्जी का 23 सितंबर को कोलकाता लौटने का कार्यक्रम है। ममता बनर्जी की यात्रा ऐसे समय में हो रही है जब 2021 के विधानसभा चुनावों के दौरान उन्होंने अपनी पार्टी

तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) की शानदार जीत के बाद पश्चिम बंगाल में नौकरियां पैदा करने और विकास को बढ़ावा देने की अपनी प्रतिबद्धता दोहराई थी। उन्होंने लगातार राज्य को उद्योगों और निवेश के लिए एक आकर्षक गंतव्य बनाने की वकालत की है।

गहलोत ने दिए महिला को निर्वस्त्र कर घुमाने के मामले में सख्त कार्रवाई करने के निर्देश

जयपुर। राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने प्रतापगढ़ जिले के धरियावद थाना क्षेत्र में एक महिला को निर्वस्त्र कर घुमाने के मामले में आरोपियों के खिलाफ सख्त से सख्त कार्रवाई करने के निर्देश दिए है।

घटना के सामने आने के बाद मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने सोशल मीडिया पर कहा कि प्रतापगढ़ जिले में पीहर और ससुराल पक्ष के आपसी पारिवारिक विवाद में ससुराल पक्ष के लोगों द्वारा एक महिला को निर्वस्त्र करने का एक वीडियो सामने आया है। पुलिस महानिदेशक उमेश मिश्रा को अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक (अपराध) एम एन दिनेश को मौके पर भेजने एवं इस मामले में कड़ी से कड़ी कार्रवाई के निर्देश दिए हैं।

श्री गहलोत ने कहा कि सभ्य समाज में इस तरह के अपराधियों की कोई जगह नहीं है।

इन अपराधियों को जल्द से जल्द सलाखों के पीछे डालकर फास्ट ट्रैक कोर्ट में मुकदमा चलाकर सजा दिलवाई जाएगी।

उधर इस मामले को लेकर पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे ने सोशल मीडिया के माध्यम से कहा कि प्रतापगढ़ जिले में एक गर्भवती युवती को सरेआम निर्वस्त्र करने का अश्लील वीडियो वायरल होता रहा और घटना की प्रशासन को खबर तक नहीं थी। उन्होंने कहा कि प्रदेश में महिलाओं के खिलाफ अपराध ने इस कदर पैर पसारे है कि आए दिन राजस्थान को शर्मिंदा होना पड़ रहा है। महिला अत्याचार में प्रदेश को देश में नंबर एक बनाने की जिम्मेदार स्वयं कांग्रेस सरकार की है।

श्रीमती राजे ने कहा ÷मुख्यमंत्रीजी आखिर ऐसी क्या मजबूरी है कि राजस्थान में बेटियों की लुटती अस्मत और चीखें आपकी कांग्रेस सरकार को सुनाई नहीं देती। मेरी सभी से अपील है कि इस बेटी के साथ जो निंदनीय घटना घटी है, उससे संपूर्ण राजस्थान शर्मसार हुआ है। अपराधियों ने सारी सीमाएँ लांघ दी हैं लेकिन आप सब कृपया वायरल हो रहे वीडियो को और अधिक पोस्ट ना करें। इसी तरह विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष राजेन्द्र सिंह राठौड़ ने कहा कि प्रतापगढ़ में महिला के साथ हुए अनाचार की घटना सरकार के माथे पर कलंक और बेहद शर्मनाक है। श्री गहलोत के जंगलराज में कोई दिन ऐसा नहीं गुजरता जब कोई निर्भया कांड आकार नहीं लेता हो। राज्य में बहन बेटियों के साथ अत्याचार की पराकाष्ठा हो गई है। श्री राठौड़ ने कहा कि किसी सभ्य समाज में महिलाओं के साथ ऐसे जघन्य अपराध के लिए कोई स्थान नहीं है। प्रतापगढ़ में ना केवल महिला के साथ अनाचार हुआ बल्कि वीडियो भी वायरल किया गया। उन्होंने कहा कि गृहमंत्री के तौर पर श्री गहलोत पूरी तरह नाकाम और विफल साबित हुए हैं, जिन्हें तत्काल प्रभाव से इस्तीफा दे देना चाहिए।

ऋषिकेश ऋषियों की भूमि है... : हिंदू संगठन ने 2 मजारें तोड़ीं, फेसबुक पर लाइव दिखाया वीडियो

हरिद्वार। उत्तराखंड के ऋषिकेश में देवभूमि रक्षा अभियान के सदस्यों ने धार्मिक नारे लगाते हुए दो 'मजारों' को ध्वस्त कर दिया। इतना ही नहीं, फेसबुक पर इस घटना की लाइव स्ट्रीमिंग भी की गई। 27 अगस्त को अपलोड किए गए कथित वीडियो में, एक व्यक्ति को एक मजार की दीवारों पर हथौड़ा चलाने से पहले यह कहते हुए सुना जा सकता है,

ऋषिकेश में इन मजारों को बख्शा नहीं जाएगा। ऋषिकेश ऋषियों की भूमि है, मजार भूमि नहीं।

इस घटना को देखने वाले स्थानीय लोगों ने कहा कि पुलिस टीम की मौजूदगी में जेसीबी मशीनों और हथौड़ों से दो मजारों को ध्वस्त कर दिया गया और इसके बाद नफरत फैलाने वाले भाषण दिए गए।

द टाइम्स ऑफ इंडिया की रिपोर्ट के अनुसार, पुलिस ने बाद में अज्ञात व्यक्तियों के खिलाफ आईपीसी की धारा 505 (किसी भी पूजा स्थल या धार्मिक पूजा या समारोहों के प्रदर्शन में शामिल किसी भी सभा में अपराध करना) के तहत मामला दर्ज किया, हालांकि घटना में शामिल लोग वीडियो में दिखाई दे रहे हैं।

देवभूमि रक्षा अभियान के प्रमुख दर्शन

● पुलिस ने बाद में अज्ञात व्यक्तियों के खिलाफ आईपीसी की धारा 505 (किसी भी पूजा स्थल या धार्मिक पूजा या समारोहों के प्रदर्शन में शामिल किसी भी सभा में अपराध करना) के तहत मामला दर्ज किया, हालांकि घटना में शामिल लोग वीडियो में दिखाई दे रहे हैं।

भारती ने बताया, हमें उस जमीन के मालिकों से उन्हें ध्वस्त करने की लिखित अनुमति मिली थी, जहां यह मजार बनी थीं। किसी ने उन्हें यह सोचकर गुमराह किया था कि मजारों को अनुमति देने से उनके घरों में समृद्धि आएगी।

एसपी (ग्रामीण) कमलेश उपाध्याय ने कहा, यह मजारें ऋषिकेश में अमित ग्राम, गुमानीवाला में निजी भूमि पर बनाई गई थीं। जमीन मालिकों ने इन्हें हटाने की सहमति दी थी. लेकिन तोड़फोड़ करने वालों ने न तो पुलिस को इसकी सूचना दी और न ही पुलिस वहां मौजूद थी। हमने अज्ञात व्यक्तियों के खिलाफ मामला दर्ज किया है जिन्होंने इस घटना को फेसबुक पर लाइव स्ट्रीम किया था जिससे इलाके में दहशत फैल गई थी। हम आगे की कार्रवाई के लिए उनकी पहचान कर रहे हैं।÷

घटनाक्रम से नाराज अल्पसंख्यक समुदाय के स्थानीय सदस्यों ने आरोपियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है। सामाजिक-धार्मिक समूह अंजुमन गुलाम-ए-मुस्तफा के महासचिव शादाब सबरी ने कहा, यह स्पष्ट रूप से नफरत का कृत्य है। उन्होंने इसे लाइव स्ट्रीम किया और हमारे खिलाफ नफरत भरा भाषण दिया। क्या उन्हें पुलिस संरक्षण प्राप्त था? प्रशासन को कानून के मुताबिक कार्रवाई करनी चाहिए। अभी तक कोई गिरफ्तारी नहीं हुई है।

जी20 शिखर सम्मेलन लेकर दिल्ली में हाई अलर्ट

नई दिल्ली । दिल्ली में नौ-10 सितंबर को होने वाले जी20 शिखर सम्मेलन को देखकर पूरी दिल्ली में हाई अलर्ट घोषित किया गया है। ये भारत में सबसे बड़ा बहुपक्षीय कार्यक्रम होने जा रहा है। इसके बाद पूरी दिल्ली में सुरक्षा व्यवस्था को बनाए रखने के लिए व्यापक कदम उठाए गए है। दिल्ली पुलिस के विशेष सीपी सुरक्षात्मक सुरक्षा प्रभाग मधुप तिवारी ने कहा कि ये शिखर सम्मेलन बेहद महत्वपूर्ण है, जिसकी सुरक्षा के लिए हर कदम उठाए गए है। इस सम्मेलन के सफल आयोजन को लेकर पूरी दिल्ली में हाई अलर्ट घोषित किया गया है। दिल्ली पुलिस के विशेष सीपी सुरक्षा, तिवारी ने कहा कि जी20 शिखर सम्मेलन जैसे मेगा इवेंट के लिए पूरी दिल्ली खास तौर से नई दिल्ली इलाके में सुरक्षा व्यवस्था के बेहद कड़े इंतजाम किए गए है। इस सम्मेलन के सफलतापूर्वक आयोजन के लिए सुरक्षा के लिए अच्छी तरह से योजना तैयार की गई है। दिल्ली पुलिस क्षमता निर्माण, बार-बार रिहर्सल और ब्रीफिंग की मदद से ये सुनिश्चित कर रही है कि सम्मेलन के दौरान भी दिल्ली पुलिस की टीम हर तरह से तैयार रहे और आयोजन में कोई परेशानी ना आए। दिल्ली पुलिस के अलावा सीएपीएफ और सशस्त्र बलों को भी सुरक्षा की जिम्मेदारी सौंपी गई है। इस संबंध में स्पेशल सीपी प्रोटेक्टिव सिक्योरिटी डिवीजन ने कहा कि दिल्ली पुलिस ने आतंकवाद विरोधी कदम जैसे कई कदम उठाए हैं लेकिन यह भी सुनिश्चित किया गया है कि नागरिकों को कम से कम परेशानी का सामना करना पड़े और उन्हें कोई परेशानी न हो। उन्होंने कहा कि ऐहतियात के लिए हर आयोजन स्थल पर स्पेशल सीपी स्तर के अधिकारी को आयोजन स्थल कमांडर तैनात किया गया है। अधिकारी ने बताया कि इस दौरान किसी तरह की असामान्य या आतंकी गतिविधि न हो इसके लिए विशेष प्रबंध भी किए गए है। उन्होंने कहा, दिल्ली पुलिस के पास सीमित जनशक्ति है, हमें कर्मचारियों और उपकरणों के रूप में सीएपीएफ से मदद मिल रही है। हमारे सभी कर्मचारी इस आयोजन के लिए तैयार हैं और उन्हें भूमिका-आधारित सूक्ष्म कार्यात्मक स्तर का प्रशिक्षण प्राप्त हुआ है। सभी व्यवस्थाओं को भूमिका मिली है। दिल्ली पुलिस को माइक्रो फंक्शनल लेवल ट्रेनिंग मिली है, जिसके साथ ही सारी व्यवस्थाएं पक्की कर ली गई हैं। उन्हें ब्रीफ कर लिया गया है और रिहर्सल कर ली गई है। हमें एनएसजी और सशस्त्र बलों से मदद मिल रही है। पूरी दिल्ली में हाई अलर्ट रहेगा।

सुकेश ने जेल में तैनात दो सहायक अधीक्षकों पर भष्ट्राचार का आरोप लगाया

नई दिल्ली । मंडोली जेल में बंद कथित ठग सुकेश चंद्रशेखर ने सहायक अधीक्षक किशन मोहन और सहायक अधीक्षक प्रदीप शर्मा के खिलाफ दिल्ली की जेल में भ्रष्टाचार में लिप्त होने का आरोप लगाकर शिकायत दर्ज कराई है। दिल्ली पुलिस के भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) के आयुक्त को संबोधित अपने पत्र में, चंद्रशेखर ने दावा किया है कि जब वह तिहाड़ की जेल-1 में बंद थे, तब उससे जेल सुरक्षा राशि के रूप में 12 लाख रुपये की उगाही की गई थी। यह रकम कथित तौर पर उनके स्टाफ द्वारा हरि नगर में कदंबोरी रेस्तरां के बाहर पहुंचाई गई थी। कैदी ने आरोप लगाया कि सहायक अधीक्षक मोहन, जो अब जेल-11, मंडोली में तैनात हैं, उस पर अतिरिक्त धनराशि देने का दबाव डाल रहे हैं। जेल अधीक्षक को कई बार शिकायत करने के बावजूद कोई कार्रवाई नहीं की गई, इसके बाद चंद्रशेखर ने बताया कि अधिकारी मासिक आधार पर विभिन्न कैदियों से अच्छी खासी रकम वसूल रहा है। इसके अतिरिक्त, सहायक अधीक्षक शर्मा, जो जेल-11, मंडोली में भी तैनात हैं, ने पहले 7.50 लाख रुपये की उगाही की थी, ऐसा चंद्रशेखर ने आरोप लगाया है। कैदी ने दोनों अधिकारियों पर मिलकर विभिन्न कैदियों से 15-20 लाख से अधिक की मासिक वसूली करने का आरोप लगाया है। चन्द्रशेखर ने दावा किया है कि दोनों अधिकारियों के पास गुड़गांव और अलवर में करोड़ों की संपत्ति है, जो कथित तौर पर भ्रष्टाचार से अर्जित हुई है। सुकेश ने बताया कि शर्मा को पहले भ्रष्टाचार के आरोप में गिरफ्तार किया गया था, लेकिन वह फिर से ड्यूटी पर लौट आए और भष्ट्राचार को जारी रखा। चन्द्रशेखर ने आरोप लगाया है, मैं विनम्रतापूर्वक इस आवेदन के आधार पर शिकायत दर्ज करने का अनुरोध करता हूं, उक्त दोनों अधिकारियों ने मुझसे 19.50 लाख रुपये की राशि जबरन वसूली की है। मुझ पर और अधिक भुगतान करने के लिए दबाव डालते रहे हैं।

नवी मुंबई में ड्रग तस्करों पर बड़ी कार्रवाई, छह विदेशी महिलाएं गिरफ्तार, 2 करोड़ की ड्रग्स जब्त

नवी मुंबई। नवी मुंबई के वाशी के जुहूगांव के एक होटल से छह नाइजीरियाई महिलाओं को पुलिस ने हिरासत में लिया है. पुलिस को सूचना मिली थी कि ये महिलाएं ड्रग्स बेच रही हैं जिसके बाद पुलिस टीम ने छापा मारा. इस छापेमारी में पुलिस ने ड्रग्स जब्त कर नाइजीरियाई महिलाओं को हिरासत में लेकर थाने ले गई. ये महिलाएं कई दिनों से इलाके में सक्रिय थीं. पुलिस द्वारा यह कार्रवाई उपायुक्त विवेक पानसरे और वाशी पुलिस स्टेशन के वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक शशिकांत चांदेकर के मार्गदर्शन में की गई. बताया गया है कि पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि युवाओं को नशे की सप्लाई की जा रही है. गृह मंत्रालय की ओर से दिए गए आदेश के मुताबिक शुक्रवार दोपहर से नवी मुंबई में जगह-जगह अवैध रूप से रह रहे विदेशी नागरिकों के खिलाफ अभियान शुरू किया गया है. जिन विदेशी नागरिकों का वीजा समाप्त हो गया है, उनकी तलाशी ली गई है। इस मामले में 15 से ज्यादा विदेशी नागरिकों को हिरासत में लिया गया है. इसमें अधिकतर नागरिक अफ्रीकी देशों से हैं। नवी मुंबई पुलिस ने उन सभी संदिग्धों की तलाश के लिए हर जगह छापेमारी शुरू कर दी है जो नवी मुंबई में रह रहे हैं लेकिन उनका वीजा की अवधि समाप्त हो गई है। वाशी के जुहू गांव, जुहू गांव खाडी परिसर, बोनकोडे खैरणे गांव और पनवेल खारघर क्षेत्र में शहर के पास के गांवों में तलाशी अभियान शुरू किया गया है। इसमें वाशी के जुहू गांव से नाइजीरिया मूल के पांच नागरिकों को हिरासत में लिया गया है. अन्य जगहों पर 10 से ज्यादा लोगों को हिरासत में लिया गया है. पुलिस ने कहा कि इसमें बड़े पैमाने पर बढ़ोतरी की आशंका है. नशा तस्करों के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की गई है. गुप्त सूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए नवी मुंबई पुलिस ने ड्रग तस्करों के विभिन्न ठिकानों पर छापेमारी की। तलाशी और जब्ती अभियान में 600 से अधिक पुलिस अधिकारी और जवान शामिल हुए हैं और अब तक 75 विदेशी नागरिकों से पुलिस पूछताछ कर रही है. मादक पदार्थों की तस्करी में उनकी संलिप्तता के साथ-साथ उनकी राष्ट्रीयता की भी जांच की जा रही है। नशीले पदार्थों की खोज और जब्ती अभी भी जारी है। अब तक लगभग 700 ग्राम कोकीन, 300 ग्राम से अधिक एमडी, 300 किलोग्राम ट्रामाडोल हाइड्रोक्लोराइड जब्त किया गया है। अब तक जब्त की गई ड्रग्स की कुल कीमत 2 करोड़ रुपया है. पुलिस कमिश्नर मिलिंद भारंबे के नेतृत्व में नवी मुंबई पुलिस नशीले पदार्थों के उन्मूलन के लिए कड़ी मेहनत कर रही है।

इजरायली कंपनी द्वारा की जा रही है भारतीय नागरिकों की जासूसी?

नई दिल्ली । भारतीय नागरिकों की दूरसंचार उपकरण के माध्यम से जासूसी होने की बात सामने आ रही है। भारत की संचार निगरानी प्रणालियों निगरानी कंपनियों के लिए बैक डोर का काम कर रहे हैं। भारत सरकार 1। 4 अरब नागरिकों की निगरानी करने के लिए सरकार के निर्देश पर दूरसंचार उपकरण लगाने की अनिवार्यता की गई है। ताकि एआई और डाटा एनालिटिक्स की मदद से जरूरत पड़ने पर सुरक्षा एजेंसियां तक डाटा पहुंचाया जा सके।

डाटा सेंटर पर लगे सुरक्षा उपकरण

भारत में कॉग्नाइट एक स्पाइवेयर सॉफ्टवेयर है। सूत्रों से प्राप्त जानकारी के अनुसार इजरायली कंपनियों द्वारा तैयार कॉग्निटी और सेफ्टीयर जैसी कंपनियों के उपकरणों के माध्यम से जासूसी की जा रही है।

मेटा ने लगाए थे जासूसी के आरोप

2021 में मेटा ने आरोप लगाया था कागनाइट उन कंपनियों में से एक है। जिनकी सेवाएं अमेरिका, चीन, इसराइल, सऊदी अरब आदि देशों में लगभग 50000 पत्रकारों मानवाधिकार कार्यकर्ताओं और राजनेताओं को ट्रैक करने के लिए किया जा रहा है। इसमें भारत का जिक्र नहीं था। लेकिन भारत के विपक्षी नेताओं ने जासूसी करने के आरोप लगाए थे।

रिपोर्ट में दावा- जो रिपोर्ट जारी की गई है। उसमें इसराइल स्थित कंपनी सेफ्टीईयर के उपकरण मुकेश अंबानी की रिलायंस जिओ, वोडाफोन, आइडिया और सिंगापुर की सिंगटेल सहित अन्य समूह को वेध तरीके से इंटरसेप्शन तकनीकी बेची है। इस तकनीकी के माध्यम से आवाज, संदेश, सेवा,वेब सर्फिंग और ईमेल की जानकारी को आसानी से देखा जा सकता है। उस पर नियंत्रण किया जा सकता है।

सोनिया को राहुल की, लालू को अपने लाल और अखिलेश को डिंपल की चिंता : नड्डा

-इंडिया के लोग देश को नहीं परिवार को आगे ले जाना चाहते

गाजियाबाद (एजेंसी)। भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने मुंबई में हुई विपक्षी दलों की बैठक पर निशाना साधकर कहा कि इन दलों को दिल्ली और देश की चिंता नहीं है, बल्कि अपने-अपने परिवार की चिंता है। नड्डा ने गाजियाबाद से भाजपा के राष्ट्रव्यापी कार्यक्रम मेरी माटी, मेरा देश का शुभारंभ करने के बाद मौजूद लोगों को संबोधित कर कहा कि एक ओर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी देश को आगे ले जा रहे हैं, वहीं मुंबई में इकट्ठा होने वाले लोग वे हैं जो परिवार को आगे ले जाना चाहते हैं। नड्डा ने कहा कि सोनिया गांधी को राहुल गांधी की चिंता है, लालू को तेजस्वी की चिंता है, अखिलेश को डिंपल की चिंता है, उद्धव ठाकरे को महाराष्ट्र की नहीं आदित्य की चिंता है, ममता बनर्जी को बंगाल की नहीं भतीजे की चिंता हैं, इसी परिवारवाद के कारण ही शरद पवार की पार्टी टूटी है। उन्होंने कहा कि मां-बेटे जमानत पर है,

लालू यादव को सजा मिली हुई है, मनीष सिसोदिया जेल में है।

नड्डा ने तुष्टिकरण को लेकर इन दलों पर निशाना साधकर कहा कि कर्नाटक में हाल ही में सरकार बनाने वाली कांग्रेस मुस्लिम कोटा दे रही है। इसकारण इन लोगों को घर पर बैठाकर नरेंद्र मोदी को फिर से प्रधानमंत्री बनाना है। भाजपा अध्यक्ष ने पार्टी कार्यकर्ताओं से देश के गांव-गांव और घर-घर जाकर देश के 140 करोड़ लोगों को जोड़कर इस अमृत काल में 2047 तक भारत को विकसित देश बनाने के संकल्प से जोड़ने का आह्वान किया। नड्डा ने मोदी सरकार की उपलब्धियों को गिनाकर कहा कि चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर चंद्रयान पहुंचा और यह उपलब्धि हासिल करने वाला भारत दुनिया का पहला देश बन गया है और आज भारत ने सूर्य का अ?ययन करने के लिए आदित्य एल-1 लांच किया।

कार्यक्रम का शुभारंभ करने से पहले नड्डा ने गाजियाबाद में शहीद मेजर मोहित शर्मा के घर जाकर उनके परिजनों से मुलाकात कर अमृत वाटिका में पौधारोपण भी किया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भाजपा ने राष्ट्रव्यापी अभियान मेरी माटी, मेरा देश को लॉन्च किया है जो 15 सितंबर तक चलेगा। जनजागरण के इस कार्यक्रम के तहत हर घर से मिट्टी इकट्ठी की जाएगी। सांसद अपने क्षेत्र के हर गांव में जाकर अमृत वाटिका बनाएंगे, वहां से मिट्टी दिल्ली लाई जाएगी और इस मिट्टी से दिल्ली स्थित कर्तव्य पथ पर अमृत वाटिका बनाई जाएगी।

शिवराज के गढ़ भोपाल में हो सकती हैं, इंडिया गठबंधन की अगली बैठक

नई दिल्ली । भारतीय राष्ट्रीय विकासात्मक समावेशी गठबंधन (इंडिया) ने अपनी तीसरी बैठक में सीट शेयरिंग के साथ-साथ पैनल बनाने और अगले माह एक रैली करने सहित कई मुद्दों पर चर्चा की। हालांकि, गठबंधन अपना लोगो नहीं जारी कर पाया। इस अंतिम रूप दिया जाना बाकी है। नेताओं ने भविष्य में होने वाली चर्चा और निर्णय लेने के लिए 14 सदस्यीय समन्वय समिति बनाने का भी फैसला किया। इस बीच सूत्रों ने बताया है कि इंडिया गठबंधन की अगली बैठक शिवराज सिंह चौहान के गढ़ मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल में होने की संभावना है। नवंबर से पहले होने वाले विधानसभा चुनावों को देखते हुए यह स्थान महत्वपूर्ण है।

कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने इस बात पर जोर दिया कि कैसे विपक्षी दलों के नेता एक साथ रहने के लिए लचीलापन दिखा रहे हैं। वहीं, आम आदमी पार्टी (आप) के राष्ट्रीय संयोजक और दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने कहा कि शक्तिशाली लोग गठबंधन तोड़ने की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि इंडिया गठबंधन का कोई भी नेता किसी पद पर नजर नहीं गड़ाए हुए है। बता दें कि इसकी अटकलें थीं कि आम आदमी पार्टी चाहती है कि केजरीवाल को प्रधानमंत्री पद के उम्मीदवार के तौर पर पेश किया जाए।

बैठक में भाग लेने वाले एक वरिष्ठ नेता ने कहा, हम नहीं चाहते थे कि कोई व्यक्ति गठबंधन का चेहरा बने और इसलिए एक समन्वय समिति बनाने का निर्णय लिया गया। बैठक शुरू होते ही बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने ऐलान किया कि वह गठबंधन का संयोजक नहीं बनना चाहते है।

'दो-तीन अरबपतियों के लिए काम करते हैं बीजेपी और मोदी', राहुल बोले-

अडानी पर कोई जांच नहीं करा सकते पीएम

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस नेता और वायनाड से सांसद राहुल गांधी ने शनिवार को चुनावी राज्य छत्तीसगढ़ में एक कार्यक्रम में अदानी समूह के स्टॉक हेरफेर के आरोपों को लेकर प्रधानमंत्री और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नेता नरेंद्र मोदी पर निशाना साधा। उन्होंने कहा, 'भारत के पीएम अडानी पर जांच नहीं कर सकते। क्योंकि जांच के बाद नुकसान अडानी को नहीं बल्कि किसी और को होगा।' छत्तीसगढ़ में अपने संबोधन में राहुल गांधी ने कहा कि मैं साफ कहता हूं कि हिंदुस्तान के प्रधानमंत्री अडानी पर कोई जांच नहीं करा सकते। क्योंकि जांच का नतीजा सामने आया तो नुकसान अडानी का नहीं किसी और का होगा।

कांग्रेस नेता ने आरोप लगाया कि भाजपा और मोदी जी हिंदुस्तान के दो-तीन अरबपतियों के लिए काम करते हैं। उन्होंने कहा कि दुनिया के दो बड़े अखबारों ने लिखा था- मोदी जी के करीबी अडानी ने हजारों करोड़ रुपया हिंदुस्तान से बाहर देशों में भेजा। फिर स्टॉक मार्केट में अपने शेयरों का दाम बढ़ाया और उन पैसों से अडानी ने आपकी पूंजी खरीदी। मैं आपसे कहना चाहता हूं कि मध्यप्रदेश और तेलंगाना में आने वाली सरकारें अडानी की नहीं बल्कि गरीबों की सरकारें होंगी। राहुल गांधी ने कहा

कि मैं साफ कहना चाहता हूं कर्नाटक सरकार हो, हिमाचल प्रदेश सरकार हो, छत्तीसगढ़ सरकार हो, राजस्थान सरकार हो या जो अभी आने वाली हैं मध्य प्रदेश, तेलंगाना सरकार ये सारी सरकारें गरीबों की सरकारें होंगी। अडानी की सरकारें नहीं होंगी।

कर्नाटक विधानसभा चुनाव में बीजेपी को मिली हार के बारे में बात करते हुए राहुल गांधी ने कहा, ÷हर चुनाव से पहले बीजेपी एक नंबर पेश करती है। वे कहते हैं कि उन्हें 230-250 सीटें मिलेंगी। लेकिन कर्नाटक के हर गरीब व्यक्ति ने कांग्रेस को वोट दिया।' उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा ने भारत की आर्थिक रीढ़ तोड़ दी है। जीएसटी और नोटबंदी ने छोटे व्यापारियों को बर्बाद कर दिया और यह जानबूझकर किया गया था। कार्यक्रम में छत्तीसगढ़ के सीएम भूपेश बघेल ने कहा, 'कांग्रेस पार्टी हमेशा आम लोगों को सशक्त बनाने और उन्हें उनका अधिकार दिलाने की दिशा में काम करती है।' भूपेश बघेल ने कहा कि आने वाले 5 साल में 12-15 लाख लोगों के लिए रोज़गार की व्यवस्था छत्तीसगढ़ सरकार करेगी।

मोदी सरकार घबराई हुई हैं, पहले हो सकते हैं आम चुनाव : नीतीश

पटना (एजेंसी)। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने कहा कि मोदी सरकार ने संसद का विशेष सत्र बुलाकर समय से पहले लोकसभा चुनाव कराने की उनकी आशंका को बल दिया है। जद (यू) नेता ने यह टिप्पणी की। उन्होंने कहा कि आपको यह समझने की जरूरत है, कि यह विशेष सत्र एक संकेत है कि वे शीघ्र चुनाव के बारे में सोच रहे हैं, जिसकी संभावना मैं काफी समय से देख रहा हूं और आप सभी के साथ साझा कर रहा हूं। संसद, जिसे पिछले महीने मानसून सत्र के बाद अनिश्चित काल के लिए स्थगित कर दिया गया था, एक विशेष सत्र के लिए 18 से 22 सितंबर तक बैठक करेगी, जिसके एजेंडे को केंद्र ने सार्वजनिक नहीं किया है।

वहीं, विपक्ष की बैठक पर सीएम कुमार ने कहा कि यह बहुत अच्छी रही है। 5 तरह के कामों के लिए कमेटी बन गई है। केंद्र सरकार बहुत कुछ कर रही है, लोकसभा और विधानसभा के चुनाव एक साथ कराने की बात हो रही है। ये पहले भी होता था, ये बहुत अच्छा है। उन्होंने कहा कि बहुत सी चीजें पहले होती थी, जनगणना भी हर 10 साल पर होती थी, लेकिन आपने (भाजपा) नहीं कराया, ये होना चाहिए था। कल इन सब पर भी बात हुई। उन्होंने दावा किया कि मुझे पहले से ही शक है कि ये पहले चुनाव करा सकते हैं। विपक्ष की एकता से ये खतरा महसूस कर रहे हैं। केंद्र सरकार बहुत घबराहट में है।

जद (यू) नेता, जिनकी पार्टी के लोकसभा में 16 सांसद हैं, ने एक राष्ट्र एक चुनाव के बारे में सवालों का जवाब नहीं दिया, लेकिन कहा, इसतरह के मुद्दे हैं जिन्हें आगामी सत्र के दौरान जोरदार ढंग से उठाया जाएगा। बिहार के उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव ने कहा कि जनता जो मजबूत विकल्प चाहती थी, वे विकल्प हम तैयार कर रहे हैं। समन्वय समिति(गठबंधन की) भी बन गई है...वन नेशन, वन इलेक्शन से पहले उन्हें वन नेशन, वन इनकम करनी चाहिए। पहले लोगों के साथ आर्थिक न्याय करें।

मोहन भागवत की दो टूक, हमारे देश का नाम भारत है, इंडिया नहीं

गुवाहाटी । देश में विपक्षी दलों के गठबंधन द्वारा अपने अलायंस का नाम इंडिया रखने के बीच में राष्ट्रीय स्वंय सेवक संघ (आरएसएस) प्रमुख मोहन भागवत का बड़ा बयान आया है। भागवत ने लोगों से कहा कि वे इंडिया की जगह भारत इस्तेमाल करें। उन्होंने कहा हमारे देश का नाम भारत है, इंडिया नहीं है। भागवत ने कहा कि सदियों से इस देश का नाम भारत है, इंडिया नहीं। इसलिए हमें इसका पुराना नाम ही इस्तेमाल करना चाहिए। उन्होंने कहा कि बोलने और लिखने के साथ सर्वत्र हम भारत कहें। भागवत के इस बयान पर सियासी तूफान खड़ा होने के आसार हैं। भागवत ने सकल जैन समाज के एक कार्यक्रम में यह बयान दिया। भागवत ने कहा कि हमारे देश का नाम सदियों से भारत ही है। भाषा कोई भी हो, नाम एक ही रहता है। हमारा देश भारत है और हमें सभी व्यवहारिक क्षेत्रों में इंडिया शब्द का इस्तेमाल बंद कर भारत शब्द का इस्तेमाल शुरू करना होगा। तभी बदलाव आएगा। भागवत ने कहा कि हमें अपने देश को भारत कहना होगा और दूसरों को भी यही समझाना होगा। इसके एक दिन पहले भागवत ने कहा था कि भारत एक हिंदू राष्ट्र है और सभी भारतीय हिंदू हैं और सभी भारतीय हिंदुत्व का प्रतिनिधित्व करते हैं।

6 सितंबर को इंडोनेशिया जाएंगे पीएम मोदी, आसियान-भारत शिखर सम्मेलन में होंगे शामिल

-विपक्षी दलों ने शिंदे सरकार को घेरा

नई दिल्ली (एजेंसी)। विदेश मंत्रालय ने शनिवार को कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 6-7 सितंबर तक इंडोनेशिया में 20वें आसियान-भारत शिखर सम्मेलन और 18वें पूर्वी एशिया शिखर सम्मेलन (ईएएस) में भाग लेंगे। प्रधानमंत्री राष्ट्रपति जोको विडोडो के निमंत्रण पर देश की यात्रा करेंगे। उनकी इंडोनेशिया यात्रा 9-10 सितंबर तक नई दिल्ली में होने वाले जी20 शिखर सम्मेलन से पहले हो रही है। आगामी आसियान-भारत शिखर सम्मेलन 2022 में भारत और दक्षिण पूर्व एशियाई देशों के समूह के देशों के संगठन के बीच संबंधों को व्यापक रणनीतिक साझेदारी तक बढ़ाने के बाद पहला शिखर सम्मेलन होगा।

भारतीय विदेश मंत्रालय ने कहा कि आगामी शिखर सम्मेलन में भारत और अन्य आसियान सदस्यों के बीच संबंधों की प्रगति की समीक्षा की जाएगी। एक बयान के अनुसार, पूर्वी एशिया शिखर सम्मेलन आसियान देशों के नेताओं और

भारत सहित इसके आठ संवाद भागीदारों को क्षेत्रीय और वैश्विक महत्व के मुद्दों पर विचारों का आदान-प्रदान करने का अवसर प्रदान करेगा।

2018 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इंडोनेशियाई राष्ट्रपति विडोडो के निमंत्रण पर जकार्ता का दौरा किया। इस यात्रा के दौरान, दोनों नेता इंडोनेशिया और भारत के बीच द्विपक्षीय संबंधों को एक नए युग में ले जाने के लिए एक नई व्यापक रणनीतिक साझेदारी स्थापित करके सभी क्षेत्रों में सहयोग को मजबूत करने पर सहमत हुए।

महाराष्ट्र में फिर भड़क उठी मराठा आरक्षण की आग

-विपक्षी दलों ने शिंदे सरकार को घेरा

मुंबई (एजेंसी)। कुछ मराठा समूहों द्वारा शुरू आरक्षण समर्थक आंदोलन ने हिंसक रूप ले लिया, जो सोलापुर, औरंगाबाद, नागपुर और महाराष्ट्र के अन्य शहरों में आंदोलन के साथ और अधिक जिलों में फैल गया। प्रदर्शनकारियों ने सोलापुर-पुणे राजमार्ग को अवरुद्ध कर दिया, नागपुर, औरंगाबाद में जोरदार आंदोलन शनिवार को बीड और जालना में बंद का आह्वान किया गया। विपक्षी महा विकास अघाड़ी (एमवीए) के सहयोगी दल कांग्रेस, शिवसेना (यूबीटी) और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एसपी) ने हिंसा और अकारण पुलिस कार्रवाई के लिए सत्तारूढ़ शिव सेना-भारतीय जनता पार्टी-राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एपी) के सहयोगियों की आलोचना की है।

मामले की गंभीरता देखकर राकांपा अध्यक्ष शरद पवार स्थिति का जायजा लेने मुंबई से जालना के लिए रवाना हुए, जबकि कांग्रेस के विपक्ष के नेता विनय वडेट्टीवार और छत्रपति संभाजीराजे ने जालना का दौरा किया, और सेना (यूबीटी) सांसद संजय राउत ने हिंसा और पुलिस लाठीचार्ज के लिए सरकार को दोषी ठहराया। 1 सितंबर की शाम को, मराठों के लिए नौकरियों और शिक्षा में आरक्षण की मांग करने वाले हजारों प्रदर्शनकारी अंबाद क्षेत्र के अंतरवली-सारथी गांव में एकत्र हुए, जहां मराठा मोर्चा के संयोजक, मनोज जारांगे और अन्य लोग मंगलवार (29 अगस्त) से भूख हड़ताल पर बैठे थे। जैसे ही जारांगे की हालत बिगड़ने लगी, एक पुलिस दल ने आंदोलन को तोड़ने और उन्हें अपनी भूख हड़ताल तोड़ने के लिए मजबूर करने का प्रयास किया, जिससे जाहिर तौर पर उनके समर्थक नाराज हो गए। हाथापाई में पुलिस ने कथित तौर पर कड़ी चेतावनी देकर भीड़ को तितर-बितर करने का प्रयास किया, जिसे अनसुना कर दिया गया और लोगों ने कथित तौर पर पथराव किया। पुलिस ने जवाबी कार्रवाई में प्रदर्शनकारियों पर लाठियां बरसाईं, आंसू गैस के गोले छोड़े और यहां तक कि प्रदर्शनकारियों को खदेड़ा, जिसमें कुछ पुलिसकर्मियों सहित कम से कम दो दर्जन लोग घायल हो गए। गुस्साए प्रदर्शनकारी मौके से भाग गए और बाद में गांव के बाहरी इलाके में कम से कम दो बसों में आग लगा दी, और बाद में औरंगाबाद से आगजनी की खबरें आईं, और आज अन्य जिलों में भी अधिक विरोध प्रदर्शन हुए।

इंडिया में संयोजक की जरुरत नहीं, समन्वय समितियां आम सहमति से काम करेगी: ठाकरे

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे ने कहा कि विपक्षी गठबंधन 'इंडिया के संयोजक की कोई जरूरत नहीं है, क्योंकि इसमें समन्वय समितियां हैं, जो आम सहमति के आधार पर काम करेंगी। ठाकरे ने कहा कि 'इंडिया का 'लोगो अभी जारी नहीं किया गया है, ताकि इस संबंध में लोगों से सुझाव मांगे जा सकें।

उन्होंने कहा, एक सुझाव था कि हम 'लोगो पर लोगों की राय लें, क्योंकि यह लड़ाई लोगों के हित के लिए है। उन्होंने कहा, लोगो को लेकर कोई भ्रम नहीं है। हमारे पास दो-तीन 'लोगो तैयार थे, लेकिन इसके अनावरण को अभी रोक दिया गया, क्योंकि सभी को यह सुझाव पसंद आया कि हम लोगों के पास जाएं। जनभागीदारी पहले दिन से हमारे साथ रहेगी। ठाकरे ने 'इंडिया के संयोजक पद के बारे में कहा कि प्रत्येक राज्य में एक समन्वय समिति होगी, जो ''आगे बढ़ने का आसान रास्ता होगी। उन्होंने कहा, ''हमने सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेतृत्व वाले राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) के खिलाफ जहां भी संभव हो, आमने-सामने की लड़ाई सुनिश्चित करने का फैसला किया है। ठाकरे ने कहा कि महाराष्ट्र में 'पीजेंट्स एंड वर्कर्स पार्टी(पीडब्ल्यूपी) इस गठबंधन में शामिल हो गई है और प्रकाश आंबेडकर के नेतृत्व वाली वंचित बहुजन अघाड़ी के साथ बातचीत जारी है, जबकि अन्य राज्यों में समन्वय समितियां इसी तरह (अधिक पार्टियों को अपने साथ लाने के लिए) चर्चा करेंगी।

कर्नाटक में सूखे जैसे हालात, मगर मंत्रियों के ठाट-बाट

- सिद्धारमैया सरकार खरीदेगी 33 लग्जरी गाड़ियां

बेंगलुरु (एजेंसी)। ऐसे समय में जब कर्नाटक के 246 तालुकों में से 75 प्रतिशत में सूखे जैसे हालात का सामना कर रहे हैं और राज्य में वित्तीय संकट दिखाई दे रहा है। कर्नाटक सरकार ने मंत्रियों के लिए 33 आलीशान कारें खरीदने का फैसला किया है। पांच बड़े चुनावी वादे करके सत्ता में आई कांग्रेस की सरकार को अभी अपनी पांच बड़ी चुनावी गारंटी भी पूरी करनी है। बहरहाल फिजूलखर्ची से बचने के उपाय करने के बजाय मुख्यमंत्री सिद्धारमैया की सरकार ने पूरे मंत्रिमंडल के लिए 33 हाई-एंड हाइब्रिड कारों की खरीद के लिए मंजूरी दी है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक सीएम सिद्धारमैया को लगभग दो महीने पहले ही एक फॉर्च्यूनर एसयूवी आवंटित की जा चुकी है। अब 33 मंत्रियों के लिए 17 अगस्त को जारी आदेश के मुताबिक गाड़ी खरीदने के लिए कहा गया है। इन सभी मंत्रियों के लिए 30 लाख रुपए कीमत की नई हाइब्रिड हाईक्रॉस एसयूवी की खरीद की जाएगी। इस आदेश में कहा गया है कि 33 नए मंत्रियों के लिए नई इनोवा हाइक्रॉस-हाईब्रिड एसयूवी के लिए करीब 9.9 करोड़ रुपए खर्च किए जाने वाले हैं। इसके लिए कार्मिक और प्रशासनिक सुधार विभाग बेंगलुरु में टोयोटा-किर्लोस्कर मोटर कंपनी से सीधे सार्वजनिक खरीद में कर्नाटक पारदर्शिता अधिनियम-1999 की धारा 4जी के तहत छूट के लिए संपर्क करेगा। डीपीएआर को इन गाड़ियों को खरीदने की शक्तियां हासिल हैं। केटीपीपी कानून के मुताबिक जब भी कोई प्राकृतिक आपदा या आपातकाल घोषित किया जाता है, तो सरकार द्वारा 4जी छूट मांगी जाती है। साथ ही नई गाड़ियों की खरीद का फैसला इस आधार पर लिया जाता है कि गाड़ी या तो 1 लाख किलोमीटर चली होनी चाहिए या उसे 3 साल पुराना होना चाहिए। सरकारी अधिकारियों ने कहा कि पिछले तीन साल से मंत्रियों के लिए कोई गाड़ी नहीं खरीदी गई थी। आखिरी ऑर्डर 2020 में पूर्व सीएम बीएस येदियुरप्पा के कार्यकाल के दौरान दिया गया था। आमतौर पर सत्ता में आने वाली हर नई सरकार नई गाड़ियों की खरीद का फैसला करती है। डीपीएआर के एक अधिकारी ने कहा कि जब नए मंत्री बनते हैं, तो यह परंपरा है कि सीएम मंत्रियों को राज्य भर में उनकी आरामदायक यात्रा के लिए नई गाड़ियों की खरीद के लिए अधिकृत करते हैं। दिलचस्प बात यह है कि यह दावा किया गया है कि किसी भी मंत्री ने निजी रूप से नई गाड़ी के लिए अनुरोध करने की बात कबूल नहीं की है, मगर जो पुरानी गाड़ी उन्हें दी गई हैं, उनके बदले वे दूसरी गाड़ी की मांग कर रहे हैं।

पाकिस्तानी सेना ने बलूचिस्तान में आठ आतंकियों को मार गिराया

बलूचिस्तान । पाकिस्तान की आतंकवाद रोधी विभाग सीटीडी ने बलूचिस्तान में आठ आतंकियों को मार गिराया है। यह कार्रवाई पिछले 24 घंटों के दौरान बलूचिस्तान प्रांत में अलग-अलग अभियानों के दौरान की गई। रिपोर्ट के मुताबिक, सुरक्षा बलों ने सूचना मिलने पर वाशुक जिले के एक कस्बे और तहसील मुख्यालय बसिमा में एक घर पर छापा मारा। इस दौरान हुई मुठभेड़ में पांच आतंकी मारे गए, जबकि तीन अन्य फरार होने में कामयाब रहे। मुठभेड़ स्थल की तलाशी के दौरान सीटीडी ने बड़ी मात्रा में हथियार और गोला-बारूद जब्त किया। मृतकों की पहचान की जा रही है। सीटीडी के प्रवक्ता ने कहा कि क्वेटा में एक अन्य ऑपरेशन में उन्होंने एक बच्चे का अपहरण करने वाले तीन लोगों को मार डाला और बच्चे को सुरक्षित रूप से बरामद किया। मारे गए लोग गैरकानूनी संगठन के सदस्य बताए जा रहे हैं। आतंकियों ने फिरौती के लिए बच्चे का अपहरण किया था। सीटीडी ने उनके ठिकाने से बड़ी संख्या में हथियार और गोला-बारूद जब्त किया था। सेना की मीडिया मामलों की शाखा के अनुसार, पिछले महीने पाकिस्तान में सुरक्षा बलों ने देश के दक्षिण-पश्चिमी बलूचिस्तान प्रांत में चीनी श्रमिकों के एक काफिले पर हमला करने वाले दो बंदूकधारियों को मार गिराया था।

अमेरिका- दक्षिण कोरिया सैन्य अभ्यास के बाद नार्थ कोरिया ने समुद्र में दागीं क्रूज मिसाइलें

सियोल। नार्थ कोरिया ने अमेरिकी व दक्षिण कोरियाई सेना के संयुक्त सैन्य अभ्यास के जवाब में शनिवार को समुद्र में कई क्रूज मिसाइलें दागीं। दक्षिण कोरियाई सेना ने यह दावा किया। दक्षिण कोरिया के ज्वाइंट चीफ ऑफ स्टाफ ने एक बयान में कहा कि उनकी सेना ने शनिवार सुबह नार्थ कोरिया के पश्चिमी तट से कई मिसाइलों का प्रक्षेपण किए जाने का पता लगाया। कहा गया है कि दक्षिण कोरियाई और अमेरिकी खुफिया अफसर प्रक्षेपण का विश्लेषण कर रहे हैं। इसमें यह भी कहा गया है कि दक्षिण कोरिया ने अपनी निगरानी क्षमता बढ़ा दी है और अमेरिका के साथ मजबूत समन्वय स्थापित है। नार्थ कोरिया ने यह प्रक्षेपण अमेरिका और दक्षिण कोरिया के 11 दिवसीय संयुक्त सैन्य अभ्यास खत्म होने के 2 दिन बाद किया है। इसके खत्म होने से एक दिन पहले भी नार्थ कोरिया ने उत्तर-पूर्वी समुद्री क्षेत्र की ओर 2 बैलिस्टिक मिसाइलें दागी थीं। नार्थ कोरिया ने कहा था कि वह संघर्ष की स्थिति में दक्षिण कोरियाई क्षेत्र पर कब्जे के लिए कमांड पोस्ट अभ्यास कर रहा है।

लंबे युद्ध के बाद रूस ने सरमत मिसाइल को मोर्चे पर लगाया

मॉस्को । रूस की अंतरिक्ष एजेंसी रोस्कोस्मोस के प्रमुख ने शुक्रवार को बताया कि देश ने एक उन्नत अंतरमहाद्वीपीय बैलिस्टिक मिसाइल तैनात की है जिसके बारे में राष्ट्रपति पुतिन ने कहा था कि यह मॉस्को के दुश्मनों को दो बार सोचने पर मजबूर कर देगी। रूसी समाचार एजेंसियों ने रोस्कोस्मोस के प्रमुख यूरी बोरिसोव के हवाले से बताया कि सरमत मिसाइल को युद्ध में तैनात किया है। मिसाइल तैनाती के संदर्भ में कोई अन्य जानकारी नहीं है। सरमत विभिन्न उन्नत हथियारों में से आईसीबीएम है इसका निर्माण पुतिन ने 2018 में किया था। यह मिसाइल कई परमाणु हथियार ले जाने में सक्षम है। इसके आर-26 आईसीबीएम की जगह लेने की संभावना है जिसे नाटो ने शैतान का नाम दिया था। निगरानी प्रणालियों को सरमत का पता लगाने के लिए बहुत कम समय मिलता है। रूस के वर्ष 2022 में यूक्रेन में सेना भेजने के करीब 2 महीने बाद पुतिन ने कहा था कि सरमत बाहरी खतरों से रूस की विश्वसनीय रूप से सुरक्षा करेगी। यह उन लोगों को दो बार सोचने पर मजबूर करेगी जो आक्रामक बयानबाजी से रूस को धमकी देने की कोशिश करते हैं।

अमेरिका में नहीं रुक रहा जेल के अंदर कैदियों के बीच खूनी संघर्ष

जॉर्जिया । अमेरिका के फुल्टन काउंटी जेल में एक सामूहिक चाकूबाजी की घटना को अंजाम दिया गया। रिपोर्ट के अनुसार, हादसे में एक बंदी की मौत हो गई और चार अन्य कैदी घायल हुए है। फुल्टन काउंटी शेरिफ कार्यालय के प्रवक्ता नताली अम्मोन्स के हवाले से बताया कि स्थिति को नियंत्रण कर मामले की जांच चल रही है। विभाग ने कहा कि घटना में 23 वर्षीय डेवियन ब्लास्के की मौत हो गई है और तीन अन्य कैदियों को अस्पताल ले जाया गया है। सभी को चाकू से घायल किया गया और अन्य व्यक्ति का इलाज जेल मेडिकल स्टाफ द्वारा किया गया। शेरिफ कार्यालय ने कहा कि अटलांटा पुलिस इस घटना में शामिल कैदियों के नाम और आपराधिक आरोप जारी करेगी। प्रारंभिक जांच से पता चला है कि हथियारों को लेकर हुए एक विवाद में कैदियों को चोटें आई। शेरिफ ने कहा कि जेल में हाल ही में भड़की हिंसा एक गंभीर चिंता का विषय है। उन्होंने बताया कि अस्थायी हथियारों का इस्तेमाल कैदी एक-दूसरे और कर्मचारियों पर हमला करने के लिए करते हैं। जुलाई के अंत से फुल्टन काउंटी जेल के कैदी की यह पांचवीं मौत है। इसके पहले 40 वर्षीय मोंटे स्टिन्सन को 31 जुलाई की रात को अपने सेल में बेहोश पाया गया था। रिपोर्ट के अनुसार, 10 अगस्त की शाम को एक हिरासत अधिकारी ने 34 वर्षीय क्रिस्टोफर स्मिथ को संदिग्ध हालत में पाया , जिसके बाद अस्पताल में भर्ती कराया गया। हालांकि, कुछ ही समय बाद उसकी मौत हो गई।

चिली में ट्रेन-मिनीबस की टक्कर में छह की मौत

सैंटियागो । मध्य चिली के सैन पेड्रो डी ला पाज में एक ट्रेन के मिनीबस से टकराने से करीब छह लोगों की मौत हो गई। रिपोर्ट के अनुसार, सैन्य पुलिस ने बताया कि दुर्घटना एक रेलमार्ग क्रॉसिंग पर हुई, इसमें मिनीबस में सवार 14 लोगों में से छह की मौत हो गई। ट्रेनों का संचालन करने वाली राज्य के स्वामित्व वाली कंपनी ईएफई सुर ने मृतकों के परिवारों के प्रति अपनी संवेदना व्यक्त कर कहा कि ट्रेन में सवार कोई भी यात्री गंभीर रूप से घायल नहीं हुआ है।

भारत कब चंद्र पर भेजेगा इंसान, स्पेस एप्लीकेशन सेंटर के निदेशक ने दिया जबाव

वॉशिंगटन । आज से लगभग 50 साल पहले सोवियत संघ और अमेरिका के बीच अंतरिक्ष में रेस चल रही थी। सोवियत संघ ने जहां अपने लैंडर चांद पर उतार दिए, वहीं अमेरिका सबसे पहले इंसानों को भेजने में कामयाब रहा। 54 साल पहले इंसान ने चांद पर कदम रखा था। पांच दशक बाद अब भारत ने भी अपना टार्गेट चांद को बना लिया है। 23 अगस्त को चांद पर लैंडर उतार कर भारत ने वह कर दिखाया, जो आज तक कोई नहीं कर सका था। लेकिन क्या कभी भारत भी चांद पर इंसानों को पहुंचा सकेगा?

इसका जवाब अहमदाबाद में स्पेस एप्लीकेशन सेंटर के निदेशक नीलेश देसाई ने दिया। उन्होंने कहा कि चंद्रमा पर मानव मिशन भेजने में कम से कम दो से तीन दशक लग सकते हैं। उनका यह बयान चंद्रयान-3 की लैंडिंग के बाद आया है। उन्होंने कहा कि अमेरिका और रूस पहले ही ऐसा कर चुके हैं। लेकिन भारत को इसमें कुछ समय लगेगा क्योंकि हमें सिर्फ आदमी नहीं भेजना, आदमी को जिंदा वापस भी लाने की जरूरत है। हमें तकनीक बढ़ाने की जरूरत है। अगर हमारे पास अच्छी परखी हुई तकनीक हुई तब यह कदम उठा सकते हैं। लेकिन इसमें भारत को कम से कम 20-30 साल लग सकते हैं। नासा फिर चांद पर जाने की तैयारी कर रहा है। नासा का लक्ष्य है कि 2025 तक इंसानों को फिर चांद पर पहुंचाया जाए। इसके लिए नासा ने आर्टेमिस प्रोग्राम की शुरुआत की है। इसमें तीन मिशन चलाए जाएंगे। सबसे पहला मिशन आर्टेमिस-1 है जो 2022 में पूरा हो गया है। इसके तहत खाली ओरायन कैप्सूल को चांद तक भेजा गया। ये कैप्सूल चांद का चक्कर लगा कर धरती पर वापस आ गया। ओरायन ने 450,000 किमी की यात्रा की थी और 130 किमी की ऊंचाई से चांद का चक्कर लगाया था। इसके बाद 2024 के अंत तक आर्टेमिस-2 मिशन चलाया जाएगा, जिसमें 4 अंतरिक्ष यात्रियों को बैठाकर चांद तक भेजा जाएगा। यह लोग सिर्फ चांद का चक्कर लगाकर वापस आ जाएगा। मिशन में आठ से दस दिन लगेगा और ओरियन मॉड्यूल के लाइफ सपोर्ट सिस्टम और इसकी क्षमता का मूल्यवान डेटा इकट्ठा किया जाएगा। तीसरा आर्टेमिस मिशन 30 दिनों का होगा, जिसके तहत इंसानों को चांद पर भेजा जाएगा। स्पेसएक्स की तरफ से एक ह्यूमन लैंडिंग सिस्टम डिजाइन किया जा रहा है, जिससे इंसानों को चांद पर उतारा जाएगा।

नेशनल एक्शन पार्टी (पेन) के मैक्सिकन सीनेटर ज़ोचिटल गैलवेज़, एक इन्फ्लैटेबल हरे रंग का डायनासोर सूट पहने हुए, सीनेट में सत्तारूढ़ वामपंथी नेशनल रिजनरेशन मूवमेंट (मोरेना) के एक बिल के ख़िलाफ विरोध प्रदर्शन करते हुए। दिसंबर 2022 को लिया गया यह चित्र शुक्रवार को प्रदर्शित किया गया।

पाकिस्तान में आम चुनाव होने की तारीख आ गई सामने

इस्लामाबाद । पाकिस्तान चुनाव आयोग (ईसीपी) ने कहा कि वह 30 नवंबर तक राष्ट्रीय और प्रांतीय विधानसभाओं के निर्वाचन क्षेत्रों का परिसीमन पूरा करने की तैयारी कर रहा है। यह निर्णय ईसीपी को कोई अन्य व्यावहारिक कठिनाइयां होने पर संभावित तिथि 28 जनवरी या 4 फरवरी के साथ जनवरी 2024 के अंतिम सप्ताह में आम चुनाव कराने की अनुमति देता है। मुख्य चुनाव आयुक्त (सीईसी) सिकंदर सुल्तान राजा ने परिसीमन प्रक्रिया को पूरा करने के लिए आवश्यक समय को कम करने का निर्णय लिया। हालाँकि, यदि पाकिस्तान सुप्रीम कोर्ट हस्तक्षेप कर परिसीमन प्रक्रिया को रद्द करने और संवैधानिक आवश्यकता को पूरा करने के लिए 90 दिनों में आम चुनाव कराने का निर्देश देता है, तब चुनाव पहले कराए जा सकते हैं। एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि हम (उच्चतम न्यायालय के आदेश का) अनुपालन करने वाले हैं। पाकिस्तानी कानूनी विशेषज्ञों के अनुसार, ईसीपी को खुद फैसले लेने के बजाय शीर्ष अदालत के साथ काम करना पड़ सकता है। उन्होंने दो प्रांतीय विधानसभाओं के विघटन के बाद पंजाब और खैबर पख्तूनख्वा में चुनाव कराने से संबंधित एक मामले में फैसले की समीक्षा करने की मांग करने वाली ईसीपी याचिका को सुप्रीम कोर्ट द्वारा खारिज करने की ओर इशारा किया।

सिंगापुर में थरमन शणमुगारत्नम ने जीता राष्ट्रपति का चुनाव

- चुनाव में 70 फीसदी से अधिक मिले वोट

सिंगापुर (एजेंसी)। सिंगापुर में करीब एक दशक बाद हुए राष्ट्रपति के चुनाव में भारतीय मूल के थरमन शणमुगारत्नम ने बाजी मार ली है। थरमन शणमुगारत्नम को चुनाव में 70 फीसदी से अधिक मत मिले हैं। सिंगापुर के चुनाव आयोग ने इसकी घोषणा की। इससे पहले राष्ट्रपति चुनाव में शुक्रवार को लोगों ने बड़ी संख्या में मतदान किया। त्रिकोणीय मुकाबले में भारतीय मूल के पूर्व मंत्री थरमन शणमुगारत्नम भी किस्मत आजमा रहे हैं। पात्र मतदाताओं ने सुबह आठ बजे से ही मतदान केंद्रों पर पहुंचकर अपने मताधिकार का प्रयोग करना आरंभ कर दिया था। सभी को मतदान करना आवश्यक है जिसके लिए सरकार ने शुक्रवार को सार्वजनिक अवकाश घोषित किया है। नाव विभाग (ईएलडी) ने बताया कि पात्र मतदाताओं में से अपराह्न तीन बजे तक 20,04,961 यानी 74 प्रतिशत मतदाताओं ने मतदान कर दिया था। सिंगापुर में 27 लाख से अधिक लोग मतदान के पात्र हैं। मतदान केंद्र रात्रि आठ बजे तक खुले रहेंगे। इसके बाद मतगणना आरंभ होगी। मतदान पूर्ण होने के बाद अंतिम मतगणना पूर्ण होने से पहले शुक्रवार को ही सिंगापुरवासियों को रात करीब 10-11 बजे के बीच राष्ट्रपति चुनाव के नतीजे का प्रारंभिक संकेत मिल जाएगा। एक खबर के अनुसार ईएलडी मतगणना के नमूना आधारित परिणाम वेबसाइट पर प्रकाशित करेगी।

ईएलडी वेबसाइट के अनुसार जब मतगणना चल रही होती है और परिणाम आने वाले होते हैं तो मतगणना के नमूने को जारी करने से अनौपचारिक स्रोतों से अटकलों और गलत सूचनाओं को रोकने में मदद मिलती है। मतगणना का नमूना 95 प्रतिशत तक सही होता है जबकि इसके गलत होने का आंकड़ा महज चार प्रतिशत है। देश के नौवें राष्ट्रपति के लिए हो रहे मुकाबले में थरमन के अलावा दो अन्य उम्मीदवार भी हैं। इनमें पहले सिंगापुर सरकार इन्वेस्टमेंट कॉर्प (जीआईसी) के पूर्व मुख्य निवेश अधिकारी एन. कोक सोंग और देश के सरकारी स्वामित्व वाले बीमा समूह एनटीयूसी इनकम के पूर्व प्रमुख टेन किन लियान हैं। निवर्तमान राष्ट्रपति हलीमा याकूब का छह वर्ष का कार्यकाल 13 सितंबर को समाप्त हो रहा है। वह देश की आठवीं राष्ट्रपति हैं और इस पद पर पहुंचने वाली पहली महिला हैं। सिंगापुर में वर्ष 2017 का राष्ट्रपति चुनाव एक आरक्षित चुनाव था जिसमें केवल मलय समुदाय के सदस्यों को चुनाव लड़ने की अनुमति थी। उस दौरान हलीमा को राष्ट्रपति नामित किया गया था क्योंकि कोई अन्य उम्मीदवार नहीं था। सिंगापुर में वर्ष 2011 के बाद यह पहला राष्ट्रपति चुनाव है। भारतीय मूल के सिंगापुर में जन्मे 66 वर्षीय अर्थशास्त्री शणमुगारत्नम ने देश की संस्कृति को दुनिया में उज्ज्वल बनाए रखने के संकल्प के साथ पिछले महीने औपचारिक रूप से राष्ट्रपति पद के लिये अपना अभियान शुरू किया था। वह सख्त मानदंडों के तहत चुने गए तीन उम्मीदवारों में से एक हैं। सिंगापुर में राष्ट्रपति पद के लिए दावेदारी करने वाले उम्मीदवारों के लिए कड़ी योग्यता प्रक्रिया है। राजनीति में 2001 में आए शणमुगारत्नम ने दो दशक से अधिक समय तक सत्तारूढ़ पीपुल्स एक्शन पार्टी (पीएपी) के साथ सार्वजनिक क्षेत्र के और मंत्री पदों पर कार्य किया है।

जी20 शिखर सम्मेलन में भाग लेने गुरुवार को भारत जाएंगे बाइडेन

-पीएम मोदी के साथ शुक्रवार को होगी द्विपक्षीय बैठक

वाशिंगटन (एजेंसी)। अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन जी20 शिखर सम्मेलन में हिस्सा लेने गुरुवार को भारत जाएंगे। व्हाइट हाउस ने इसकी जानकारी दी। व्हाइट हाउस के मुताबिक, बाइडन जी20 शिखर सम्मेलन से इतर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के साथ एक द्विपक्षीय बैठक भी करने वाले हैं। जी20 समूह का मौजूदा अध्यक्ष भारत नई दिल्ली में 9 और 10 सितंबर को होने वाले शिखर सम्मेलन में वैश्विक नेताओं की मेजबानी करेगा। व्हाइट हाउस ने बयान में कहा कि राष्ट्रपति बाइडन भारत में जी20 शिखर सम्मेलन में शामिल होने के लिए आगामी बृहस्पतिवार (सात सितंबर) को नई दिल्ली जाएंगे। इसमें कहा गया है कि सम्मेलन के दौरान बाइडन जी20 समूह के बेहतरीन नेतृत्व के लिए प्रधानमंत्री मोदी की सराहना करने वाले हैं। बयान के अनुसार, बाइडन आगामी शुक्रवार को जी20 शिखर सम्मेलन से इतर मोदी के साथ द्विपक्षीय बैठक करने वाले हैं। इसमें बताया गया है कि आगामी शनिवार (नौ सितंबर) और रविवार (दस सितंबर) को राष्ट्रपति जी20 शिखर सम्मेलन में हिस्सा लेने वाले हैं। जिसमें सदस्य देशों के नेता स्वच्छ ऊर्जा अपनाने और जलवायु परिवर्तन से निपटने सहित अन्य अहम वैश्विक मुद्दों को संबोधित करने के लिए उठाए जा रहे संयुक्त कदमों पर चर्चा होगी। बयान के मुताबिक, जी20 देशों के नेता यूक्रेन पर रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के आक्रमण के आर्थिक एवं सामाजिक प्रभावों का भी आकलन करने वाले हैं। इसमें कहा गया है कि जी20 नेता वैश्विक चुनौतियों से निपटने और गरीबी से बेहतर ढंग से लड़ने के लिए विश्व बैंक सहित अन्य बहुपक्षीय विकास बैंकों की क्षमता बढ़ाने के उपायों पर भी चर्चा करने वाले हैं। वह आर्थिक सहयोग के प्रमुख मंच के रूप में जी20 के प्रति अमेरिकी प्रतिबद्धता की पुष्टि करने वाले हैं, जिसमें 2026 में समूह की मेजबानी भी शामिल है। जी20 दुनिया की प्रमुख विकसित और विकासशील अर्थव्यवस्थाओं का एक अंतरसरकारी मंच है।

आरएमएसटी के अभियान का कड़ा विरोध कर रही बाइडेन सरकार

वॉशिंगटन (एजेंसी)। जॉर्जिया स्थित आरएमएस टाइटैनिक इंक (आरएमएसटी) कंपनी अगले साल टाइटैनिक का मलबा निकालने की तैयारी कर रही है। बाइडेन सरकार आरएमएसटी के अभियान का कड़ा विरोध कर रही है। इतना ही नहीं इस रोकने के लिए निर्णायक रूप से हस्तक्षेप कर रही है।

अमेरिका ओर से यह कदम उस समय में उठाया गया है, जब दो महीना पहले ही हुई टाइटन पनडुब्बी हादसे के बाद यह सवाल उठाया जाने लगा था कि यह कौन नियंत्रित करता है कि टाइटैनिक के अवशेष तक कौन जा सकता है। टाइटन पनडुब्बी हादसे में पनडुब्बी पर सवार सभी 5 लोगों की मौत हो गई थी।

रिपोर्ट के मुताबिक, संघीय कानून और अंतरराष्ट्रीय समझौते का हवाला देकर अमेरिका, आरएमएसटी के अभियान का कड़ा विरोध कर रहा है। संघीय कानून और अंतरराष्ट्रीय समझौता जहाज के मलबे को कब्रगाह के रूप में मान्यता देता है। वर्तमान में जॉर्जियाई कंपनी आरएमएस टाइटैनिक इंक के पास ही टाइटैनिक जहाज के मलबे को बचाने का अधिकार है। यह कंपनी टाइटैनिक जहाज के मलबे को निकाल कर प्रदर्शित करती है, जिसमें चांदी के बर्तन से लेकर टाइटैनिक के सेगमेंट तक की वस्तुएं शामिल हैं। रिपोर्ट के अनुसार, अमेरिकी सरकार टाइटैनिक जहाज के मलबे को लेकर कानूनी कार्रवाई कर रही है कि कौन जहाज से कलाकृतियों को निकाल कर सकता है। साथ ही संभावना है कि अमेरिका आरएमएसटी के अभियान पर रोक लगा सकता है। अमेरिका की ओर से की जा रही कानूनी कार्रवाई इसलिए भी अहम होती है क्योंकि यह सरकार की विधायी और कार्यकारी नियमों के विरुद्ध है। टाइटैनिक जहाज का मलबा पहली बार सितंबर 1985 में मिला था। यह समुद्रतल से 12,500 फीट नीचे मौजूद है। रिपोर्ट के मुताबिक, अमेरिकी सरकार टाइटैनिक हादसे के मामले में एक पक्ष बनना चाहती है और किसी भी आपत्तिजनक अभियान को रोकना चाहती है। अमेरिकी वाणिज्य सचिव और इसकी समुद्री इकाई नेशनल ओशनिक एंड एटमॉस्फेरिक एडमिनिस्ट्रेशन का कहना है कि यह अधिकार उसके पास है, कि वह किसी को टाइटैनिक तक पहुंचने की अनुमति देता है या नहीं। जहाज के मलबे के संरक्षण में विशेषज्ञता रखने वाले एनओएए के सेवानिवृत्त वकील ओले वर्मर का कहना है कि अमेरिका के इस कदम को आने में काफी समय लग गया है।

चलो, कारगिल चलो...पाकिस्तान से नहीं संभल रहा गिलगित-बाल्टिस्तान!

-सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे वीडियो

गिलगित (एजेंसी)। पाकिस्तान के कब्जे वाले गिलगित-बाल्टिस्तान क्षेत्र में बड़े पैमाने पर विरोध प्रदर्शन हो रहा है। लोग चलो कारगिल चलो के नारे लगा रहे हैं और भारत में विलय की धमकी दे रहे हैं। पाकिस्तानी अधिकारियों के खिलाफ ये प्रदर्शन ईशनिंदा के आरोप में एक जाने-माने शिया मौलवी की गिरफ़्तारी के बाद हुए हैं। यह पाकिस्तान के लिए उथल-पुथल भरा समय है। भारत का पड़ोसी देश हर तरह की परेशानी से जूझ रहा है। इसकी राजनीति मंदी में है और इसकी अर्थव्यवस्था मंदी में है। जैसे-जैसे देश अपनी समस्याओं से निपटने की कोशिश कर रहा है, वैसे-वैसे देश को गिलगित-बाल्टिस्तान क्षेत्र में बड़े पैमाने पर विरोध प्रदर्शन का भी सामना करना पड़ रहा है।

एक्स पर पाकिस्तान के कब्जे वाले गिलगित-बाल्टिस्तान क्षेत्र में लोगों के बड़े पैमाने पर विरोध प्रदर्शन और राष्ट्र के खिलाफ नारे लगाने के वीडियो सामने आ रहे हैं। सोशल मीडिया पर मौजूद एक वीडियो में (उनमें से किसी की भी पुष्टि नहीं की गई है) स्कर्दू क्षेत्र के लोगों ने बड़ी संख्या में एकत्र होकर पाकिस्तानी अधिकारियों के खिलाफ विरोध प्रदर्शन कर देश के खिलाफ नारे लगाए। विरोध प्रदर्शन कर रहे नेताओं में से एक को सुना जा सकता है कि वे दरवाजे तोड़ और कारगिल चले जाएंगे। 25 अगस्त को पोस्ट किया गया, गिलगित-बाल्टिस्तान क्षेत्र में इसी तरह के प्रदर्शन को दर्शाता है, जिसमें क्षेत्र के एक सामाजिक कार्यकर्ता वज़ीर हसनैन कह रहे हैं हम आपके सिंध नहीं जाएंगे, हम आपके पंजाब नहीं जाएंगे। हम आपके देश में नहीं रहना चाहते, कारगिल का रास्ता खोल दीजिए, हम कारगिल जाएंगे।

क्षेत्र में एक सप्ताह से अधिक समय से चल रहा विरोध प्रदर्शन क्षेत्र के प्रतिष्ठित शिया धर्मगुरु आगा बाकिर अल-हुसैनी के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज होने के कारण है। अधिकारियों ने स्कर्दू में उलेमा परिषद की बैठक में की गई टिप्पणी के लिए उनके खिलाफ ईशनिंदा का मामला दर्ज किया। यह बैठक पाकिस्तान के सख्त ईशनिंदा कानूनों पर चर्चा के लिए आयोजित की गई थी, जिसके बारे में कई लोगों का मानना है कि यह शिया समुदाय को निशाना बनाने के लिए है।

वर्ष की शुरुआत में पाकिस्तान ने अपने ईशनिंदा कानूनों को मजबूत किया और पैगंबर मुहम्मद से जुड़े लोगों को ठेस पहुंचाने वाले किसी भी व्यक्ति को दंडित करने के लिए उनका विस्तार किया। आलोचकों का कहना है कि ईशनिंदा कानून का अक्सर व्यक्तिगत हिसाब बराबर करने के लिए पाकिस्तान के छोटे अल्पसंख्यक समूहों और यहां तक कि मुसलमानों के खिलाफ भी दुरुपयोग किया जाता है। आलोचकों का तर्क है कि ईशनिंदा के आरोप देश में आम हैं और ईशनिंदा के आरोपों के संबंध में 1990 से कम से कम 85 लोगों की हत्या की गई है।

पाकिस्तान नहीं अब सीधे भारत यात्रा पर आ रहे मोहम्मद बिन सलमान

इस्लामाबाद (एजेंसी)। सऊदी अरब ने पाकिस्तान को बड़ा झटका दिया है। जी-20 सम्मेलन के लिए भारत आ रहे क्राउन प्रिंस और प्रधानमंत्री मोहम्मद बिन सलमान (एमबीएस) ने अपना पाकिस्तान का दौरा फिलहाल स्थगित किया है। मीडिया रिपोर्ट में बताया गया है कि सऊदी और पाकिस्तान के बीच हुए सलाह मशविरे के बाद सऊदी क्राउन प्रिंस का इस्लामाबाद कुछ समय के लिए टाल दिया गया है।

दरअसल सऊदी क्राउन प्रिंस जी-20 सम्मेलन के लिए भारत आने से पहले पाकिस्तान जाने वाले थे। पाकिस्तान विदेश विभाग की प्रवक्ता मुमताज जाहरा बलोच ने बताया है कि इस दौरे की प्लानिंग जारी है। जल्द ही नई तारीखों का ऐलान होगा। पाकिस्तान बड़ी बेसब्री से सऊदी क्राउन प्रिंस के दौरे का इंतजार कर रहा था। पिछले दिनों ऐसी खबरें आई थी कि प्रिंस सितंबर के दूसरे हफ्ते में पाकिस्तान का दौरा कर सकते हैं। कहा जा रहा था कि मोहम्मद बिन सलमान देश के कार्यवाहक प्रधानमंत्री अनवार-उल-हक काकर और सेना प्रमुख जनरल असीम मुनीर से मुलाकात कर सकते हैं।

सऊदी प्रिंस आखिरी बार फरवरी 2019 में पाकिस्तान गए थे। उन्होंने तब तत्कालीन प्रधानमंत्री इमरान खान से मुलाकात की थी। जानकारों का कहना था कि अगर सऊदी प्रिंस पाकिस्तान की यात्रा करते भी तब उसका कोई मतलब नहीं होता। पाकिस्तान में इस समय एक अंतरिम सरकार है। कार्यवाहक पीएम नई सरकार के सत्ता में आने तक किसी भी बड़े निर्णय को करने के हकदार नहीं है। कहा जा रहा था कि सऊदी प्रिंस की यात्रा एक रणनीतिक संतुलन के तहत होती क्योंकि खाड़ी देश पाकिस्तान में भारी निवेश कर रहा है। यह बात भी दिलचस्प है कि मोहम्मद बिन सलमान को पिछले साल भी पाकिस्तान जाना था लेकिन बाद में इस दौरे को स्थगित कर दिया गया था। विदेश नीति के जानकारों की मानें तब एमबीएस अगर भारत आते तब वह पहले मंत्री होते जो एक ही यात्रा में पाकिस्तान और भारत का दौरा करते। भारत ने आधिकारिक तौर पर उनकी पिछली यात्रा पर कोई टिप्पणी नहीं की थी।

संपादकीय

जानलेवा प्रदूषण

यह विडंबना ही है कि देश में प्रदूषण व अन्य पर्यावरणीय संकट से जुड़े निष्कर्ष विदेशी एजेंसियों, विश्वविद्यालयों तथा विदेशी जर्नल के जरिये सामने आए तथ्यों के आधार पर पेश किये जाते हैं। कहना कठिन है कि शोध व अध्ययन के ये आंकड़े कितने तार्किक व विश्वसनीय हैं। यह भी कि उसमें बाजार की कितनी भूमिका है। विगत में पश्चिमी देशों की विशालकाय बहुराष्ट्रीय कंपनियां विकासशील देशों की प्रतिष्ठा से खेलने का उपक्रम भी करती रही हैं। विडंबना यह भी है कि ये अध्ययन उन विकासशील देशों को केंद्र में रखकर किये जाते हैं, जो सदियों औपनिवेशिक शासन के जरिये इन्हीं विकसित देशों द्वारा शोषित होते रहे हैं। जाहिर है अर्थव्यवस्था को गति देने हेतु औद्योगिक इकाइयों का विस्तार इन देशों की मजबूरी है। बड़ी आबादी को रोजगार देना भी विवशता है। अपना लक्षित विकास कर चुके विकसित देश अब ग्लोबल वार्मिंग व प्रदूषण का ठीकरा विकासशील देशों के सिर फोड़ने पर आमादा रहते हैं। बहरहाल, इसके बावजूद यूनिवर्सिटी ऑफ शिकागो के एक संस्थान की वह रिपोर्ट हमें परेशान करती है कि वायु प्रदूषण के चलते भारत में जीवन प्रत्याशा में गिरावट आ रही है। जिसमें फेफड़ों को नुकसान पहुंचाने वाले पी.एम. 2.5 कण की बड़ी भूमिका है। रिपोर्ट बताती है कि विश्व स्वास्थ्य संगठन के मानकों से कहीं अधिक प्रदूषण भारत में लोगों की औसत आयु पांच साल कम कर रहा है। जबकि दुनिया की सबसे ज्यादा प्रदूषित राजधानी दिल्ली के बारे में अध्ययन बताता है कि लोगों की उम्र 11.9 साल घट सकती है। बहरहाल, इन आंकड़ों का सत्यापन करने और प्रदूषण के खिलाफ योजनाबद्ध ढंग से मुहिम छेड़ने की भी जरूरत है। अध्ययन इशारा करता है कि देश की एक अरब तीस करोड़ की आबादी ऐसी जगहों पर रहती है जहां प्रदूषण डब्ल्यूएचओ के मानकों से कहीं अधिक है। वहीं दो तिहाई भारतीय जनसंख्या ऐसे शहरों में निवास करती है, जहां प्रदूषण भारतीय मानकों से भी अधिक है। दूसरी ओर भारत का सबसे कम प्रदूषित शहर भी डब्ल्यूएचओ के निर्धारित मानकों से सात गुना अधिक प्रदूषित है। सवाल यह है कि हमारे नीति-नियंता इस विकट होती स्थिति से निबटने के लिये युद्धस्तर पर पहल क्यों नहीं करते। दीवाली के बाद जब दिल्ली गहरे प्रदूषण के आगोश में होती है तो कोर्ट से लेकर सरकार तक अति सक्रियता दर्शाते हैं। लेकिन स्थिति थोड़ी सामान्य होने पर परिणाम वही 'ढाक के तीन पात'। कभी पेट्रोल-डीजल के नये मानक तय किये जाते हैं तो कभी जीवाश्म ईंधन पर रोक लगाने की बात की जाती है। फिर पराली को लेकर ठीकरा पंजाब व हरियाणा के किसानों के सिर फोड़ दिया जाता है। जिससे रह-रह कर प्रदूषण गंभीर स्थिति में पहुंचता रहता है। इसी कड़ी में राष्ट्रीय स्वच्छ वायु कार्यक्रम की शुरुआत की गई थी। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड ने वर्ष 2019 में यह कार्यक्रम देश के सौ से अधिक शहरों में शुरू किया था। जिसका मकसद ज्यादा प्रदूषित शहरों में हवा के स्तर को सुधारना था। विडंबना यह है कि चार साल बाद पता चला कि किसी भी शहर ने अपने लक्ष्य को पूरा नहीं किया। यह चिंताजनक स्थिति तब है जबकि हवा को स्वच्छ बनाये रखने के लिये विभिन्न शहरों को छह हजार करोड़ रुपये आवंटित किये गये थे। जहां कुछ सुधार हुआ भी, सर्दियों में स्थिति जस की तस हो गई।

आज का राशीफल

मेष पारिवारिक दायित्व की पूर्ति होगी। मादक वस्तुओं का प्रयोग न करें। शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। कुछ ऐसा होगा जिसका आपको लाभ मिलेगा।

वृषभ व्यावसायिक प्रयास फलीभूत होंगे। रचनात्मक प्रयास लाभप्रद होंगे। घर के मुखिया या संबंधित अधिकारी का सहयोग मिलेगा। फिजूल खर्च पर नियंत्रण रखें। रुपए पैसे के लेन-देन में सावधानी रखें।

मिथुन दाम्पत्य जीवन में तनाव आ सकते हैं। कुछ व्यावसायिक समस्याएं आ सकती हैं। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। राजनैतिक महात्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। निजी संबंधों के मामले में अतृप्त महसूस करेंगे।

कर्क बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। स्थानान्तरण व परिवर्तन की दिशा में सफलता मिलेगी। रुका हुआ कार्य सम्पन्न होगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। वाहन प्रयोग में सावधानी रखें।

सिंह जीवन साथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। व्यावसायिक योजना सफल होगी। अनावश्यक व्यय का सामना करना पड़ेगा।

कन्या सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। रुपए पैसे के लेन-देन में सावधानी रखें। आर्थिक संकट का सामना करना पड़ेगा। व्यावसायिक योजनाओं में कठिनता का अनुभव कर सकते हैं। विरोधी परास्त होंगे।

तुला पारिवारिक जनों का सहयोग मिलेगा। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। जारी प्रयास सफल होंगे। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। ससुराल पक्ष से लाभ होगा। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।

वृश्चिक शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। वाणी पर नियंत्रण रखें, इससे विवाद की स्थिति को टाला जा सकता है। वाहन प्रयोग में सावधानी रखें।

धनु आर्थिक योजना सफल होगी। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता के योग हैं। भाई या पड़ोसी का सहयोग मिलेगा। धार्मिक प्रवृत्ति में वृद्धि होगी। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे।

मकर जीवन साथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। भाग्य वश कुछ ऐसा होगा जिसका आपको लाभ मिलेगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।

कुम्भ दाम्पत्य जीवन में व्यर्थ के तनाव आ सकते हैं। किसी रिश्तेदार के कारण स्वास्थ्य प्रभावित हो सकता है। क्रोध में वृद्धि होगी। रिश्तों में सुधार हो सकता है। प्रेम प्रसंग प्रगाढ़ होंगे।

मीन पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। यात्रा में अपने सामान के प्रति सचेत रहें, चोरी या खोने की आशंका है। उदर विकार या त्वचा के रोग से पीड़ित रहेंगे। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा।

एकला चलो की राह पर मायावती

(लेखक- कुमार कृष्णन)

मुंबई में इंडिया गठबंधन की होने वाली तीसरी बैठक में यह उम्मीद की जा रही थी कि बसपा विपक्षी गठबंधन में शामिल हो सकती है। इन तमाम कयासों के बीच मायावती ने एकला चलो की राह पर चलने का फैसला किया है।लेकिन बसपा प्रमुख मायावती के इस वयान के बाद कि — बसपा किसी गठबंधन का हिस्सा नहीं बनने जा रही हैं,तमाम अटकलवाजियों पर विराम लग गया है। साफ तौर पर उन्होंने खुलासा किया कि एनडीए व इंडिया गठबंधन अधिकतर गरीब-विरोधी जातिवादी, साम्प्रदायिक, धन्नासेठ-समर्थक व पूंजीवादी नीतियों वाली पार्टियां हैं। जिनकी नीतियों के विरुद्ध बीएसपी अनवरत संघर्षरत है और इसीलिए इनसे गठबंधन करके चुनाव लड़ने का सवाल ही पैदा नहीं होता। पार्टी का यह फैसला वेसे समय लिया गया है जब मध्यप्रदेश, राजस्थान, छत्तीसगढ़ आदि राज्यों में चुनाव होने वाले हैं। फिर उसके कुछ अर्सा बाद ही 2024 में आम-चुनाव होंगे। भले ही मायावती ने ये घोषणा कर डाली है कि उनकी पार्टी आम चुनाव अकेले लड़ेंगी लेकिन जब चुनाव और क़रीब होगा

अपने पत्ते तब खोलेंगी।

बहुजन समाज पार्टी उत्तर प्रदेश में चार बार सत्ता में रही और हर बार इसकी एकमात्र सर्व शक्तिमान नेता मायावती मुख्यमंत्री बनीं। पार्टी की स्थापना 1984 में कांशी राम ने इस उद्देश्य के साथ की थी कि बहुजन समाज यानी दलित, आदिवासी, अन्य पिछड़ी जातियां(ओबीसी) और अल्प संख्यकों को सत्ता में बेहतर प्रतिनिधित्व मिल सके।

स्वर्गीय कांशी राम ने पूर्व स्कूल अध्यापिका मायावती को अपना उत्तराधिकारी बनाया। उनकी मौत के बाद बसपा का वजूद पूरी तरह मायावती के ऊपर ही टिक गया। उनके नेतृत्व को पार्टी में किसी और नेता की ओर से न तो चुनौती दी जा सकती है न ही कोई सवाल पूछा जा सकता है। उत्तर प्रदेश ही नहीं देश भर के बहुत से दलित उन्हें अपना नेता मानते हैं। हालांकि पार्टी ने अपने सिद्धांतों की प्रेरणा बाबा साहब भीमराव अंबेडकर, महात्मा ज्योतिबा फूले, पेरियार ईवी रामासामी और छत्रपति शाहूजी महराज से हासिल की है, लेकिन 1990 के दशक की शुरुआत में विधानसभा और लोकसभा के चुनाव जीतने के बाद मायवती ने अपना लक्ष्य और दर्शन किसी भी तरह सत्ता हासिल करना बना लिया है। वर्षों से अब बसपा को एकजुट रखने वाली ताकत वही हैं। इसलिए अब तो उनके बिना बसपा की कल्पना भी करना नामुमकिन लगता है। जब तक कि वे अपने उत्तराधिकारी को तैयार करना शुरू नहीं कर दें ऐसा लगता है कि उनके सामने नहीं रहने पर पार्टी के तितर-बितर हो जाने में देर नहीं लगेगी। आज के समय में पार्टी में ऐसा कोई नेता नहीं है जो उनकी अनुपस्थिति में इसे चला सके। 80 लोकसभा सीटों वाला उत्तर प्रदेश आम चुनाव के लिहाज़ से सबसे बड़ा राज्य है। इस राज्य में 21 फ़ीसदी आबादी दलितों की है और दलितों के बीच मायावती की मजबूत पकड़ है। बहुजन समाज पार्टी (बीएसपी) की अध्यक्ष और उत्तर प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री मायावती यूपी में अपनी पार्टी के आधार को मजबूत करने के लिए जमीनी स्तर पर काम कर रही हैं. 2024 के चुनावों से पहले मायावती अपने खोए हुए वोटरों को लाने की पूरी कोशिश कर रही हैं।

साढ़े तीन दशक के सियासी सफर में बहुजन समाज पार्टी का इतिहास रहा है कि वसपा को गठवंधन से हमेशा लाभ हुआ है। वह सूबे में अलग— अलग राजनीतिक दलों के साथ चुनावी जंग में उतरी। इसका लाभ बसपा को न सिर्फ हर बार मिला है, बल्कि सत्ता की बुलंदी तक पहुंचाया। उत्तर प्रदेश के बाहर पार्टी को छत्तीसगढ़, पंजाब और बिहार तक में गठबंधन कर चुनाव लड़ने का फायदा मिला। यह अलग बात रहा कि उसका गठबंधन टिकाउ नहीं रहा।

1993 के चुनाव में पहली बार भाजपा को सत्ता में आने से रोकने के लिए कांशीराम और मुलायम सिंह ने हाथ मिलाया और प्रदेश से भाजपा सफाया कर डाला। मुलायम सिंह मुख्यमंत्री बने,लेकिन 1995 में सपा— बसपा का गठबंधन टूट गया। 1995 में मायावती पहली बार उत्तर प्रदेश की मुख्यमंत्री बनी,लेकिन यह भाजपा के सहयोग से मुमकिन हो सका। फिर 1996 के विधानसभा चुनाव में बसपा कांग्रेस के साथ गठबंधन कर चुनाव लड़ी, इस चुनाव में पार्टी 33 सीटें जीतने में कामयाव रही। विधानसभा चुनाव के बाद वसपा ने कांग्रेस के साथ गठबंधन तोड़ लिया और 1997 में भाजपा के साथ मिलकर सरकार तो बना ली,लेकिन छह माह के अंदर गठबंधन टूट गया। 2000 से 2007 तक पार्टी लगातार मजबूत होती गयी और 2007 में पूर्ण वहुमत की सरकार बनाने में कामयाव रही। लेकिन 2012 में सत्ता से बेदखल होने के बाद पार्टी का लगातार ग्राफ गिरता गया और 2014 के चुनाव में पार्टी का सफाया ही हो गया। 2019 में पार्टी ने फिर गठबंधन का रास्ता अख्तियार किया और सपा व आरएलडी के साथ चुनावी जंग में उतरी। इस गठबंधन का सबसे बड़ा लाभ मायावती को ही मिला। पुनः दस सांसदों वाली पार्टी बन गयी। इस चुनाव के बाद मायावती ने इन दलों के साथ गठबंधन तोड़ लिया। इसका राजनीतिक नतीजा सामने है।

राजनीतिक लिहाज से देखें तो मायावती का दलित वोट बैक, वह खुलकर भाजपा के साथ नहीं जा सकती है। इसके कारण वह एनडीए का हिस्सा नहीं बन सकती है। भाजपा भी चाहेगी कि वह गठबंधन से अलग होकर चुनाव लड़े, ताकि जीत का रास्ता आसान हो।

उत्तर प्रदेश में दलितों में 65 उपजातियां हैं। इनमें सबसे बड़ी आबादी जाटव समुदाय की है। कुल दलित आबादी का 50 फ़ीसदी हिस्सा जाटव हैं। मायावती ख़ुद इसी समुदाय से आती हैं। राजनीतिक विश्लेषक यह मानते हैं कि जनीतिक विशेषज्ञ ये भी मानते हैं कि मायावती में इतना दम जरूर है कि वो आने वाले चुनाव में किसी गठबंधन का खेल बिगाड़ सकती है। मायावती के एकला चलो की घोषणा का नुकसान इंडिया गठबंधन को ही होगा। यह स्थिति एनडीए के लिए अनुकूल होगी। बसपा उत्तर प्रदेश के बाहर राजस्थान, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ जैसे राज्यों में कांग्रेस और भाजपा के खिलाफ चुनाव लड़ने जा रही है। लोकसभा चुनाव भी वह इन दोनों पार्टियों और इनके एनडीए- इंडिया गठबंधन के खिलाफ लड़ेगी।मगर मायावती के फैसले से उत्तरप्रदेश की सभी 80 लोकसभा सीटों पर त्रिकोणीय मुकाबले की उम्मीद जगी है।सिर्फ दो दलों के गठबंधन का यूपी में बीजेपी पर ज्यादा प्रभाव नहीं पड़ेगा। कांग्रेस संगठन अभी भी उत्तर प्रदेश् में कार्यकर्ताओं की कमी से जूझ रहा है। बहुजन समाज पार्टी ने इंडिया से दूर रहने का फैसला पिछले अनुभवों से लिया है। लोकसभा चुनाव के बाद जब सपा-बसपा गठबंधन टूटा था, तब दोनों ने एक-दूसरे पर तीखे आरोप लगाए थे। ऐसे में बसपा के किसी भी गठबंधन में जाने का संभावना अब नहीं दिखती है। फिलहाल वह हवा के रूख को भांप रही है,उसे देख कर ही वह अपना रास्ता अख्तियार करेगी।

डिजिटल युग में शिक्षकों के लिए छात्रों का संलग्न और प्रेरित होना सबसे बड़ी चुनौती है

(लेखक- विजय गर्ग)

छात्रों को व्यस्त और प्रेरित रखने का कार्य शिक्षकों के लिए सबसे महत्वपूर्ण चुनौती है, विशेष रूप से डिजिटल व्यवधानों के कारण बढ़ती जटिलताओं के साथ। शिक्षक छात्रों को कक्षा के दौरान बाहर जाने से रोकने के लिए रणनीतियों से जूझ रहे हैं। छात्रों को संलग्न और प्रेरित करने के लिए नवीन शिक्षण रणनीतियों की आवश्यकता होती है। विशेष रूप से डिजिटल युग में, शिक्षकों के लिए प्रासंगिक बने रहने के लिए अद्यतन रहना महत्वपूर्ण है। तकनीकी संसाधनों की विशाल श्रृंखला ने प्रभावी शिक्षण के लिए नई संभावनाएँ खोल दी हैं। छात्रों को संलग्न करने और प्रेरित करने के लिए सबसे महत्वपूर्ण रणनीतियों में से एक कक्षा में प्रौद्योगिकी को शामिल करना है।

इसमें निम्नलिखित रणनीतियाँ शामिल हैं- कक्षा निर्देश के पूरक के लिए शैक्षिक ऐप्स और सॉफ़्टवेयर का उपयोग करना पाठ योजनाओं में वीडियो, ऑडियो आदि जैसे मल्टीमीडिया तत्वों को शामिल करना समूह परियोजना और चर्चाओं को सुविधाजनक बनाने के लिए ऑनलाइन सहयोग टूल का उपयोग करना छात्रों के सीखने का आकलन करने और उनकी प्रगति और सुधार की आवश्यकता वाले क्षेत्रों को ट्रैक करने के लिए डिजिटल टूल का उपयोग करना छात्रों और अभिभावकों के साथ संवाद करने के लिए सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म का उपयोग करना अनुकूली शिक्षण प्रौद्योगिकियों के माध्यम से वैयक्तिकृत शिक्षण अनुभव प्रदान करना प्रौद्योगिकी का प्रभावी ढंग से उपयोग करके, शिक्षक अधिक गतिशील और आकर्षक कक्षा वातावरण बना सकते हैं जो छात्रों को भाग लेने और सहयोग करने के लिए प्रोत्साहित करता है। हालाँकि सभी शिक्षकों के पास विभिन्न प्रकार के प्रौद्योगिकी उपकरणों तक पहुँच नहीं हो सकती है, लेकिन इससे उन्हें वैश्विक रुझानों से अच्छी तरह परिचित होने और नवीन शैक्षणिक प्रथाओं को विकसित करने के लिए अन्य तरीकों का उपयोग करने में बाधा नहीं आनी चाहिए। कक्षा में गेमीकरण एक अन्य प्रमुख रणनीति कक्षा में गेमिफिकेशन का उपयोग करना है। गेमिफ़िकेशन में अवधारणाओं को सिखाने और सुदृढ़ करने के लिए गेम जैसे तत्व शामिल होते हैं। इसमें छात्रों को सीखने के लिए प्रेरित करने के लिए लीडरबोर्ड, बैज और अन्य पुरस्कारों का उपयोग करना शामिल हो सकता है। सीखने को बढ़ावा देने के लिए गैर-डिजिटल गेमिफिकेशन भी एक शक्तिशाली उपकरण है। इसलिए, गेमिफ़िकेशन (प्रौद्योगिकी के साथ या उसके बिना) को शामिल करके शिक्षक छात्रों के लिए सीखने को अधिक मज़ेदार और आकर्षक बना सकते हैं। छात्रों को संलग्न करने और प्रेरित करने के लिए सहयोगात्मक शिक्षण एक और मूल्यवान दृष्टिकोण है। असाइनमेंट और प्रोजेक्ट पर टीम वर्क के माध्यम से, छात्र एक-दूसरे से सीखते हैं और आवश्यक कौशल विकसित करते हैं। त्श्श्द्द्यद्ग क्लासरूम या स्न्द्धह्न्श्ह्य्श्द्धह्ल अद्गड्डद्ध्य जैसे ऑनलाइन प्लेटफ़ॉर्म सहयोगात्मक शिक्षण की सुविधा प्रदान कर सकते हैं, जिससे छात्र वास्तविक समय में एक साथ काम करने में सक्षम हो सकते हैं। एक अधिक गतिशील और आकर्षक शिक्षण अनुभव बनाना जो विभिन्न शिक्षण शैलियों को पूरा करता हो; शिक्षक पारंपरिक व्याख्यानों और पाठ्यपुस्तकों के पूरक के लिए अपने पाठों में वीडियो, एनिमेशन, पॉडकास्ट और इंटरैक्टिव सिमुलेशन जैसे मल्टीमीडिया संसाधनों को एकीकृत कर सकते हैं।

ये संसाधन छात्रों का ध्यान आकर्षित कर सकते हैं और जटिल अवधारणाओं को अधिक सुलभ और आकर्षक बना सकते हैं। एक अन्य मूल्यवान दृष्टिकोण वैयक्तिकृत शिक्षण अनुभव प्रदान करना है जो व्यक्तिगत छात्रों की आवश्यकताओं और रुचियों को पूरा करता है। अनुकूली शिक्षण प्लेटफ़ॉर्म और सॉफ़्टवेयर का उपयोग व्यक्तिगत प्रतिक्रिया प्रदान करता है और छात्रों की प्रगति के आधार पर सामग्री को समायोजित करता है; यह छात्रों को प्रेरित रहने और अपनी शिक्षा पर स्वामित्व की भावना महसूस करने में मदद कर सकता है। डिजिटल संसाधनशीलता छात्रों को आवेदन करने के लिए चुनौती देने वाली परियोजना-आधारित गतिविधियाँ सौंपकर सक्रिय शिक्षण, रचनात्मकता और सहयोग को प्रोत्साहित करनाउनका ज्ञान, आलोचनात्मक ढंग से सोचना और वास्तविक दुनिया की समस्याओं का समाधान करना आवश्यक है। इन गतिविधियों को शिक्षक की कुशलता के आधार पर डिजिटल उपकरणों के साथ एकीकृत किया जा सकता है या हाइब्रिड मोड या गैर-डिजिटल मोड में संचालित किया जा सकता है। पूछताछ-आधारित शिक्षा को बढ़ावा देते हुए, शिक्षक स्वतंत्र अनुसंधान के अवसर प्रदान कर सकते हैं और ऑनलाइन डेटाबेस, शैक्षिक वेबसाइटों और आभासी पुस्तकालयों जैसे डिजिटल संसाधनों का लाभ उठा सकते हैं। आभासी क्षेत्र यात्राएं, सिमुलेशन और 3डी मॉडल छात्रों को विभिन्न स्थानों और समयावधियों में ले जा सकते हैं, जिससे इंटरैक्टिव अन्वेषण और जटिल अवधारणाओं को समझने की अनुमति मिलती है। डिजिटल स्टोरीटेलिंग प्लेटफ़ॉर्म, कोडिंग एप्लिकेशन, वर्चुअल और संवर्धित वास्तविकता उपकरण जैसे प्रौद्योगिकी उपकरण गहन सीखने के अनुभवों को सुविधाजनक बना सकते हैं। शिक्षा परिदृश्य में बार-बार होने वाले बदलावों के साथ-साथ डिजिटल व्यवधानों के कारण शिक्षकों को आगे रहने के लिए खुद को ढालने की आवश्यकता होती है क्योंकि समय तेजी से बदल रहा है।

(विजय गर्ग सेवानिवृत्त प्रिंसिपल शैक्षिक स्तंभकार मलोट पंजाब)

विचार मंथन

एक साथ मिलकर चुनाव लड़ेगा इंडिया

(लेखक - सनत जैन)

1977 जैसी स्थिति 2023 में विपक्षी पार्टियों के गठबंधन इंडिया में कई ऐसे राजनीतिक दल शामिल है। जिनकी राज्यों में एक दूसरे के साथ सीधी लड़ाई है। उसके बाद भी वह इंडिया गठबंधन में शामिल होकर लोकसभा चुनाव के लिए एकजुट हो गए हैं। मुंबई में हुई इंडिया गठबंधन की बैठक में दो तरह की रणनीति बना ली है। लोकसभा के लिए अलग और विधानसभा के लिए अलग-अलग तरह से चुनाव लड़ेंगे। भाजपा को लग रहा था कि यह गठबंधन कभी बन नहीं पाएगा। लेकिन जिस तरह से गठबंधन में भारत के सभी राज्यों के प्रभावी राजनीतिक दल एकजुट हुए हैं, उससे भाजपा की चिंता बढ़ गई है। भारतीय जनता पार्टी को विश्वास था कि यह पार्टियां कभी एक साथ नहीं हो सकती हैं। इनके बीच में फूट डालने और मतभेदों को फैलाने के लिए सरकारी स्तर पर बड़े प्रयास किए गए थे। गोदी मीडिया को भी इस काम में लगाया गया था। छोटी-छोटी सी बातों को बड़ा से बढ़ा विवाद बनाने की कोशिश मी डिया में की गई, लेकिन इसका कोई असर इंडिया गठबंधन के राजनीतिक दलों में देखने को नहीं मिला। जिस तरह से केर और बेर का साथ नहीं हो सकता है, इस तरह से पश्चिम बंगाल में कम्युनिस्ट पार्टी और टीएमसी के नेता एक मंच पर आकर बैठ जाएं, यह सोचा भी नहीं जा सकता था। आम आदमी पार्टी के नेता अरविंद केजरीवाल और कांग्रेस पार्टी एक ही मंच पर बैठ जाए, इसकी कल्पना भी नहीं होती थी। उमर अब्दुल्ला, महबूबा मुफ्ती इत्यादि नेता एक साथ मुंबई के मंच पर देखने को मिले। नॉर्थ-साउथ, ईस्ट-वेस्ट के राजनीतिक दल इं डिया गठबंधन में केवल एक संकल्प को लेकर एकजुट हुए हैं। अगला लोकसभा चुनाव एकजुट होकर लड़ेंगे, भले ही इसमें नुकसान क्यों ना हो जाए। इं डिया गठबंधन में पद पाने से भी दूरी सभी नेताओं ने बनाई। प्रधानमंत्री पद को लेकर भी किसी ने अपना दावा नहीं जताया। इस बैठक ने भारतीय जनता पार्टी को असमंजस में डाल दिया। है भारतीय जनता पार्टी अभी तक यह मानकर चल रही थी, कि लोकसभा का चुनाव त्रिकोणी संघर्ष के रूप में सामने आएगा। लेकिन अब यह संघर्ष सीधा-सीधा होने जा रहा है। इंडिया गठबंधन में जो राजनीतिक दल शामिल हैं, वह 60 फ़ीसदी से अधिक मतों के मालिक हैं। एनडीए गठबंधन में जो राजनीतिक दल शामिल हैं, भाजपा सहित उनके पास अ धिकतम 39 फ़ीसदी से ज्यादा वोट नहीं है। इस कारण से भी भाजपा की चिंता बढ़ गई है। भाजपा की दो सबसे बड़ी चिंता है कि यदि हवा और आंधी भाजपा के पक्ष में नहीं चली, तो पिछले लोकसभा चुनाव में जो वोट मिले थे, इस बार वह वोट और भी कम होंगे। वहीं जिस तरीके से आम जनता के बीच में इंडिया की हवा बन रही है, चुनाव आते-आते तक वह आंधी बनकर कहीं भाजपा के गढ़ को अंधड बनकर उड़ाकर ना ले जाए। जिसके कारण भाजपा की चिंता तेजी के साथ बढ़ने लगी है। सत्ता में जिस तरह से नरेंद्र मोदी की पकड़ मजबूत बनी हुई है। संवैधानिक संस्थाएं भी प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से सत्तारूड़ पार्टी के पक्ष में खड़ी हुई दिख रही हैं। सरकार का यही आत्मविश्वास है। चुनाव आते-आते तक विपक्ष को कमजोर करके लोकसभा चुनाव को स्पष्ट बहुमत के साथ आसानी के साथ जीत लेगी। पिछले कुछ महीनो में जिस तरह से पब्लिक के बीच में भाजपा की लोकप्रियता घट रही है, उससे भाजपा की चिंता बढ़ने लगी है। विपक्षी दलों के नेताओं और कार्यकर्ताओं को तो किसी भी तरीके से मैनेज किया जा सकता है। लेकिन पब्लिक को किस तरह से मैनेज किया जाए, यह सत्तारूण पक्ष के लिये सबसे बडा चिंता का विषय बना हुआ है। बहरहाल 1977 जैसे हालात एक बार फिर भारत में बनते हुए दिख रहे हैं। उस समय इंदिरा गांधी की तानाशाही और आपातकाल के विरोध में सारे विपक्षी दल न केवल एकजुट हुए थे। बल्कि उन्होंने अपने झंडे-डंडे को भी जनता दल के झंडे के अंतर्गत समर्पित कर दिया था। 1977 में जनता दल की विजय हुई और केंद्र में पहली बार गैर कांग्रेसी सरकार बनी थी। 1977 के इस परिवर्तन में मुख्य भूमिका में भारतीय जनता पार्टी थी। वह जानती है, कि एकता में किस किस्म की ताकत होती है. भाजपा और कांग्रेस का कभी भी वोट बैंक 17 परसेंट से लेकर 22 परसेंट के बीच ही रहा है। जब हवा बनती है, तब यह परसेंटेज बढ़कर 33 से 38 फीसीदी तक होता है. उत्तर भारत में भारतीय जनता पार्टी मजबूत है। लेकिन अन्य राज्यों में वह क्षेत्रीय दलों के सहारे ही खड़ी हो पाती है। इस बार क्षेत्रीय दल इंडिया गठबंधन के साथ पूरी मजबूती के साथ खड़े हुए हैं। इससे भाजपा को दोहरा नुकसान उठाना पड़ रहा है। मतदाताओं के मत एकजुट होने जा रहे हैं, जो निश्चित रूप से भाजपा की चरम लोकप्रियता के मतों से ज्यादा होंगे। दूसरी और भाजपा को वोटो के बंटवारे से जो लाभ होता था, वह लाभ अब संभव नहीं होगा। सीधी टक्कर में भाजपा को लोकसभा चुनाव जीतना लोहे के चने चबाने जैसा हो सकता है।

जिराफ की तरह होती हैं गेरेनक की गर्दन

'हॉर्न ऑफ अफ्रीका' के देशों व अफ्रीकन ग्रेट लेक्स में पाया जाने वाला गेरेनक एक ऐसा हिरन है, जो अपनी पतली और लंबी गरदन और छरहरे शरीर के कारण 'जिराफ हिरन' के नाम से जाना जाता है। जब यह किसी पेड़ से सटकर पिछले दो पैरों पर खड़ा होकर उसकी पत्तियां खाता है, तो जिराफ की याद आ जाती है। इसकी लंबाई105 सेंटीमीटर और वजन 52 किलोग्राम तक हो सकती है।

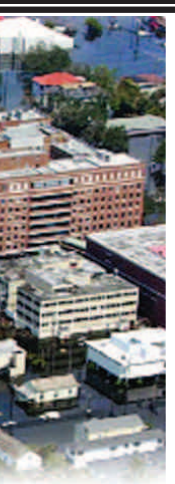

समंदर में डूब रहे हैं दुनिया के ये बड़े शहर

जलवायु परिवर्तन की वजह से पूरी दुनिया में समुद्र का जल स्तर बढ़ रहा है.यही वजह है कि अब समुद्र के बढ़ते जलस्तर की वजह से कई शहरों के अस्तित्व पर ही खतरा मंडराने लगा है.कुछ ऐसे शहर हैं जो अब डूबने की कगार पर पहुंच गए हैं.समुद्र तटीय शहरों में बसे लोगों को इस खतरे का सबसे ज्यादा सामाना करना पड़ रहा है. जलवायु परिवर्तन पर प्रकाशित किए गए अध्ययन में इसका दावा किया गया है. अध्ययन में कहा गया है कि ग्लोबल वार्मिंग और जलवायु परिवर्तन की वजह से पृथ्वी पर मौजूद बर्फ तेजी से पिघल रही है जिससे पूरी दुनिया में समुद्र का स्तर बढ़ता जा रहा है.यही वजह है कि समुद्र के पानी का विस्तार हो रहा है. परिणाम स्वरूप न्यू ऑरलियन्स और जकार्ता जैसे शहरों में समुद्र के स्तर में बहुत तेजी से वृद्धि हो रही है.पानी के बढ़ने के साथ ही इन तटीय शहरों की जमीन डूब रही है.

शोधकर्ताओं की एक अंतरराष्ट्रीय टीम ने अपने अध्ययन में पाया कि समुद्र के बढ़ते स्तर की वजह से डूबती हुई भूमि ने दुनिया भर के तटीय निवासियों को असुरक्षित बना दिया है.इन तटीय शहरों में वैश्विक स्तर के मुकाबले समुद्र तट के जल स्तर में वृद्धि तीन से चार गुणा ज्यादा है.

यूनिवर्सिटी ऑफ ईस्ट एंग्लिया के टिंडाल सेंटर फॉर क्लाइमेट चेंज के अध्ययन के नेतृत्वकर्ता और स्टटी के लेखक रॉबर्ट निकोल्स ने कहा कि हम कोई पूर्वानुमान नहीं बता रहे हैं बल्कि हम जो हो रहा है उसके बारे में बात कर रहे हैं.यह बेहद महत्वपूर्ण और चिंताजनक विषय है.शोध में सिल्वर लाइनिंग का जिक्र करते हुए बताया गया कि जिस तरह मानव गतिविधि की वजह से धरती के एक बड़े हिस्से से भूजल गायब होता जा रहा.तटीय इलाकों में मानवीय गतिविधि की वजह से समुद्र से सटे इलाकों के डूबने का खतरा पैदा हो गया है.

रिसर्च में कहा गया है कि तटीय भूमि के लगातार कम होने के कुछ कारक मानव नियंत्रण से परे हैं.पृथ्वी के कुछ हिस्सों में अभी भी ग्लेशियरों के लुप्त होने से होने वाली समस्या को प्रकृति अपने तरीके से समायोजित कर रही है. लेकिन उन प्राकृतिक प्रक्रियाओं के अलावा, भूजल निकासी, तेल और गैस निकासी, रेत खनन, और नदियों के आसपास बाढ़ अवरोधों के निर्माण

क्लाइमेट सेंट्रल नाम के प्रोजेक्ट ने ग्लोबल वॉर्मिंग की वजह से बढ़ते खतरों पर एक रिपोर्ट तैयार की है। इस रिपोर्ट में हैरान कर देने वाली बात कही गयी है। रिपोर्ट के मुताबिक समुद्री जलस्तर और बाढ़ की वजह से अगले 9 सालों में दुनिया के ये शहर डूब सकते हैं। सिर्फ यही नहीं इस सूची में भारत के कोलकाता शहर का भी नाम शामिल है। चलिए जानते है कि इस रिपोर्ट में किन शहरों के डूबने का खतरा बताया जा रहा है.

(बांध) सहित मानव गतिविधियां जमीन डूबने का कारण बन सकती हैं. उन स्थानों पर जहां लोग केंद्रित हैं, ये गतिविधियां, विशेष रूप से भूजल को खत्म करने, भूमि को और अधिक तेजी से कम करने का कारण बनती है, जो अकेले भूवैज्ञानिक प्रक्रियाओं के माध्यम से होती है.20 वीं शताब्दी में, जकार्ता, न्यू ऑरलियन्स, शंघाई और बैंकाक के तटीय जमीन छह से 10 फीट तक पानी में डूब गए.सैटेलाइट के जरिए इन इलाकों की पैमाइश के अध्ययन से निष्कर्ष निकला कि समुद्री स्तर में वृद्धि प्रति वर्ष लगभग 33 मिलीमीटर (एक इंच के लगभग आठवें हिस्से) हो रही है.

शोधकर्ता निकोलस और उनके सहयोगियों ने पाया कि औसतन, पृथ्वी की तटरेखाओं ने वास्तव में 1993 से 2015 के बीच लगभग 26 मिलीमीटर प्रति वर्ष (0.1 इंच) की तुलना में थोड़े कम सापेक्ष लिफ्ट का अनुभव किया है, क्योंकि ग्लेशियल रिबाउंड के कारण भूमि अभी भी बढ़ रही है.लेकिन ऐसा वहां नहीं हो रहा जहां अधिकांश लोग रहते हैं.इसी अवधि में, पृथ्वी के तटीय निवासियों ने समुद्र जल स्तर में औसतन 78 से 9 मिलीमीटर सालाना (लगभग आधा इंच) की वृद्धि देखी है. शोध के मुताबिक यह इस तथ्य को दर्शाता है कि तटीय निवासी तेजी से डूबने वाले क्षेत्रों पर आश्रित हैं जिसमें डूबते हुए डेल्टा और डूबते हुए शहर शामिल हैं.समस्या विशेष रूप से दक्षिण पूर्व एशिया में है, जहां 2015 में, 185 मिलियन लोग तटीय बाढ़ के मैदानों में रहते थे.तटीय इलाकों में रहने वाली लोगों की वैश्विक संख्या के 75 फीसदी लोग इन इलाकों में रहते हैं.ऐसे लोग नदी की बाढ़ और समुद्र के स्तर में वृद्धि दोनों के खतरों का सामना कर रहे हैं.

कुछ सालों में डूब जाएंगे दुनिया के ये बड़े शहर!

न्यू ओरलिंस, अमेरिका

अमेरिका के न्यू ओरलिंस शहर में नहरों और जलीय शाखाओं का जाल बिछा हुआ है। ये जाल न्यू ओरलिंस शहर को बाढ़ से बचाता है। अगर ये सुरक्षा जाल नहीं होता तो इस शहर में भारी तबाही मच जाती। वहीं अब कहा जा रहा है कि अगर समुद्र का जलस्तर तेजी से बढ़ता है तो इस शहर के लिए खतरा है और ये शहर डूब जाएगा।

एम्स्टर्डम, द नीदरलैंड्स

द नीदरलैंड्स में एम्स्टर्डम, रॉटरडम और हॉग जैसे शहर कम ऊंचाई पर स्थित हैं और ये नॉर्थ सी के बेहद नजदीक हैं। लेकिन रिपोर्ट में कहा गया है कि जिस हिसाब से समुद्र का जलस्तर बढ़ रहा है, उसे देखकर लगता है कि ये शहर भी डूब जाएंगे। इतना ही नहीं कोई भी डैम, बैरियर, फ्लडगेट इन शहरों को नहीं बचा पाएंगे।

बसरा, इराक

इराक ये शहर शत अल-अरब नाम की बड़ी नदी के किनारे बसा है। ये नदी पारस की खाड़ी से मिलती है। वहीं कई सारी नहरों और बैक वॉटर चैनल के जरिए ये शहर खाड़ी से जुड़ा है। इसकी वजह से इस शहर के आसपास काफी दलदली इलाका भी है। अगर समुद्री जलस्तर बढ़ता है तो इस शहर को खतरा है। बाढ़ आई तो इस शहर में काफी ज्यादा नुकसान हो सकता है। सिर्फ यही नहीं ये नक्शे से खत्म भी हो सकता है।

वेनिस, इटली

इटली का वेनिस शहर पानी के बीच में बसा हुआ है। यहां पर हर साल बाढ़ आती है। सबसे बड़ी बात ये है कि इस शहर में दो तरह का खतरा है। पहला समुद्र का जलस्तर बढ़ना और दूसरा ये शहर अपने आप डूब रहा है। हर साल 2 मिलिमीटर नीचे धंस रहा है। अगर समुद्र का जलस्तर तेजी से बढ़ा तो 2030 तक ये शहर पानी के अंदर डूब जाएगा।

हो ची मिन्ह सिटी, वियतनाम

वियतनाम के पूर्वी इलाके में बसे इस शहर की ऊंचाई समुद्र तल से ज्यादा नहीं है। इस शहर को सबसे बड़ा खतरा मेकॉन्ग डेल्टा से है। इस डेल्टा का जलस्तर लगातार बढ़ रहा है। वैज्ञानिकों को आशंका है कि हो ची मिन्ह सिटी साल 2030 तक पानी के अंदर डूब जाएगा।

ये है दुनिया की सबसे खतरनाक चीटियां

दरअसल कुछ ऐसी चीटियों के बारे में जानकारी प्राप्त हुई है। जोकि फिदायीन हमलावर की तरह अपने अंदर धमाका कर लेती हैं। बिल्कुल सही सुना आपने, दरअसल न्यूयॉर्क टाइम्स ने जनरल जूकीज में छपी स्टडी के मुताबिक ब्लूनेई के बेलालॉन्ग फील्ड स्टडीज सेंटर के सामने पेड़ों के करीब चीटियों के ऐसे कई घर मौजूद हैं। यह चीटियां अपने घर पर हमला होने की सूरत में अपनी जान तक दे देती हैं।

इन चींटियों के अंदर धमाका करने की एक खास प्रवृत्ति मौजूद है। और इसी वजह से इन्हें कोलोबोपसिस एक्सप्लोडेंस कहा जाता है। जब इन चीटियों के घोसले पर हमला या फिर अतिक्रमण कर दिया जाए तो यह चीटियां अपने पेट में धमाका कर लेती हैं। जिसके बाद इन चीटियों के पेट से चिपचिपा, चमकीला, पीला फ्लूइड बाहर निकल आता है। जो कि बहुत ज्यादा जहरीला होता है। ये बिल्कुल उसी तरह है जैसे कि मधुमक्खी डंक मारने के बाद अपने प्राण त्याग देती है उसी तरह यह चीटियां भी अपने घर को बचाने के लिए अपनी जान देने में पीछे नहीं रहती है। इन चींटियों के द्वारा पेट में किया जाने वाला ये धमाका इनके घरों को जरूर बचा लेता है। धमाका करने वाली चींटियों को एक्सप्लोडेंस नाम से जाना जाता है। जब इनके घर पर हमला होता है तो यह खुद के पेट मे धमाका कर लेती है। इसके पेट से जहरीला पिला चमकीला फ्लूइड बाहर निकलने लगता है। जिस प्रकार मधुमक्खी डंक लगाने के बाद मार जाती है ठीक उसी प्रकार ये चींटियां भी अपना घर बचने के लिए खुद को इस धमाके में नष्ट कर लेती है।

दरअसल वैज्ञानिक अपने अंदर धमाका करने वाली इन चीटियों के बारे में पिछले 200 साल से भी ज्यादा वक्त से जानते हैं। और आपको बतादें की साल 1916 में पहली बार इन चींटियों के बारे में बताया गया था। लेकिन साल 1935 से इस समूह की चींटियों को कोई भी आधिकारिक नाम नहीं मिला था।

चीटियों को आप किस वजह से पहचानते हैं। उनकी मेहनत की वजह से, चीटियां अपने धुन की पक्की होती है और चीटियां जब तक अपने काम को पूरा नहीं कर लेती वह रुकती नहीं है। इसके अलावा चीटियों की तारीफ इस वजह से भी की जाती है कि चीटियां इतनी छोटी होने के बावजूद भी अपने से कई गुना वजन को उठा लेती हैं। चीटियों का ये सामाजिक ताना-बाना बड़ा ही कमाल का है। लेकिन चीटियों से जुड़ी हुई एक ऐसी खबर आई है। जिसे जानने के बाद आप हैरान रह जाएंगे।

बांग देने वाला पक्षी मुर्गा

बच्चो, पहले मुर्गी हुई या अंडा की पहेली तो आप लोग बाद में कभी हल करना, लेकिन आज हम आप को बांग देने वाला पक्षी मुर्गा के बारे में बता रहे हैं। सुबह-सुबह अपने कूंकूडू कूं से सबको जगाने वाला मुर्गा एक ऐसा पक्षी है, जो हमारी संस्कृति में रचा-बसा हुआ है। कहा जाता है कि मुर्गे की उत्पत्ति भारत भूमि पर हुई और यहां से ही पूरी दुनिया में मुर्गे को इंसान ले गया।

आज मुर्गे की जितनी भी नस्लें सारे संसार में हैं, वे सब लाल जंगली मुर्गे गैलस की वंशज हैं। यह अलग बात है कि आज लाल जंगली मुर्गा विलुप्त होने के कगार पर है। वैज्ञानिक रिसर्च के अनुसार मुर्गे और मानव जीवन में काफी समानताएं हैं। मानव और मुर्गे के जीनोम में से 50 फीसदी जीन आपस में मिलते हैं। मुर्गे को पालतू बनाने के कारणों में से प्रमुख है इनकी दिलचस्प लड़ाई। ऐसा माना जाता है कि मुर्गा काफी साहसी होता है। इस साहसी गुण के कारण ही इसको पालतू बनाया गया। इंसान में बहादुरी के कोई 20 लक्षणों की यदि लिस्ट बनाई जाए तो उसमें से चार गुण मुर्गे से जरूर मिल जाएंगे।

जब मुर्गे को पालतू बनाया गया तो इसके बारे में काफी कुछ लिखा गया। एक ऐसा पक्षी जिसके माथे पर चटक लाल रंग की कलगी और शरीर खूबसूरत लाल-काले, हरे, किंतु चमकदार पंखों से ढंका हुआ होता है। जब वह मित्र के राज दरबार में पहली दफा पहुंचा तो उसे देखने वालों की खासी भीड़ जुटी। ऐसा माना जाता है कि लाल जंगली मुर्गे को सबसे पहले मोहनजोदड़ो और हड़प्पा में 2500-2100 ईसा पूर्व पालतू बनाया। इस दौर के बनाए चित्रों में मुर्गा दिखाई देता है। यहां अनेक मिट्टी के खिलौनों में भी नर और मादा मुर्गे को दिखाया गया है।

बिना सांस लिए भी जिंदा रहता है यह जीव

सांस लिए बिना कोई भी जीव-जंतु या इंसान की जिंदा रहना बेहद ही मुश्किल है। इस बात को हम सभी जानते हैं कि सांस के माध्यम से बिना ऑक्सीजन गैस लिए कोई जिंदा नहीं रह सकता है। लेकिन हाल ही में वैज्ञानिकों को एक ऐसा रहस्यमयी जीव (परजीवी) मिला है, जो बिना सांस लिए भी धरती पर जिंदा है। यह दुनिया का पहला ऐसा जीव है, जिसके अंदर ये अनोखी विशेषता है। बता दें कि जेलीफिश की तरह दिखने वाले इस बहुकोशिकीय परजीवी में माइट्रोकॉन्ड्रियल जीनोम नहीं है। किसी भी जीव को सांस लेने के लिए माइट्रोकॉन्ड्रियल जीनोम बेहद ही जरूरी होता है। इन्हीं वजहों से इस परजीवी को जिंदा रहने के लिए ऑक्सीजन की जरूरत नहीं पड़ती। इजरायल की तेल-अवीव यूनिवर्सिटी के शोधकर्ताओं की टीम ने इस अद्भुत और रहस्यमय परजीवी की खोज की है। शोधकर्ताओं के मुताबिक, यह परजीवी मछलियों से ऊर्जा प्राप्त करता है। लेकिन इस दौरान वो उन्हें किसी तरह का कोई नुकसान नहीं पहुंचाता। खास बात ये है कि मछलियां भी इस परजीवी को नुकसान नहीं पहुंचाती हैं। ये परजीवी साल्मन फिश में पाए जाते हैं और ये तब तक जिंदा रहते हैं, जब तक कि मछली जिंदा रहती है। इस जीव का वैज्ञानिक नाम हेन्नीगुया साल्मिनीकोला है। शोध के प्रमुख डयाना याहलोमी ने बताया कि यह जीव इंसानों या दूसरे जीवों के लिए बिल्कुल भी नुकसानदायक नहीं है। हालांकि, यह अब तक रहस्य ही बना हुआ है कि आखिर इस तरह का जीव पृथ्वी पर विकसित कैसे हुआ, जो बिना ऑक्सीजन के भी जिंदा रह सकता है। शोध के दौरान वैज्ञानिकों ने इस परजीवी को फ्लोरेसेंस माइक्रोस्कोप से देखा, जिसमें उन्हें माइटोकॉन्ड्रियल डीएनए नहीं दिखा। इसके बाद यह स्थिति साफ हो गई कि यह दुनिया का पहला ऐसा जीव है, जिसे जीने के लिए सांस लेना जरूरी नहीं है। हालांकि, साल 2010 में भी इटली के शोधकर्ताओं को इसी तरह का एक जीव मिला था, जिसमें साफतौर पर माइटोकॉन्ड्रियल डीएनए नहीं दिखा था। उसकी ऊर्जा का स्रोत हाइड्रोजन सल्फाइड था। लेकिन नए मिले इस जीव को तो हाइड्रोजन सल्फाइड की भी जरूरत नहीं है।

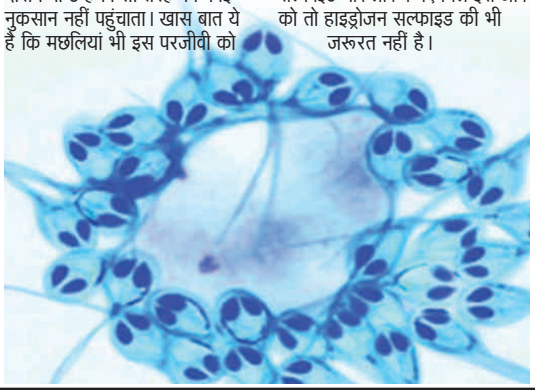

हाथी और चूहा

एक बहुत घना जंगल था। इतना कि उसमें सूर्य की किरणें भी नहीं पहुंच पाती थीं। इस जंगल में तरह-तरह के भयानक जानवर थे। सभी सुख-चैन से रह रहे थे। एक दिन उस घने और भयानक जंगल में एक हाथी आ पहुंचा। देखने में पहाड़ जैसा ऊंचा और शक्तिवान। जब वह चलता, तो सारे जानवर उसे छिपकर देखते थे। उसके चिंघाड़ने से जंगल में भगदड़ मच जाती थी। बड़े जानवर छिप जाते और छोटे जानवर अपनी मांदों में दुबक जाते। जंगल के जानवरों का सुख-चैन छिन गया।

यह देख, हाथी बहुत परेशान रहने लगा। उसकी समझ में कुछ नहीं आ रहा था। वह तो उन्हें दोस्त बनाने के लिए प्यार से आवाज लगाता था, पर होता उलटा ही था। उसकी समझ में नहीं आ रहा था कि आखिर उसमें कौन सी बुरी आदत है? वह रात-दिन यही सोचने लगा।

एक दिन हाथी उदास मन से धीरे-धीरे घूम रहा था। जब वह जंगल के एक पुराने बरगद के नीचे पहुंचा, तो उसे एक चीख सुनाई पड़ी। कोई चिल्ला रहा था, बचाओ-बचाओ! हाथी ने सिर उठाकर देखा, एक नन्हा सा चूहा पेड़ की टहनियों में उलझा चिल्ला रहा था। हाथी बोला, घबराओ नहीं, मैं अभी तुम्हें बचाता हूं। हाथी को देखकर पहले तो चूहा कुछ डरा। लेकिन मरता क्या न करता! चूहा डर भूल गया और हाथी को डबडबाई आंखों से देखने लगा। हाथी ने अपनी सूंड ऊपर उठा दी और चूहा उस पर बैठकर नीचे उतर आया।

नीचे आते ही चूहा तेजी से भाग गया। उसने पीछे मुड़कर भी नहीं देखा। बेचारे हाथी ने तो सोचा था कि चूहा ही उसका दोस्त बनेगा, पर वह भी भाग गया। अब हाथी को विश्वास हो गया कि उसका कोई भी दोस्त नहीं बन सकता। यह सोचकर वह रोने लगा।

लेकिन थोड़ी ही देर में चिड़ियों का मधुर गाना उसे सुनाई पड़ने लगा। ऐसा गाना उसने इस जंगल में पहले कभी नहीं सुना था। देखते ही देखते जंगल के सारे जानवर हाथी के चारों तरफ एक घेरा बनाकर नाचने-गाने लगे। कोई सीटी बजा रहा था, तो बंदर ढोल पीट रहा था। शेर सुरीली आवाज में गा रहा था। हाथी को यह सब एक सपने की तरह लग रहा था। हाथी ने हैरानी से देखा, झुंड में वही चूहा सबसे आगे था, जिसे हाथी ने बचाया था।

उस छोटे चूहे ने कहा, आज तुमने मुझे बचाया है। तुम बहुत ही अच्छे हो। शरीर से चाहे कितने ही बड़े हो, परंतु तुम्हारा दिल दया और प्रेम से भरा हुआ है। आज से तुम हम सबके दोस्त हो और हम सब तुम्हारे। हाथी ने उन्हें बताया कि असल में उसका जोर से बोलने का मतलब जानवरों को डराना और नुकसान पहुंचाना नहीं था, बल्कि दोस्त बनाना था। अब हाथी भी उस नाच-गाने में शामिल हो गया। सारे जानवर और भी झूम-झूमकर नाचने लगे। हाथी फिर कभी इतने जोर से नहीं चिल्लाया।

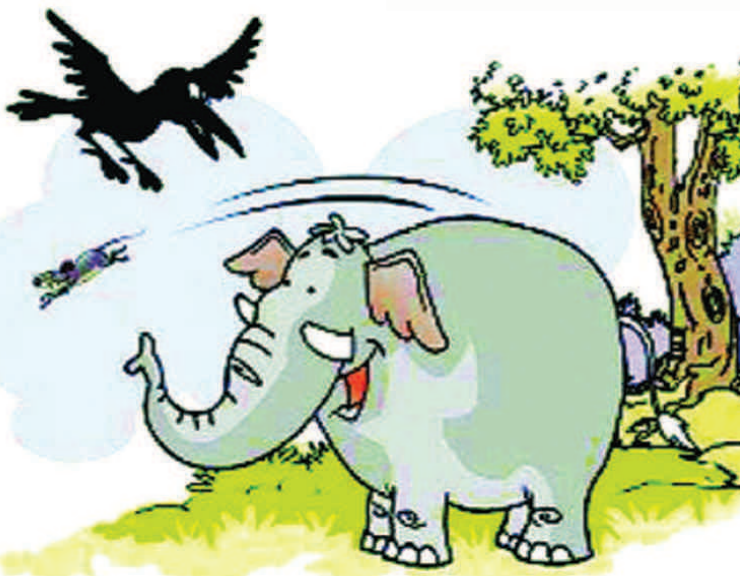

चना दाल 100 के पार, दालों में तेजी

इंदौर । दलहन के दामों में तेजी अप्रत्यसित रूप से देखने को मिल रही है। चना दाल के भाव फुटकर में 100 रुपये से ऊपर पर पहुंच गए हैं। अन्य दालों के रेट में भी लगातार तेजी देखने को मिल रही है। दाल मिलर्स एसोसिएशन का कहना है,कि बाजार में दलहन की आवक कम होने और मांग बढ़ने के कारण तेजी है। पिछले दो सालों से चना दाल की कीमत लगातार बढ़ रही हैं। वर्तमान में 97 रुपए से 100 रुपये किलो के बीच में थोक में दाल बिक रही है। होलसेल बाजार के कारोबारियों का कहना है, कि जिंबॉब्वे, म्यांमार, कनाडा, यूक्रेन,तुर्की आदि देशों से दलहन का आयात होता है। इस समय आयात बंद होने के कारण,दालों के दाम तेजी के साथ बढ़ रहे हैं। थोक बाजार में चना दाल 82 रुपए से लेकर 97 रुपए तक में बिक रही है। वहीं तुवर की दाल 135 से 165, मूंग की दाल 107 से 110,उड़द की दाल 104 से 107 रुपए में बिक रही है।

एनएमडीसी का लौह अयस्क उत्पादन अगस्त में 37 फीसदी बढ़ा

नई दिल्ली । सार्वजनिक क्षेत्र की एनएमडीसी का लौह अयस्क उत्पादन अगस्त में 37.5 प्रतिशत बढ़कर 34.1 लाख टन हो गया। खनन कंपनी ने पिछले साल अगस्त में 24.8 लाख टन लौह अयस्क का उत्पादन किया था। कंपनी की बिक्री भी अगस्त में 25 प्रतिशत बढ़कर 35.4 लाख टन हो गई, जो पिछले साल इसी महीने में 28.3 लाख टन थी। एनएमडीसी ने चालू वित्त वर्ष में अप्रैल से अगस्त तक 1.65 करोड़ टन लौह अयस्क का उत्पादन किया, जो पिछले साल समान अवधि के 1.34 करोड़ टन से 23 प्रतिशत ज्यादा है। इस दौरान बिक्री भी 29 प्रतिशत बढ़कर 1.74 करोड़ टन हो गई, जो पिछले साल इसी अवधि 1.34 करोड़ टन थी। इस्पात मंत्रालय के अंतर्गत आने वाली एनएमडीसी देश की सबसे बड़ी लौह अयस्क खनन कंपनी है। यह देश में स्टील बनाने में इस्तेमाल होने वाले प्रमुख कच्चे माल का 20 प्रतिशत पूरा करती है।

विस्तारा और एयर इंडिया का होगा विलय

मुंबई । भारतीय प्रतिस्पर्धा आयोग (सीसीआई) ने विस्तारा एयरलाइन के एयर इंडिया में विलय की अनुमति दे दी है। टाटा एसआईए एयरलाइंस भारत में विस्तारा नाम की विमान सेवा का संचालन करती है। यह टाटा संस और सिंगापुर एलरलाइन का संयुक्त उद्यम है। इसके साथ ही सीसीआई ने सिंगापुर एयरलाइन द्वारा एयर इंडिया में कुछ शेयरों की खरीद को भी मंजूरी दे दी है। हालांकि इसके लिए सिंगापुर एयरलाइन को कुछ शर्तों का पालन करना होगा। विस्तारा और एयर इंडिया टाटा समूह का हिस्सा हैं और सिंगापुर एयरलाइंस की विस्तारा में 49 प्रतिशत हिस्सेदारी है। पिछले साल नवंबर में टाटा समूह ने एक सौदे के तहत एयर इंडिया के साथ विस्तारा के विलय की घोषणा की थी। इसमें कहा गया था कि सिंगापुर एयरलाइंस भी एयर इंडिया में 25.1 प्रतिशत हिस्सेदारी का अधिग्रहण करेगी। इस सौदे के लिए इस साल अप्रैल में सीसीआई से मंजूरी मांगी गई थी। हालांकि इस बातचीत के बारे में एयर इंडिया की ओर से अब तक कोई आधिकारिक जानकारी नहीं दी गई है।

सिंगापुर ने चावल प्रतिबंध से छूट देने पर भारत का किया धन्यवाद

मुंबई ।

सिंगापुर ने भारत को चावल पर लगे प्रतिबंध से छूट देने के लिए भारत का धन्यवाद किया है। भारत में सिंगापुर के राजदूत ने एक्स पर यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि सिंगापुर भारत सरकार को चावल पर लगे प्रतिबंध पर छूट देने के लिए धन्यवाद करता है। दोनों ही देश मजबूत रणनीतिक साझेदार है। हमारी यह मजबूत दोस्ती सराहनीय है। भारत के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता अरिंदम बागची ने कहा कि भारत और सिंगापुर के रिश्ते मजबूत हैं और इसी वजह से भारत ने खाद्य आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए सिंगापुर को चावल निर्यात करने का फैसला किया है। भारत ने 27 अगस्त को बासमती चावल के निर्यात पर अतिरिक्त सतर्कता के मद्देनजर अहम कदम उठाए थे। इसका मकसद गैर-बासमती सफेद चावल के निर्यात को रोकना था, जो वर्तमान में निषिद्ध श्रेणी में है। इससे पहले सरकार ने बताया कि उन्हें गैर-बासमती चावल के अवैध निर्यात के संबंध में कई रिपोर्ट मिली हैं। सरकार ने एक बयान जारी करते हुए कहा कि रिपोर्ट के अनुसार गैर-बासमती सफेद चावल का निर्यात उबले चावल

और बासमती चावल के एचएस कोड के तहत किया जा रहा है। हालांकि, सरकार ने गैर-बासमती चावल का निर्यात 20 जुलाई से बंद कर दिया था। प्रतिबंध के बावजूद सरकार ने देखा कि इस साल भी चावल का निर्यात जारी रहा है, जिसके बाद केंद्र सरकार ने 20 जुलाई को चावल निर्यात मानदंडों में संशोधन करके गैर-बासमती सफेद चावल को निषिद्ध श्रेणी में डाल दिया।

एरिना के रिटेल चेन ने 6 साल पूरे किए

नई दिल्ली । ऑटोमोबाइल सेक्टर की कंपनी मारुति सुजुकी एरिना के रिटेल चेन ने 6 साल पूरे कर लिए हैं।मारुति सुजुकी कंपनी ने 2017 में इस नेटवर्क को शुरु किया था। देशभर में एरिना के 2,853 आउटलेट्स हैं। कंपनी ने एफवाय 2023-24 में कुल 68प्रतिशत एरिना मॉडल्स सेल किए हैं। मारुति सुजुकी केवरिष्ठ कार्यकारी अधिकारी, विपणन और बिक्री, शशांक श्रीवास्तव, ब्रांड की सफलता में एरेना के योगदान पर प्रकाश डालते हैं। वित्त वर्ष 23-24 से जुलाई 23 तक 29प्रतिशत से अधिक की स्टैंडअलोन बाजार हिस्सेदारी के साथ, एरेना के 9 उत्पादों के पोर्टफोलियो ने मारुति सुजुकी की कुल बिक्री में 68प्रतिशत का योगदान दिया है।बता दें कि एरिना लाइनअप में ऑल्टो के10, एस-प्रेसो, सेलेरियो, वैगन आर, इंको, स्विफ्ट, डिजायर, अर्टिगा और ब्रेज़ा शामिल हैं। कंपनी के अनुसार हर महीने लगभग इनके 10000 यूनिट्स की सेल होती है।

देश का विदेशी मुद्रा भंडार घटकर 594.86 अरब डॉलर पर

मुंबई ।

देश का विदेशी मुद्रा भंडार 25 अगस्त को समाप्त सप्ताह में तीन करोड़ डॉलर घटकर 594.86 अरब डॉलर हो गया है। पिछले सप्ताह कुल भंडार 7.27 अरब डॉलर घटकर 594.89 अरब डॉलर रह गया था। अक्टूबर 2021 में देश का विदेशी मुद्रा भंडार 645 अरब अमेरिकी डॉलर के सर्वकालिक उच्चतम स्तर पर पहुंच गया था। पिछले साल वैश्विक घटनाक्रम के कारण उत्पन्न दबाव के बीच केंद्रीय बैंक ने रुपए की विनिमय दर में गिरावट को रोकने के लिए पूंजी भंडार का उपयोग किया, जिससे विदेशी मुद्रा भंडार प्रभावित हुआ। रिजर्व बैंक के साप्ताहिक आंकड़ों के अनुसार 25 अगस्त को समाप्त सप्ताह में विदेशी मुद्रा भंडार का अहम हिस्सा विदेशी मुद्रा आस्तियां 53.8 करोड़ डॉलर घटकर 527.25 अरब डॉलर रह गईं। डॉलर में अभिव्यक्त की जाने वाली विदेशी मुद्रा आस्तियों में यूरो, पौंड और येन जैसी गैर-अमेरिकी मुद्राओं में आई घट-बढ़ के प्रभावों को भी शामिल किया जाता है। स्वर्ण भंडार का मूल्य 53 करोड़ डॉलर बढ़कर 44.35 अरब डॉलर हो गया। आंकड़ों के अनुसार विशेष आहरण अधिकार (एसडीआर) 1.1 करोड़ डॉलर घटकर 18.194 अरब डॉलर रहा। समीक्षाधीन सप्ताह में अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) के पास रखा देश का मुद्रा भंडार 1.2 करोड़ डॉलर घटकर 5.06 अरब डॉलर रह गया।

(शेयर बाजार साप्ताहिक समीक्षा) सेंसेक्स और निफ्टी में एक फीसदी की तेजी रही

मुंबई ।

वैश्विक बाजार के मजबूत रुझान के बीच चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही में देश का सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) वृद्धि दर, अनुमान से अधिक मजबूत रहने की बदौलत हुई चौतरफा लिवाली से शुक्रवार को शेयर बाजार में करीब एक प्रतिशत की तेजी के साथ बंद हुए। हफ्ते के पहले कारोबारी दिन सोमवार को घरेलू शेयर बाजार में सकारात्मक शुरुआत हुई। बीएसई का 30 शेयरों वाला सेंसेक्स 105.33 अंक चढ़कर 64,991.84 पर खुला और 110.09 अंकों की बढ़त के साथ 64,996.60 अंकों के लेवल पर बंद हुआ। निफ्टी 44.50 अंक मजबूत होकर 19,310.30 के लेवल पर खुला और 40.25 अंक मजबूत होकर 19,306.05 पर बंद हुआ। मंगलवार को सेंसेक्स 183.98 अंकों की बढ़त के साथ 65,180.58 पर खुला और 79 अंकों की बढ़त के साथ 65,075.82 अंकों के लेवल पर बंद हुआ। निफ्टी में 46.50 अंकों की बढ़त के साथ 19,352.55 अंकों पर खुला और 37 अंक की बढ़त के साथ 19,342.65 अंकों पर बंद हुआ। बुधवार को सेंसेक्स 273.55 अंकों की बढ़त के साथ 65,349.37 पर खुला और 11.43 अंक की बढ़त के साथ 65,087.25 पर बंद हुआ। निफ्टी 78.85 अंक चढ़कर 19,421.50 के स्तर पर खुला और 4.80 अंक बढ़कर 19,347.50 पर बंद हुआ।

गुरुवार को सेंसेक्स 91.08 अंक चढ़कर 65,178 पर खुला और 255.84 अंक की गिरावट के साथ 64,831.41 पर बंद हुआ। निफ्टी 28.10 अंक चढ़कर 19,375.55 पर खुला और 93.70 अंक की गिरावट के साथ 19,253.80 पर बंद हुआ। शुक्रवार को सेंसेक्स 96.67 अंक की बढ़त के साथ 64,928.08 पर खुला और 555.75 अंक (0.86 प्रतिशत) की छलांग लगाकर 65387 पर बंद हुआ। निफ्टी 4.35 अंक की बढ़त के साथ 19,258.15 पर खुला और 181.50 अंक (0.94 प्रतिशत) उछलकर 19,435.30 अंक पर बंद हुआ।

पी-नोट के जरिए निवेश जुलाई के अंत में बढ़कर 1.23 लाख करोड़ पहुंचा

नई दिल्ली ।

पार्टिसिपेटरी नोट (पी-नोट) के जरिए भारतीय पूंजी बाजार में निवेश जुलाई के ओ खिर में बढ़कर छह साल के उच्चतम स्तर 1.23 लाख करोड़ रुपए के करीब पहुंच गया। वृहत आर्थिक मोर्चे पर स्थिरता के कारण यह लगातार पांचवीं मासिक वृद्धि है। भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) के आंकड़ों से पता चलता है कि यह राशि दिसंबर 2017 के बाद सबसे अधिक है। उस समय यह आंकड़ा 1.25 लाख करोड़ रुपए था। ताजा आंकड़ों में भारतीय इक्विटी, ऋण और मिश्रित प्रतिभूतियों में पी-नोट निवेश शामिल है। पी-नोट पंजीकृत विदेशी पोर्टफोलियो निवेशक (एफपीआई) उन विदेशी निवेशकों को जारी करते हैं, जो खुद को सीधे पंजीकृत किए बिना भारतीय शेयर बाजार का हिस्सा बनना चाहते हैं। हालांकि, इसके लिए उन्हें एक कठिन प्रक्रिया से गुजरना होता है। सेबी के आंकड़ों के अनुसार भारतीय बाजारों में इक्विटी, ऋण और मिश्रित प्रतिभूतियों में पी-नोट निवेश का मूल्य जुलाई के अंत में 1,22,805 करोड़ रुपए था, जबकि एक महीने पहले यह आंकड़ा 1,13,291 करोड़ रुपए था। इसके माध्यम से निवेश मई के अंत में 1,04,585 करोड़ रुपए, अप्रैल के ओ खिर में 95,911 करोड़ रुपए, मार्च के ओ खिर में 88,600 करोड़ रुपए, फरवरी के ओ खिर में 88,398 करोड़ रुपए और जनवरी के ओ खिर में 91,469 करोड़ रुपए था। जुलाई के ओ खिर में यह आंकड़ा 1.22 लाख करोड़ रुपए था।

पेट्रोल और डीजल की कीमतें नहीं बदलीं

नई दिल्ली । वैश्विक बाजार में कच्चे तेल की कीमत के आधार पर ऑयल मार्केटिंग कंपनियां रोज पेट्रोल और डीजल के दाम तय करती हैं। हालांकि, भारतीय तेल कंपनियों ने शनिवार 2 सितंबर को भी पेट्रोल और डीजल की कीमतों में कोई बदलाव नहीं किया है। दिल्ली, मुंबई, कोलकाता और चेन्नई समेत देश के विभिन्न शहरों में ईंधन के भाव जस के तस हैं। दिल्ली में पेट्रोल 96.72 रुपए और डीजल 89.62 रुपए प्रति लीटर, मुंबई में पेट्रोल 106.31 रुपए और डीजल 94.27 रुपए प्रति लीटर, कोलकाता में पेट्रोल 106.03 रुपए और डीजल 92.76 रुपए प्रति लीटर, चेन्नई में पेट्रोल 102.63 रुपए और डीजल 94.24 रुपए प्रति लीटर, नोएडा में पेट्रोल 96.79 रुपए और डीजल 89.96 रुपए प्रति लीटर हो गया है। गाजियाबाद में 96.58 रुपए और डीजल 89.75 रुपए प्रति लीटर हो गया है। लखनऊ में पेट्रोल 96.57 रुपए और डीजल 89.76 रुपए प्रति लीटर हो गया है। पटना में पेट्रोल 107.24 रुपए और डीजल 94.04 रुपए प्रति लीटर हो गया है। पटना में पेट्रोल 108.65 रुपए और डीजल 93.90 रुपए प्रति लीटर हो गया है। पोर्टब्लेयर में पेट्रोल 84.10 रुपए और डीजल 79.74 रुपए प्रति लीटर हो गया है।

आरबीआई गवर्नर दास को बेस्ट बैंकर का सम्मान

- प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने दी बधाई

नई दिल्ली।

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के गवर्नर शक्तिकांत दास को अमेरिका स्थित पत्रिका ग्लोबल फाइनेंस ने वैश्विक स्तर पर शीर्ष केंद्रीय बैंकर का सम्मान दिया है। उन्हें ग्लोबल फाइनेंस केंद्रीय बैंकर रिपोर्ट कार्ड-2023 में 'ए प्लस' रेटिंग दी गई है। इस सूची में तीन केंद्रीय बैंकों के गवर्नरों को 'ए प्लस' रेटिंग दी गई है, जिनमें दास शीर्ष पर रहे। स्विट्जरलैंड के गवर्नर थॉमस जे जॉर्डन दूसरे और वियतनाम के गवर्नर गुयेन थी होंग तीसरे स्थान पर रहे। ग्लोबल फाइनेंस पत्रिका ने कहा कि महंगाई पर नियंत्रण, आर्थिक वृद्धि लक्ष्यों, मुद्रा स्थिरता और ब्याज दर प्रबंधन में सफलता के लिए ग्रेड 'ए' से ग्रेड 'एफ' तक के पैमाने होते हैं। ग्रेड ए उत्कृष्ट प्रदर्शन को दर्शाता है, जबकि एफ ग्रेड का मतलब पूरी तरह विफलता है। इससे पहले लंदन सेंट्रल बैंक ने जून, 2023 में शक्तिकांत दास को गवर्नर ऑफ द ईयर सम्मान से नवाजा था। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने दास को इस उपलब्धि पर बधाई दी। उन्होंने कहा कि आरबीआई गवर्नर शक्तिकांत दास को बधाई। यह पूरे देश के लिए गर्व का क्षण है। यह वैश्विक मंच पर हमारे वित्तीय नेतृत्व को दर्शाता है। उनका समर्पण और दूरदर्शिता हमारे देश के विकास को मजबूत करती रहेगी।

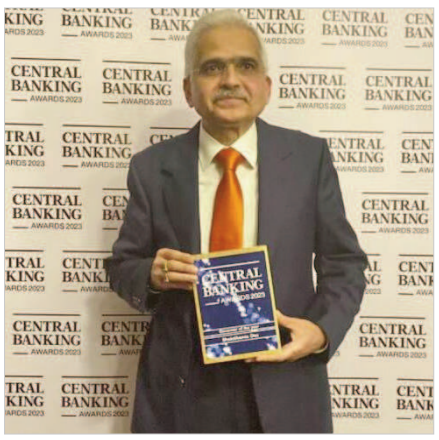

15,000 तकनीकी कर्मचारी एक साल में कनाडा चले गए

मुंबई ।

देश में नौकरियों के संकट के बीच एक साल में 15 हजार तकनीकी पेशेवर कर्मचारी कनाडा चले गए हैं। एक रिपोर्ट के अनुसार अप्रैल 2022 से मार्च 2023 तक 15,000 से अधिक भारतीय तकनीकी पेशेवर कर्मचारी कनाडा चले गए हैं। यह आंकड़ा दर्शाता है कि देश में एक तरफ तकनीकी उद्योग में नौकरियों की कमी है, तो दूसरी तरफ कनाडा में तकनीकी पेशेवर के लिए अवसरों की भरमार है। एक संयुक्त रिपोर्ट में बताया गया है कि माइग्रेशन के आंकड़ों में आया यह उछाल कनाडा के विस्तारित तकनीकी कार्यबल में भारत का सबसे बड़ा योगदान है। रिपोर्ट में कहा गया है कि 32,000 से अधिक तकनीकी पेशेवरों में से 15,097 ने कनाडा को अपने नए घर के रूप में चुना है। यह देश तकनीकी उद्योग का नया आकर्षण बन रहा है। माइग्रेशन कर कनाडा में आए तकनीकी पेशेवरों के आंकड़े में भारत के बाद नाइजीरिया का स्थान है। इस अवधि में वहां से 1808 कर्मचारी कनाडा आकर बसे हैं। रिपोर्ट के अनुसार विशेषज्ञ इसकी वजह कनाडा की इमिग्रेशन फ्रेंडली पॉलिसी और लेबर कॉस्ट को बता रहे हैं। मिसिसॉगा और मॉन्ट्रियल दो कनाडाई शहर हैं जहां सबसे ज्यादा तकनीकी पेशेवर दुनियाभर के देशों से माइग्रेट कर बसते हैं। मिसिसॉगा में करीब 1,000 से अधिक आईटी फर्म हैं, जहां 300,000 से अधिक तकनीकी विशेषज्ञों का प्रभावशाली कार्यबल मौजूद है। मॉन्ट्रियल ने वर्ष 2015

से 2020 के बीच अपने तकनीकी पारिस्थितिकी तंत्र में 31 प्रतिशत की उल्लेखनीय वृद्धि देखी है। भारत और नाइजीरिया के बाद ब्राजील के भी तनीकी पेशेवरों की बड़ी तादाद कनाडा में है।

नए क्लेवर में लांच हुई करिज्मा एक्सएमआर

-नए फीचर्स के साथ मचाएगी धमाल

नई दिल्ली ।

आटोमोबाइल सेक्टर की कंपनी हीरो ने कुछ साल पहले हीरो करिज्मा एक्सएमआर बाइक को अचानक बंद कर दिया। लंबे समय तक लोग इस मोटरसाइकिल का वेट भी करते रहे लेकिन इस मोटरसाइकिल की वापसी को लेकर कंपनी ने कभी कुछ नहीं कहा।लेकिन अब कंपनी ने इसे पूरी तरह से नए कलेवर में एक बार फिर लॉन्च कर दिया है।

इस बारे न केवल मोटरसाइकिल का डिजाइन बदला गया है बल्कि इसका इंजन और फीचर्स भी पूरी तरह से नए कर दिए गए हैं।अब ये पहले के मुकाबले ज्यादा पावरफुल और बेहतरीन फीचर्स के साथ बाजार में उतरी है।

कंपनी ने एक बार फिर करिज्मा को लॉन्च कर दिया है। मोटरसाइकिल की बुकिंग कंपनी ने शुरू कर दी है और इसे आप डीलरशिव या हीरो मोटोकॉर्प की ऑथोराइज्ड वर्कशॉप पर आसानी से बुक करवा सकते हैं। हीरो मोटोकॉर्प ने बाजार में बढ़ते कॉम्पीटीशन को देखते हुए बाइक को काफी वाजिब कीमत पर लॉन्च किया है।करिज्मा एक्सएमआर को अब आप 1.72 लाख रुपये की एक्स शोरूम कीमत पर खरीद सकते हैं।बाइक में अब आपको पूरी तरह से नया इंजन देखने को मिलेगा।ये 210 सीसी का सिंगल सिलेंडर होगा और इसको बेहतर परफॉर्मेंस के लिए लिक्विड कूल्ड दिया गया है।ये इंजन 25.1 बीएचपी की पावर और 20.4 एनएम का टॉर्क जनरेट करेगा। मोटरसाइकिल में स्लिप और असिस्ट क्लच के साथ 6 स्पीड गियरबॉक्स दिया गया है। मोटरसाइकिल को स्टीट्रेलिस फ्रेम पर तैयार किया गया है। मोटरसाइकिल में सस्पेंशन सेटअप भी पूरी तरह से नया है और इसमें आपको फ्रंट में ट्रेडिशनल टेलिस्कोपिक शॉक और रियर में मोनो शॉक देखने को मिलेंगे। करिज्मा में नए डिजाइन के 17 इंच के अलॉय व्हील दिए गए हैं।वहीं फ्रंट और रियर डिस्क ब्रेक के साथ ही डुअल चैनल एबीएस भी दिया गया है। मोटरसाइकिल के लुक को पूरी तरह से बदलते हुए वाई शेप में एलईडी हैडलैंप देखने को मिलेंगे।साथ ही एडजस्टेबल विंडस्क्रीन, फेयरिंग पर रियर व्यू मिरर, मस्कुलर फ्यूल टैंक और स्प्लिट सीटस मिलेंगी।

बलेनो को टक्कर दे रही टोयोटा ग्लैंजा

-दोनों में इस्तेमाल होने वाला इंजन भी एक ही

नई दिल्ली ।

जानी-मानी कंपनी मारुति की बलेनो देश में सबसे ज्यादा बिकने वाली प्रीमियम सेगमेंट की हैचबैक है। ये हमेशा टॉप-5 बेस सेलिंग कारों में अपनी जगह बनाती है। हालांकि, मार्केट में कुछ ऐसी कारें भी हैं जो बलेनो को जबर्दस्त टक्कर दे रही हैं। यहां हम आपको एक ऐसी की प्रीमियम हैचबैक के बारे में बताने जा रहे हैं जिसे बहुत कम लोग ही जानते हैं, लेकिन परफार्मेंस, फीचर्स और सेफ्टी के मामले में ये बलेनो को तगड़ी टक्कर देती है। क्योंकि ये बलेनो के जैसी ही दिखती है इसलिए मार्केट में लोग इसे बलेनो की जुड़वा बहन भी कहते हैं।भले ही इसका रंग रूप बलेनो के जैसा है लेकिन इसमें बलेनो से अलग डिजाइन देखने को मिलता है।यहां हम जिस कार के बारे में बात कर रहे हैं वो टोयोटा ग्लैंजा है जिसे मारुति बलेनो के प्लेटफॉर्म पर डिजाइन किया गया है।ग्लैंजा और बलेनो में इस्तेमाल होने वाला इंजन भी एक ही है।हालांकि, कई जानकारों ने इसे बिल्ड क्वालिटी में बलेनो बेहतर बताया है।टोयोटा ग्लैंजा आपको मार्केट में 6.81 लाख रुपये (एक्स-शोरूम) की शुरूआती कीमत पर मिल जाएगी।कंपनी इसे चार वेरिएंट ई, एस, जी और वी में बेच रही है।

अगर सेफ्टी के लिहाज से देखें तो ग्लांझा के बेस मॉडल में 2 एयरबैग और टॉप मॉडल जी और वी में 6 एयरबैग मिलते हैं।इसके 6 एयरबैग वेरिएंट की कीमत 8.73 लाख रुपये (एक्स-शोरूम) से शुरू होती है।वहीं मारुति बलेनो की कीमत 6.61 लाख रुपये से 9.88 लाख रुपये (एक्स-शोरूम, दिल्ली) के बीच है।टोयोटा ग्लैंजा में 1.2-लीटर डुअलजेट पेट्रोल इंजन मिलता है जो 90 पीएस की पॉवर और 113 एनएम का टॉर्क जनरेट करता है।इंजन को 5-स्पीड मैनुअल और 5-स्पीड एएमटी गियरबॉक्स से जोड़ा गया।इसे सीएनजी ऑप्शन में भी उपलब्ध किया गया है। सीएनजी वर्जन में ग्लैंजा की माइलेज 30.61केएम/केजी है। इसके स्टैंडर्ड सेफ्टी फीचर्स में डुअल फ्रंट एयरबैग, सीट बेल्ट प्री-टेंशनर और एबीएस-ईबीडी शामिल हैं।बाजार में ग्लैंजा का मुकाबला मारुति बलेनो हुंडई आई20 और टाटा अल्ट्रोड से है।

बांग्लादेश की नजरें अफगानिस्तान के खिलाफ जीत दर्ज करने पर

लाहौर (एजेंसी)। एशिया कप एकदिवसीय टूर्नामेंट के अपने पहले मुकाबले में लचर बल्लेबाजी के कारण शिकस्त का सामना करने वाली बांग्लादेश की टीम जब अफगानिस्तान के खिलाफ रविवार को लीग चरण के अपने दूसरे मैच के लिए अफगानिस्तान के खिलाफ यहां मैदान में उतरेगी तो उसकी कोशिश जीत दर्ज कर सुपर फोर चरण की दौड़ में बने रहने की होगी। इस मैच में हार से बांग्लादेश पर टूर्नामेंट से बाहर होने का खतरा रहेगा।

श्रीलंका के खिलाफ टीम पालेकल के मैदान पर महज 164 रन पर आउट हो गई। नजमुल हसन शंटो (122 गेंद में 89 रन) के अलावा कोई अन्य बल्लेबाज योगदान देने में विफल रहा। कप्तान शाकिब अल हसन से टीम को बल्ले से योगदान की उम्मीदें थी लेकिन वह टीम के खिलाड़ियों को प्रेरित करने में नाकाम रहे। अफगानिस्तान के खिलाफ उन्हें हालांकि मध्यक्रम में अपनी भूमिका को अच्छे से निभानी होगी। इस विभाग में वह अनुभवी विकेटकीपर बल्लेबाज मुशफिकुर रहीम से जिम्मेदारी साझा करने की उम्मीद करेंगे।

युवा सलामी बल्लेबाजों मोहम्मद नईम और तंजीद हसन को टीम को बेहतर शुरुआत दिलानी होगी। गेंदबाजी की बात करें तो पिछले

मैच में तस्कीन अहमद प्रभावशाली लगे थे लेकिन शरीफुल इस्लाम की गेंदों में पैनापन की कमी दिखी थी। शाकिब ने हालांकि गेंदबाजी में प्रभावित करते हुए अपने 10 ओवर में 29 रन देकर दो विकेट लिये थे। वह इस लय को अफगानिस्तान के खिलाफ जारी रखना चाहेंगे। बल्लेबाजों ने स्कोरबोर्ड पर बड़ा स्कोर खड़ा नहीं किया जिससे मुस्तफिजुर रहमान, मेहदी हसन मेराज और मेहदी हसन जैसे गेंदबाजों के पास श्रीलंका के बल्लेबाजों पर दबाव बनाने का मौका नहीं था। अफगानिस्तान की टीम का यह टूर्नामेंट में पहला मैच है।

टीम को इससे पहले पाकिस्तान के खिलाफ एकदिवसीय श्रृंखला में 0-3 से शिकस्त मिली थी। टीम का हौसला हालांकि इस बात से बढ़ा होगा कि उन्होंने इस साल जून-जुलाई में बांग्लादेश को 2-1 से हराया था। बांग्लादेश ने एकदिवसीय श्रृंखला में हार का बदला टी20 श्रृंखला में अफगानिस्तान को 0-2 से हराकर लिया था। रहमानुल्लाह गुरबाज पिछले कुछ समय से वनडे क्रिकेट में शानदार लय में हैं। उन्होंने हाल ही में खेली गई एकदिवसीय श्रृंखला में पाकिस्तान और बांग्लादेश दोनों के खिलाफ शतक लगाए है।

इसके अलावा ऑफ स्पिनर मुजीब उर रहमान अफगानिस्तान के लिए लगातार विकेट लेने वाले गेंदबाज रहे हैं। वह इस मैच में टीम के लिए घातक हथियार साबित हो सकते हैं। हाल ही में कप्तानी गंवाने के बाद अफगानिस्तान के स्टार लेग स्पिनर राशिद खान भी एशिया कप में खुद को साबित करने के लिए उत्सुक होंगे। वह गेंद के साथ बल्लेबाजी के निचले क्रम में तेजी से रन बनाने की कुव्वत रखते है।

अफगानिस्तान के कप्तान हशमतुल्लाह शाहिदी भी बांग्लादेश के खिलाफ इस मैच में अपनी बल्लेबाजी को साबित करना चाहेंगे। जहां शाहिदी, इब्राहिम जादरान, गुरबाज, नजीबुल्लाह जादरान और अनुभवी मोहम्मद नबी बल्लेबाजी विभाग में अफगानिस्तान के लिए महत्वपूर्ण होंगे, वहीं गेंदबाजी इकाई

टीमें

बांग्लादेश : अनामुल हक, मोहम्मद नईम, मुशफिकुर रहीम, नजमुल हसन शंटो, तंजीद हसन, तौहीद हृदय, शाकिब अल हसन, अफीफ हुसैन, महेदी हसन, मेहदी हसन मिराज, शमीम हुसैन, हसन महमूद, मुस्तफिजुर रहमान, नसुम अहमद, शरीफुल इस्लाम, तंजीम हसन साकिब, तस्कीन अहमद।

अफगानिस्तानः हशमतुल्लाह शाहिदी (कप्तान), इब्राहिम जादरान, इकराम अलीखिल, नजीबुल्लाह जादरान, रहमानुल्लाह गुरबाज, रियाज हसन, गुलबदीन नायब, करीम जनत, मोहम्मद नबी, रहमत शाह, राशिद खान, शराफुद्दीन अशरफ, अब्दुल रहमान, फजलहक फारूकी, मोहम्मद सलीम, मुजीब उर रहमान, नूर अहमद।

राशिद, फजलहक फारूकी, मुजीब और नूर अहमद के कंधों पर होगी।

अमेरिकी ओपन : हमवतन जेरे को हराकर प्री-क्वार्टरफाइनल में पहुंचे नोवाक जोकोविच

न्यूयार्क (एजेंसी)। सर्बिया के दिग्गज टेनिस खिलाड़ी नोवाक जोकोविच ने अमेरिकी ओपन के तीसरे दौर में शनिवार को पिछड़कर वापसी करते हुए अपने हमवतन लासलो जेरे को 3-2 से मात दी। जोकोविच ने तीन घंटे 45 मिनट तक चले पांच सेट के मुकाबले में जेरे को 4-6, 4-6, 6-1, 6-1, 6-3 से हराया।

जोकोविच ने इस कठिन जीत के बाद कहा, 'अविश्वसनीय। लगभग दो बज चुके हैं, लेकिन बड़ी संख्या में लोग रुके हैं। मुझे उम्मीद है कि (प्रशंसकों) ने मैच का आनंद लिया, लेकिन यह निश्चित रूप से मेरे लिए उतना आनंददायक नहीं था, खासकर पहले दो सेटों में। यह कई वर्षों में यहां खेले गए मेरे सबसे कठिन मैचों में से एक था। बेहतरीन टेनिस खेलने के लिए लासलो को बहुत श्रेय जाता है।'

मैच के शुरुआती 90 मिनटों में जेरे ने लंबी रैलियों में बढ़त बनाए रखी। उन्होंने बेसलाइन से निडर और तेजतरार हिटिंग करते हुए अक्सर जोकोविच के पीछे धकेलकर उनका संतुलन बिगाड़ा। अपना चौथा अमेरिकी ओपन खिताब तलाश रहे जोकोविच ने तीसरे सेट में तेजी से अपना स्तर बढ़ाया और जेरे के फोरहैंड से गलतियां करवाते हुए मुकाबला अपने पक्ष में किया। मैच का रुख तब बदला जब जोकोविच ने तीसरे सेट में 26 शॉट की रोमांचक रैली जीतकर पहली बार 1-0 से सर्विस तोड़ी।

इसके बाद सर्बियाई दिग्गज ने अपने हाथ हवा में उठाकर न्यूयॉर्क की भीड़ से समर्थन मांगा और अगले दो सेट सिफ दो गेम गंवाकर जीते। आखिरी सेट में जोकोविच ने जेरे के सर्वश्रेष्ठ प्रयास के बावजूद शानदार डिफेंस दिखाया और अपनी सर्विस पर मुकाबला जीत लिया।

जोकोविच ने कहा, 'अगर वह थक भी रहा था तो इससे उसके खेल पर कोई फर्क नहीं पड़ा। मुझे लगता है कि उसने शायद तीसरे और चौथे की तुलना में पांचवें सेट में बेहतर खेला क्योंकि उसने गेंद को स्विंग कराना शुरू ही किया था। उसने ब्रेक पॉइंट पर पीछे होने के बावजूद बहुत अच्छी सर्विस की।' अगले दौर में जोकोविच का सामना क्रोएशिया के क्वालीफायर बोर्ना गोजो से होगा जो तीसरे दौर में चेक गणराज्य के जिरी वेस्ली को 6-4, 6-3, 6-2 से हराकर आ रहे हैं।

हॉकी 5एस विश्व कप क्वालीफायर : रहील के दम पर फाइनल में पहुंचा भारत

सलालाह (ओमान) (एजेंसी)। भारत ने मोहम्मद रहील के दम पर एशियाई पुरुष हॉकी 5एस विश्व कप क्वालीफायर के सेमीफाइनल में शनिवार को मलेशिया को 10-4 से रौंदकर फाइनल में प्रवेश कर लिया। रहील (नौवां, 16वां, 24वां, 28वां मिनट) ने इस महत्वपूर्ण मुकाबले में भारत के लिए चार गोल किए।

मनिंदर सिंह (दूसरा मिनट), पवन राजभर (13वां मिनट), सुखविंदर (21वां मिनट), मनदीप मोर (22वां मिनट), जुगराज सिंह (23वां मिनट) और गुरजोत सिंह (29वां मिनट) ने भारत की जीत में एक-एक गोल का योगदान दिया। मलेशिया की ओर से अखीमुल्लाह अनवर (सातवां, 19वां मिनट) ने दो गोल किए, जबकि अबू इस्माइल (चौथा मिनट) और दीन मोहम्मद (19वां मिनट) ने एक-एक गोल किया। फाइनल में भारत का मुकाबला आज शाम 07:30 बजे पाकिस्तान से होगा।

जॉनी बेयरस्टो और हैरी ब्रूक ने खेली धमाकेदार पारी, खिलाड़ियों के अर्धशतक की बदौलत मिली इंग्लैंड को बड़ी जीत

मैनचेस्टर। (एजेंसी)। सलामी बल्लेबाज जॉनी बेयरस्टो और मध्यक्रम के बल्लेबाज हैरी ब्रूक के अर्धशतकों के बाद गस एटकिंसन के अपने पदार्पण मैच में चार विकेट की मदद से इंग्लैंड ने शुक्रवार को यहां दूसरे टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैच में न्यूजीलैंड को 95 रन से करारी शिकस्त दी। बेयरस्टो ने 60 गेंदों पर नाबाद 86 रन बनाए जबकि ब्रूक ने 36 गेंदों पर 67 रन की तूफानी पारी खेलकर विश्वकप की टीम में जगह बनाने के लिए अपना मजबूत दावा पेश किया।

इन दोनों के बीच तीसरे विकेट के लिए 131 रन की साझेदारी की मदद से इंग्लैंड ने पहले बल्लेबाजी करते हुए चार विकेट पर 198 रन बनाए। न्यूजीलैंड की टीम इसके जवाब में 13.5 ओवर में 103 रन पर आउट हो गई। इस तरह से इंग्लैंड ने चार मैचों की श्रृंखला में 2-0 से बढ़त हासिल कर ली। इंग्लैंड ने डरहम में खेले गए पहले मैच में सात विकेट से जीत दर्ज की थी।

न्यूजीलैंड के केवल तीन बल्लेबाज दोहरे अंक में

पहुंचे जिनमें से टिम सीफर्ट ने सर्वाधिक 39 रन बनाए। इंग्लैंड की तरफ से अपना पहला टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैच खेल रहे तेज गेंदबाज एटकिंसन ने 20 रन देकर चार विकेट लिए जबकि स्पिनर आदिल राशिद ने 18 रन देकर दो विकेट हासिल किए। तीसरा मैच रविवार को एजबेस्टन में खेला जाएगा।

इंडो-नेपाल स्केटिंग चैंपियनशिप में 11 साल के आदित्य ने जीते 2 गोल्ड

अलीगढ़ । उत्तर प्रदेश के जिला अलीगढ़ के सेंटर पॉइंट इलाके पर रहने वाले मात्र 11 साल के आदित्य भारद्वाज ने अपने जिले, प्रदेश और देश का मान बढ़ाया है। सातवीं कक्षा के आदित्य ने इतनी कम उम्र में कई नेशनल और इंटरनेशनल स्केटिंग चैंपियनशिप में गोल्ड, ब्रॉज, और सिल्वर मेडल जीते हैं। आदित्य बचपन से ही स्केटिंग करने का शौक रखा है, और वह मात्र 6 साल की उम्र से स्केटिंग की शुरुआत की। इस छोटी उम्र में ही वह नेशनल और इंटरनेशनल स्केटिंग चैंपियनशिप में बड़े प्रतिष्ठित पुरस्कार जीतकर अपने जिले और देश का नाम रोशन किया है।

एशियाई चैंपियन्स ट्रॉफी को लेकर उत्साहित हैं : सविता

नई दिल्ली । भारतीय महिला हॉकी टीम की कप्तान सविता पूनिया ने कहा है कि 27 अक्टूबर से रांची में होने वाली एशियाई चैंपियन्स ट्रॉफी को लेकर टीम उत्साहित है। महिला एशियाई चैंपियन्स ट्रॉफी 27 अक्टूबर से पांच नवंबर के तक खेली जाएगी। देश में पहली बार होने वाले इस टूर्नामेंट का सभी बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। सविता ने कहा, भारतीय महिला हॉकी टीम की कप्तान होने के कारण मैं यह जानकर बेहद खुश हूं कि महिलाओं के लिए एशियाई चैंपियन्स ट्रॉफी रांची में होने वाली है। उन्होंने कहा, यह घोषणा साबित करती है कि महिला हॉकी ने न केवल भारत में बल्कि पूरे एशिया में सफलता हासिल की है। इतने अहम मंच पर अपने देश का प्रतिनिधित्व करना हमें बेहद गर्व से भर देता है। इस टूर्नामेंट के सातवें संस्करण में जापान, कोरिया, चीन, मलेशिया, थाईलैंड भी भाग लेंगी। सविता ने कहा, रांची में हमारे घरेलू दर्शकों के सामने प्रतिस्पर्धा करना बेशक एक शानदार अनुभव होगा। हमारे प्रशंसकों की ऊर्जा, समर्थन और उत्साह हमें अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने के लिये प्रेरित करते हैं। हम भारतीय महिला हॉकी को परिभाषित करने वाले अपने कौशल, दृढ़ संकल्प और सामूहिक भावना का प्रदर्शन करने के लिये उत्सुक हैं। भारतीय महिला हॉकी टीम अंतरराष्ट्रीय मंच पर अपने हालिया असाधारण प्रदर्शन से सुर्खियां बटोरती आयी है और आगामी टूर्नामेंट उनके लिये शानदार प्रदर्शन करने का एक और मौका है। सविता ने कहा, हम इस अवसर का अधिकतम लाभ उठाने और अपना प्रभाव दिखाने का पूरा प्रयास कोशिश करेंगे।

मैच से पहले विराट ने पाकिस्तानी गेंदबाज हारिस रऊफ को लगाया गले

-सोशल मीडिया पर वायरल हुआ वीडियो

पालेकल (एजेंसी)। भारतीय बल्लेबाज विराट कोहली पाकिस्तान के तेज गेंदबाज हारिस रऊफ के पास जाकर उन्हें गले लगाते हैं और फिर आपस में कुछ बातें करके हंसने लगाते हैं। भारत और पाकिस्तान को क्रिकेट के मैदान पर चिर प्रतिद्वंदी माना जाता है लेकिन इन दोनों देशों के खिलाड़ियों के बीच अच्छे संबंध रहे हैं जिसकी एक बानगी कोहली और रऊफ की मुलाकात ने पेश की। कोहली ने बाद में पाकिस्तान के उपकप्तान शादाब खान से भी मुलाकात कर उनके साथ कुछ पल बिताए।

यही नहीं भारतीय तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज ने रऊफ के साथ पालेकल की पिच को लेकर चर्चा की। भारत और पाकिस्तान के खिलाड़ियों के बीच इस तरह की मुलाकात के वीडियो को सोशल मीडिया पर काफी सराहा गया है। यह 80 और 90 के दशक के किसी क्रिकेट प्रेमी के लिए हैरानी भरा दृश्य हो सकता है क्योंकि तब इन दोनों देशों के क्रिकेटर सार्वजनिक तौर पर एक दूसरे से मिलने से कतराते थे। यह अलग बात है कि पर्दे के पीछे उनके बीच अच्छे संबंध थे। इमरान और वसीम अकरम व्यक्तिगत आमंत्रण पर नई दिल्ली या मुंबई आते रहते थे। इतना ही नहीं दुबई के होटलों में उनके बीच अच्छी गपशप चलती रहती थी। लेकिन ऐसा वे सार्वजनिक तौर पर नहीं करते थे। लेकिन लगता है कि खिलाड़ियों की इस पीढ़ी ने समझ लिया है कि क्रिकेट महज एक खेल है या फिर वे इतने साहसी हो गए हैं कि इस तरह के मामलों में खुद निर्णय ले सकते हैं। कोहली जब खराब दौर से गुजर रहे थे, तब पाकिस्तान के कप्तान बाबर आजम ने ट्विटर पर और उनके समर्थन में संदेश जारी किया था। सोशल मीडिया पर कोहली और बाबर में सर्वश्रेष्ठ कौन जैसे मसले पर प्रशंसकों के बीच भले ही तीखी प्रतिक्रिया चलती रही हो लेकिन ये दोनों खिलाड़ी इससे अछूते रहे हैं। कोहली ने हाल में पाकिस्तानी कप्तान को वर्तमान समय में सभी प्रारूपों का सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी करार दिया था जबकि बाबर से संवाददाता सम्मेलन में अक्सर कोहली से प्रतिद्वंदिता के बारे में पूछा जाता है।

भारत ने बांग्लादेश को हराकर सैफ अंडर 16 अभियान का किया आगाज

थिम्पू। भारत की अंडर 16 पुरुष टीम ने बांग्लादेश को 1.0 से हराकर सैफ अंडर 16 फुटबॉल चैम्पियनशिप में जीत के साथ आगाज किया। अपना पहला अंतरराष्ट्रीय मैच खेल रही कोच इशफाक अहमद की भारतीय टीम को बांग्लादेश के गोलकीपर नाहिदुल इस्लाम ने खुलकर नहीं खेलने दिया। थोंगाम्बा सिंह उशाम ने विजयी गोल 74वें मिनट में दागा। भारत ने आक्रामक शुरूआत की और विशाल यादव ने पहले हाफ में शानदार प्रदर्शन किया। उन्होंने 14वें मिनट में भरत लालरेंजाम को गेंद सौंपी जिसके प्रयास को इस्लाम ने बचा लिया। बांग्लादेश को भी कई मौके मिले लेकिन उन्हें वे फिनिश नहीं कर सके। दूसरे हाफ में भी भारत ने आक्रमण जारी रखा और 74वें मिनट में कामयाबी भी मिली। स्थानापन्न खिलाड़ी मनभाकुपार एम ने विरोधी से गेंद छीनकर गोल पर दागी लेकिन इस्लाम ने उसे बचा लिया। इस बीच उशाम ने मुस्तैदी दिखाते हुए रिबाउंड पर गोल किया। भारत को अब चार दिन का विश्राम मिला है और छह सितंबर को दूसरे ग्रुप मैच में नेपाल से सामना होगा। भूटान, पाकिस्तान और मालदीव ग्रुप बी में हैं। शीर्ष दो दो टीमें सेमीफाइनल में पहुंचेंगी।

मिचेल मार्श को फल गई कप्तानी, दक्षिण अफ्रीका खिलाफ जीती सीरिज

पालेकल(एजेंसी)। सिडनी (ईएमएस)। ऑस्ट्रेलिया क्रिकेट टीम के नए कप्तान मिचेल मार्श ने आखिरकार दक्षिण अफ्रीका टीम के खिलाफ 3 टी20 मैचों की सीरीज में 2-0 से अजेय बढ़त बना ली। पहले बल्लेबाजी करते हुए दक्षिण अफ्रीकी टीम ने 164 रन बनाए थे। जवाब में मैथ्यू शॉर्ट और मिचेल मार्श ने ताबड़तोड़ पारियां खेलकर अपनी टीम को जीत दिला दी। मैच जीत जीतने के बाद ऑस्ट्रेलियाई कप्तान ने कहा कि वास्तव में लड़कों पर गर्व है। मेरे समय में, दक्षिण अफ्रीका में खेलते हुए सीरीज जीतना मुश्किल होता है, इसकारण हम इसका जश्न मनाएंगे।

मार्श ने कहा कि आज की गेम गेंदबाजों ने तैयार की थी। नए लोगों के लिए यह स्पष्ट रूप से कठिन है। स्पेंसर को आज रात आराम करना पड़ा क्योंकि कुछ लोग वापस आ रहे थे। ड्रेसिंग रूम में बेहरेनडोर्फ जैसे अनुभवी लोगों का होना बहुत अच्छा है। हम निश्चित रूप से रविवार को उठेंगे और घूमेंगे, मुझे लगता है कि यह एक दिन का खेल है। दोनों टीमें अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करेंगी।

वहीं,तीन टी20मैचों की सीरीज गंवाने पर दक्षिण अफ्रीकी कप्तान एडेन मार्करम ने कहा कि हमने शानदार शुरुआत की, लेकिन फिर विकेट गिरने से चुनौती बढ़ गई।

किर्स्टी ने पूर्व विंबलडन चैंपियन रिबाकिना को हराया

न्यूयॉर्क। रोमानिया की सोराना किर्स्टी ने कड़े संघर्ष में यूएस ओपन में 2022 विंबलडन चैंपियन ऐलेना रिबाकिना को हराकर बड़ा उलटफेर किया। रिपोर्ट के अनुसार, 30वीं वरीयता प्राप्त किर्स्टी ने चौथी वरीयता प्राप्त के खिलाफ 0-2 के रिकॉर्ड को सुधारा और पहली बार न्यूयॉर्क में चौथे दौर में पहुंच गईं। किर्स्टी ने कहा, मैं आज की जीत से बहुत-बहुत खुश हूं। मैं पहले भी उसके खिलाफ दो बार हार चुकी हूं, और वह एक बहुत अच्छी खिलाड़ी है, दुनिया में नंबर 4, और मुझे पता था कि यह एक कठिन लड़ाई होने वाली थी। लेकिन मैं इस मैच को जीतकर बहुत खुश हूं। यह मेरे लिए बहुत अच्छा पल है।

33 वर्षीय खिलाड़ी यूएस ओपन (2020, 2019, 2009) में तीसरे दौर के मैचों में 0-3 से पीछे थी और मार्च में मियामी सेमीफाइनल के बाद से उसने शीर्ष 5 खिलाड़ी को नहीं हराया था। लेकिन आक्रामक गेम प्लान से लैस और लुई आर्मस्ट्रांग स्टेडियम की उत्साही भीड़ के सामने, जिसमें सील भी शामिल थी, किर्स्टी ने अपने करियर की सबसे बड़ी जीत में से एक हासिल की। उन्होंने कहा, मैं कई सालों से खेल रही हूं और यह सबसे अच्छी भीड़ थी जिसके सामने मैंने कभी खेला है, इसलिए धन्यवाद।

मैच के चौथे गेम में किर्स्टी ने सर्विस तोड़ी और फिर पहला सेट अपने नाम कर लिया। चौथी वरीयता प्राप्त खिलाड़ी ने 30 विनर्स के साथ 56 बेजां भूलें कीं। लेकिन किर्स्टी को श्रेय जाना चाहिए, जो 2023 ऑस्ट्रेलियन ओपन फाइनलिस्ट के खिलाफ पीछे नहीं हटीं। किर्स्टी ने मैच में कुल 33 विनर्स लगाए और 42 बेजां भूलें कीं। किर्स्टी 2022 ऑस्ट्रेलियन ओपन के बाद अपने पहले ग्रैंड स्लैम चौथे दौर में पहुँच गयी हैं जो कुल मिलाकर उनका चौथा है। किर्स्टी अपने दूसरे ग्रैंड स्लैम क्वार्टरफाइनल में पहुंचने की कोशिश करेंगी। 19 वर्षीय हाई स्कूल छात्रा के रूप में, वह 2009 में रौलां गैरो क्वार्टर फाइनल में पहुंचीं और ऑस्ट्रेलिया के सैम स्टोसुर से हार गईं।

भारतीय महिला फुटबॉल टीम के पास वैश्विक स्तर पर प्रगति करने का बेहतर मौका : एआईएफएफ प्रमुख

ज्यूरिख (एजेंसी)। अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ (एआईएफएफ) अध्यक्ष कल्याण चौबे को लगता है कि देश में महिलाओं के खेल में अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल में प्रगति करने का 'बेहतर मौका' है और कहा कि कुछ और प्रयासों से सीनियर टीम फीफा विश्व कप के लिए क्वालीफाई कर सकती है। पूर्व भारतीय खिलाड़ी चौबे एआईएफएफ अध्यक्ष के तौर पर एक साल पूरा कर चुके हैं और जब से उन्होंने यह जिम्मेदारी संभाली तब से वह महिलाओं के फुटबॉल के स्तर को सुधारने के लिए प्रयास कर रहे हैं।

चौबे ने एआईएफएफ की वेबसाइट से कहा, ''मैं सुनिश्चित करना चाहता हूं कि महिलाओं की फुटबॉल को वो सारी सुविधायें मिलें जो भारत में पुरुष फुटबॉल को मिलती है और मैं सच में मानता हूं कि हमारे पास महिलाओं के फुटबॉल में अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रगति करने का बेहतर मौका है।''

उन्होंने कहा, ''फीफा विश्व कप के लिए क्वालीफाई करने के लिहाज से हमारी महिला फुटबॉल टीम पुरुष टीम की तुलना में आगे है। महिला टीम एशिया में 11वीं रैंकिंग पर काबिज है। अगर हम थोड़ा बेहतर करें तो हम फीफा महिला विश्व कप के लिए क्वालीफाई कर सकते हैं।'' भारत ने हाल में अंडर-17 महिला विश्व कप की मेजबानी की है और हाल में सीनियर एशियाई कप से देश में महिला फुटबॉल का मनोबल बढ़ेगा।

आंगनबाड़ियों के 15 लाख से अधिक बच्चों को टेक होम राशन के माध्यम से मिलता है पौष्टिक आहार

गांधीनगर । गुजरात राज्य के 0 से 6 वर्ष की आयु वर्ग के बच्चों, गर्भवती एवं स्तनपान कराने वाली माताओं तथा किशोरियों के पोषण एवं स्वास्थ्य की स्थिति को सुधारने के उद्देश्य से राज्य में एकीकृत बाल विकास सेवा (आईसीडीएस - इंटीग्रेटेड चाइल्ड डेवलपमेंट सर्विसेज) योजना कार्यरत है। इस योजना के अंतर्गत 6 महीने से लेकर 6 वर्ष की आयु तक के बच्चों, गर्भवती और स्तनपान कराने वाली माताओं तथा किशोरियों में कुपोषण पर अंकुश लगाने के लिए पौष्टिक आहार प्रदान करने के उद्देश्य से राज्य सरकार द्वारा टेक होम राशन (टीएचआर) योजना कार्यान्वित की गई है। राज्य की टेक होम राशन के अंतर्गत आंगनबाड़ियों के माध्यम से लाभार्थियों को पौष्टिक आहार प्रदान किया जाता है। मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल के सक्षम नेतृत्व के तहत आज गुजरात की आंगनबाड़ियों के 6 महीने से 6 वर्ष की आयु वर्ग के 15.87 लाख बच्चों को सूक्ष्म पोषक तत्वों से भरपूर पौष्टिक आहार प्रदान किया जाता है। इसके साथ ही, राज्य की 6 लाख गर्भवती एवं स्तनपान कराने वाली माताओं तथा 11 लाख किशोरियों को भी आंगनबाड़ी के माध्यम से टेक होम राशन के अंतर्गत पौष्टिक आहार उपलब्ध कराया जाता है।

गुजरात के 53,029 आंगनबाड़ी केंद्रों के माध्यम से लाभार्थियों को पौष्टिक एवं उच्च गुणवत्ता युक्त टेक होम राशन (प्री-मिक्स) का वितरण किया जाता है। इस टेक होम राशन पैकेट का उत्पादन गुजरात को-ऑपरेटिव मिल्क मार्केटिंग फेडरेशन (जीसीएमएमएफ) के साथ संबद्ध अमूल, सुमूल और बनास डेयरी के द्वारा किया जाता है। राज्य सरकार द्वारा लाभार्थियों को उनकी दैनिक आवश्यकता के एक तिहाई हिस्से को पूरा करने के लिए टेक होम राशन के रूप में पौष्टिक भोजन प्रदान किया जाता है। इसके तहत 6 महीने से 6 वर्ष की आयु के बच्चों के लिए 500 किलो कैलोरी एवं 12-15 ग्राम प्रोटीन, गंभीर रूप से कम वजन वाले बच्चों के लिए 800 किलो कैलोरी एवं 20-25 ग्राम प्रोटीन तथा गर्भवती एवं स्तनपान कराने वाली महिलाओं और किशोरियों के लिए 600 किलो कैलोरी एवं 18-20 ग्राम प्रोटीन युक्त आहार प्रदान किया जाता है।

टेक होम राशन बाजार में उपलब्ध अन्य ब्रांडेड प्री-मिक्स की तरह ही एक रेडी-टू-ईट पौष्टिक भोजन का प्री-मिक्स है, जो कैलोरी, प्रोटीन और अन्य सूक्ष्म पोषक तत्वों से भरपूर होता है। इस प्री-मिक्स पैकेट में केवल गरम पानी डालकर लगभग 40 तरह के व्यंजन तुरंत तैयार किए जा सकते हैं।

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने आयुर्वेद की महत्ता को समझकर स्वास्थ्य एवं पोषण में सुधार लाने के लिए आयुर्वेदिक औषधियों पर हमेशा जोर दिया है। इस बात को ध्यान में रखते हुए गुजरात सरकार ने टेक होम राशन (टीएचआर) में आयुष औषधियों का समावेश करने की पहल की है। टेक होम राशन के प्री-मिक्स में बच्चों के लिए त्रिकटु और विडंग जैसे आयुर्वेदिक घटक तथा माताओं के लिए जीरा और मुस्ता जैसे आयुर्वेदिक घटक शामिल किए गए हैं। सूक्ष्म पोषक तत्वों से समृद्ध टीएचआर को और भी मूल्यवर्धित कर आयुष टीएचआर का वितरण पायलट प्रोजेक्ट के रूप में राज्य के 6 जिलों में क्रियान्वित किया गया है, जिसमें भावनगर, देवभूमि द्वारका, जामनगर, नर्मदा, डांग और दाहोद जिले शामिल हैं।

टेक होम राशन फूड पैकेट्स को तीन शक्ति युक्त आहारों में विभाजित किया गया है। जिसके तहत बच्चों के लिए 'बाल शक्ति', किशोरियों के लिए 'पूर्णा शक्ति' और गर्भवती एवं स्तनपान कराने वाली माताओं के लिए 'मातृ शक्ति' फूड पैकेट्स तैयार किए जाते हैं। आंगनबाड़ी के 6 महीने से 3 वर्ष आयु के लगभग 15.87 लाख बच्चों को बाल शक्ति पैकेट प्रदान किए जाते हैं। इसके अंतर्गत सामान्य वजन वाले बच्चों को प्रति माह 'बाल शक्ति' के 500 ग्राम वाले 7 पैकेट यानी 3.5 किलो, 6 महीने से 3 वर्ष आयु के अति कम वजन वाले बच्चों को प्रति माह 'बाल शक्ति' के 500 ग्राम वाले 10 पैकेट यानी 5 किलो तथा आंगनबाड़ी के 3 वर्ष से 6 वर्ष आयु के अति कम वजन वाले बच्चों को प्रति माह 'बाल शक्ति' के 500 ग्राम वाले 4 पैकेट यानी 2 किलो दिए जाते हैं। इसके साथ ही, राज्य की 6 लाख गर्भवती एवं स्तनपान कराने वाली माताओं को 'मातृ शक्ति' के तथा 11 लाख किशोरियों को 'पूर्णा शक्ति' के प्रति माह 1 किलो वाले 4 पैकेट अर्थात 4 किलो प्रदान किए जाते हैं।

गर्भवती एवं स्तनपान कराने वाली माताओं, किशोरियों और 6 वर्ष की आयु तक के बच्चों के पोषण स्तर में सुधार लाने के लिए प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत सरकार द्वारा पोषण अभियान चलाया जाता है। पोषण अभियान के उद्देश्यों को साकार करने के लिए 1 से 30 सितंबर, 2023 के दौरान पूरे भारत में 'राष्ट्रीय पोषण माह' मनाया जा रहा है। इस वर्ष पोषण माह का फोकस पूरे भारत में पोषण आधारित संवेदना को उजागर करने के लिए मानव जीवन-चक्र के मुख्य चरणों यानी गर्भावस्था, शैशवावस्था, बचपन और किशोरावस्था के विषय में जागरूकता पैदा करना है। इस वर्ष के पोषण माह की थीम 'सुपोषित भारत, साक्षर भारत, सशक्त भारत' है। गुजरात में भी पोषण माह सितंबर महीने के दौरान सक्रिय रूप से मनाया जाएगा। इसके अंतर्गत विशिष्ट स्तनपान और पूरक आहार, स्वस्थ बालक स्पर्धा, पोषण भी पढ़ाई भी, मिशन लाइफ (पर्यावरण के लिए जीवन शैली) के जरिए पोषण में सुधार, आदिवासी क्षेत्रों पर केंद्रित पोषण आदि थीमों पर विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया जाएगा।

इस वजह से डॉ. वल्लभ कथीरिया ने एम्स के प्रमुख पद से दिया इस्तीफा

राजकोट। बीते दिन डॉ. वल्लभ कथीरिया के राजकोट में निर्माणाधीन अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) के प्रमुख पद से इस्तीफे से राजनीति गरमा गई थी। अपने इस्तीफे को लेकर डॉ. कथीरिया ने खुद ही खुलासा किया है। हाल में पिछले महीने ही डॉ. कथीरिया को एम्स का प्रमुख नियुक्त किया गया था और शुक्रवार को उनके सम्मान में एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया था। लेकिन सम्मान समारोह से पहले ही डॉ. वल्लभ कथीरिया ने एम्स के प्रमुख पद से इस्तीफा दे दिया था। आखिर ऐसा क्या हुआ जिस वजह से डॉ. कथीरिया को एम्स के प्रमुख पद से इस्तीफा देने पड़ा। इसकी स्पष्टता स्वयं डॉ. कथीरिया ने की है। डॉ. कथीरिया के मुताबिक मंत्रालय से उन्हें एम्स के प्रमख पद से इस्तीफा देने के लिए फोन आया था। जिसके बाद उन्होंने एम्स के प्रमुख पद से इस्तीफा दे दिया। डॉ. कथीरिया ने बताया कि उन्होंने एम्स का प्रमुख पद मांगा नहीं था। हांलाकि डॉ. कथीरिया को किस कारण प्रमुख पद से हटाया गया, इसकी जानकारी फिलहाल सामने नहीं आई। बता दें कि राजकोट के परापिपलिया में एम्स निर्माणकार्य चल रहा है। डॉ. वल्लभ कथीरिया ने बतौर प्रमुख 18 अगस्त को अपना पदभार संभाला था। डॉ. वल्लभ कथीरिया के लिए आज राजकोट के सरस्वती शिशु विद्यामंदिर में एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया था, जिसमें उन्हें सम्मानित किया जाना था। इसके लिए बाकायदा पत्रिकाओं को भी वितरण किया जा चुका था। लेकिन सम्मान समारोह से कुछ घंटे पहले ही डॉ. कथीरिया ने एम्स के प्रमुख पद से अचानक इस्तीफा देकर सभी को चौंका दिया था।

मुख्यमंत्री का राज्य के दूरस्थ ग्रामीण क्षेत्रों के सरकारी मान्यता प्राप्त राशन दुकान धारकों के हित में निर्णय

गांधीनगर । मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने राज्य के दूरस्थ ग्रामीण क्षेत्रों में सरकारी मान्यता प्राप्त राशन दुकान धारकों की सस्टेनिबिलिटी यानी स्थिरता के लिए ऐतिहासिक और संवेदनशील निर्णय किया है। खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति मंत्री कुंवरजी बावळिया एवं राज्य मंत्री श्री भीखूसिंह परमार ने इस निर्णय की जानकारी देते हुए कहा कि मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने उचित मूल्य की दुकानों को लाभकारी आय उपलब्ध कराने के लिए कमीशन की क्षतिपूर्ति की राशि राज्य सरकार की ओर से दिए जाने का निर्णय लिया है। यह राशि राज्य में उचित मूल्य की ऐसी दुकानों को दी जाएगी जिसके दुकानदार स्थायी हैं और जिन दुकानों में राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम (एनएफएसए) राशन कार्ड की संख्या 300 से कम है तथा जिनके पास अन्य किसी नियमित दुकान का कार्य भार नहीं है तथा जिन दुकानों में कमीशन की राशि प्रति माह 20,000 रुपए से कम होती है।उन्होंने आगे कहा कि राज्य भर के उचित मूल्य के दुकानदारों द्वारा नागरिकों के हित में आगामी त्योहारों को ध्यान में रखते हुए सस्ते अनाज का वितरण आज से ही नियमित रूप से शुरू कर दिया जाएगा। उन्होंने यह भी अपील की कि दुकानदार कल यानी रविवार को भी राशन वितरण का कार्य चालू रखें, जिस पर सभी दुकानदारों ने सकारात्मक प्रतिक्रिया दी। मंत्रियों ने यह भी

कहा कि राज्य के ऐसे दुकानदारों के लिए प्रति माह 20,000 रुपए की आय सुनिश्चित करने के लिए राज्य सरकार ऐसे दुकानदारों को 20,000 रुपए की कमीशन की आय के समक्ष कम पड़ने वाली राशि क्षतिपूर्ति के तौर पर देगी। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार केवल इस क्षतिपूर्ति की राशि के तहत वार्षिक 35.53 करोड़ रुपए का अतिरिक्त बोझ वहन करेगी।

साबरमती रिवरफ्रंट पर रु. 25.66 करोड़ की लागत से बने हाईटेक स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स का लोकार्पण

अहमदाबाद। शहर को नागरिकों को आज एक और भेंट मिली है। अहमदाबाद के साबरमती रिवरफ्रंट के पूर्वी और पश्चिमी छोर बनकर तैयार हाईटेक स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स का आज लोकार्पण किया गया। इस मौके पर भारत की महिला क्रिकेट टीम की पूर्व कप्तान मिताली राज विशेष रूप से उपस्थित रही। अहमदाबाद महानगर पालिका और साबरमती रिवरफ्रंट डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन ने एनआईडी के पीछे रु. 25.66 करोड़ की अधिक लागत से अंतर्राष्ट्रीय स्तर का स्पोर्ट्स कोम्प्लेक्स तैयार किया है। ताकि पूर्वी और पश्चिमी क्षेत्र के युवाओं को खेल-कूद की बेहतर सुविधाएं उपलब्ध हो सकें। साबरमती रिवरफ्रंट के पश्चिम की ओर 37040 वर्ग मीटर क्षेत्र में स्पोर्ट्स कोम्प्लेक्स बनाया गया है। जिसमें 4 क्रिकेट पिच और 5 टेनिस कोर्ट तथा 4 मल्टीपल स्पोर्ट्स कोर्ट बनाए गए हैं। यहां 800 मीटर लंबा जोगिंग ट्रैक बनाया गया है। यूटीलिटी बिल्डिंग और टॉयलेट ब्लॉक भी बनाए गए हैं। वहीं रिवरफ्रंट के पूर्वी छोर पर 7503 वर्ग मीटर में बने स्पोर्ट्स कोम्प्लेक्स में 5 क्रिकेट पिच और 2 बास्केट बोल कोर्ट के साथ ही 2 वॉलीबोल और चिल्ड्रन प्ले एरिया उपलब्ध है। यहां भी 320 मीटर का जोगिंग ट्रेक बनाया गया है। स्पोर्ट्स कोम्प्लेक्स की प्रत्येक सुविधा के लिए ऑनलाइन बुकिंग होगी। टेनिस खेलने के लिए 1 घंटे का रु. 1200 देना होगा। जबकि क्रिकेट प्रेक्टिस के प्रति पिच रु. 500 देय होगा। सुबह 6 बजे से 8 बजे तक लोग मुफ्त जोगिंग कर सकेंगे।

पति की मौत से व्यथित पत्नी की तेजाब पीकर जान देने की कोशिश

राजकोट। शहर को गोकुल-मथुरा एपार्टमेंट में रहनेवाली एक विवाहिता ने पति की मौत के दो घंटे बाद एसिड पीकर जान देने का प्रयास किया। गंभीर हालत में महिला को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। मामले की जांच में चौंकाने वाली जानकारी सामने आई है। महिला ने एक वसीयत तैयार की थी, जिसमें अपनी संपत्ति का 50 प्रतिशत सेना और 50 अनाथाश्रम को देने का उल्लेख किया गया है। महिला की तबियत में सुधार के बाद पुलिस मामले की जांच करेगी। जानकारी के मुताबिक राजकोट के 150 फूट रिंग रोड स्थित गोकुल-मथुरा एपार्टमेंट के एक फ्लैट में पारूल दोशी अपने पति विनु दोशी के साथ रहती थी। कोई संतान नहीं होने से फ्लैट में दोशी दंपत्ति ही रहते थे। पारूल दोशी के पति विनु दोशी पिछले कई सालों से स्वादु पिंड की बीमारी से पीड़ित थे और लंबे समय के उपचार के बाद गत जुलाई महीने में उन्हें प्राइवेट अस्पताल से डिस्चार्ज कर दिया गया था। शुक्रवार की सुबह 11 बजे विनु दोशी की मौत से पारूल दोशी टूट गई और उन्होंने पति के शव पर एक वसीयतनामा रखा और बाद में तेजाब पी लिया। तेजाब पीने की जानकारी भी

अपने परिचित जयेश नामक व्यक्ति को दे दी। जयेश तुरंत पारूल दोशी के घर पहुंच गया और एम्ब्युलैंस 108 की मदद से अस्पताल पहुंचाया। घटना की खबर मिलते ही पुलिस भी मौके पर पहुंच गई। पारूल दोशी ने पति के शव पर रखे वसीयतनामे में अपनी संपत्ति का 50 प्रतिशत हिस्सा सेना को और 50 प्रतिशत हिस्सा अनाथाश्रम को देने को कहा है।

गैस लिकेज होने से घर में लगी आग, गंभीर रूप से झुलसी महिला

सूरत। मांडवी के बेडी मुहल्ले में सिलिंडर को सील खोलते ही गैस रिसाव शुरू हो गया और घर में आग लग गई। इस घटना में महिला समेत दो लोग बुरी तरह झुलस गए। उपचार के दौरान महिला की मौत हो गई, जबकि दूसरे की हालत गंभीर बनी हुई है। जानकारी के मुताबिक सूरत जिले की मांडवी के बेडी मुहल्ले में 45 वर्षीय हंसा धनसुखभाई चौधरी परिवार के साथ रहती थी। बीते दिन घर में रसोई गैस सिलिंडर आया था, लेकिन उसे तुरंत जोड़ा नहीं गया था। जब स्टव से सिलिंडर जोड़ने के सील खोला तो गैस रिसाव शुरू गया और घर में आग लग गई। इस घटना में हंसा चौधरी और उनकी बुआ का लड़का प्रकाश बुरी तरह झुलस गया। गंभीर हालत में दोनों को पहले मांडवी के स्वास्थ्य केन्द्र और बाद में सूरत के सिविल अस्पताल पहुंचाया गया। जहां उपचार के दौरान हंसा चौधरी की मौत हो गई। जबकि प्रकाश की हालत गंभीर बनी हुई है। हंसा चौधरी की बेटी पारूल ने गैस कंपनी पर लापरवाही की आरोप लगाते हुए न्याय की मांग की है। पारूल ने आरोप लगाया कि गैस कंपनी

ने पुराना सिलिंडर सप्लाय किया था, जिसका वॉल्व लीकेज था।

अदाणी स्पोर्ट्सलाइन का साबरमती रिवरफ्रंट स्पोर्ट्स पार्क खुला

अहमदाबाद। अहमदाबाद में सबसे प्रतिष्ठित और यादगार स्थानों में से एक साबरमती रिवरफ्रंट है - और अब इसके परे अदानी स्पोर्ट्सलाइन द्वारा प्रबंधित स्पोर्ट्स पार्क है, जो शहर और राज्य के लोगों को सर्वोत्तम खेल बुनियादी ढांचे की पेशकश करता है। खेल संस्कृति का समर्थन करने और स्वस्थ और फिट जीवन शैली को प्रोत्साहित करने के लिए सुविधाओं के साथ डिज़ाइन किया गया, स्पोर्ट्स पार्क गुजरात से सर्वश्रेष्ठ प्रतिभा को सामने लाने की उम्मीद करता है।

अदानी स्पोर्ट्सलाइन ने गहन बोली के माध्यम से स्पोर्ट्स पार्क के अधिकार जीते और आज, 2 सितंबर को, पार्क का उद्घाटन श्री किरीटभाई परमार, माननीय महापौर, श्री प्रणव अदानी, अदानी एंटरप्राइजेज के निदेशक द्वारा किया गया; सुश्री मिताली राज, पूर्व कप्तान, भारतीय महिला क्रिकेट; श्री अरुण सिंह राजपूत, नगर सत्तारूढ़ दल के पदाधिकारी; श्री भास्करभाई भट्ट, नेता नगर सत्तारूढ़ दल; श्री हितेश बारोट, अध्यक्ष, स्थायी समिति; श्री कौशिकभाई जैन, विधायक; श्री अमितभाई पी. शाह, विधायक; श्री सुरेंद्रभाई पटेल, चेरमिन, एसआरएफडीसीएल परियोजना; डॉ। किरीटभाई सोलंकी, एम.पी.; श्री एम. थेनारसन, नगर आयुक्त, अहमदाबाद; श्री केशव वर्मा, आईएएस (सेवानिवृत्त), अध्यक्ष, एसआरएफडीसीएल; श्रीमती गीताबेन पटेल, उप. महापौर; और मनोरंजन सांस्कृतिक एवं विरासत समिति के अध्यक्ष श्री राजेशकुमार दवे की गरिमामय उपस्थिति में किया गया।

साबरमती रिवरफ्रंट स्पोर्ट्स पार्क, सभी के लिए खुला है, इसमें जॉगिंग ट्रैक, व्यायामशाला और बच्चों के खेल के क्षेत्र हैं, साथ ही पिकलबॉल, बास्केटबॉल, वॉलीबॉल और टेनिस के लिए कई क्रिकेट पिच और कोर्ट हैं। इसके अलावा, स्केटबोर्ड के साथ एक स्केटिंग रिंक आगंतुकों के लिए उपलब्ध होगा और शिक्षार्थी स्पोर्ट्स पार्क स्लॉट बुक करने और खेल का आनंद लेने के विकल्प के माध्यम से सभी उम्र और पृष्ठभूमि के लोगों के लिए सुलभ अवसर प्रदान करके खेलों में व्यापक भागीदारी को प्रोत्साहित करते हैं।

स्पोर्ट्स पार्क में विभिन्न प्रकार की अकादमियाँ होंगी जो 5 से 7 वर्ष की आयु के बच्चों को विभिन्न खेलों से परिचित कराने में मदद करेंगी। फिर युवा अपनी क्षमताओं, रुचियों और योग्यता के आधार पर वैज्ञानिक प्रशिक्षण विधियों और विशेष ध्यान के साथ अपनी पसंद के खेल का चयन करेंगे। ताकत और कंडीशनिंग पर। यह प्रक्रिया शहर और राज्य में खेल प्रतिभाओं की पहचान करने में मदद करने के लिए डिज़ाइन की गई है ताकि उन्हें आगे के विकास के लिए अधिक उपयुक्त कार्यक्रमों में तेजी से शामिल किया जा सके।

फर्जी प्रमाण पत्र के आधार पर ली कोरोना की सहायता, 30 लोगों के केस दर्ज, 13 गिरफ्तार

अहमदाबाद। एक समय था जब भारत समेत दुनियाभर में कोरोना ने कहर बरपा रखा। लाखों लोगों की जिंदगी कोरोना निगल गया था। गुजरात में कोरोना से जिन लोगों की कोरोना से मौत हुई थी, उनके परिजनों के लिए सरकार ने रु. 50000 की सहायता की सहायता का ऐलान किया था। कइयों ने फर्जी प्रमाण पत्र के आधार पर सहायता प्राप्त की होने का खुलासा हुआ है। गांधीनगर जिले की देहेगाम तहसील के 30 लोगों ने फर्जी प्रमाण पत्र पेशकर कोरोना की सहायता राशि प्राप्त की थी। ऐसे लोगों के खिलाफ देहेगाम पुलिस थाने में एफआईआर दर्ज की गई। पुलिस ने अब तक 13 लोगों को गिरफ्तार भी कर लिया है। बता दें कि 6 महीने पहले साबरकांठा जिले की तलोद में इसी प्रकार का प्रकरण सामने आया था। अब गांधीनगर जिले के देहेगाम तहसील में मृत्यु के प्रमाण पत्र के आधार पर 30 जितने लोगों के कोरोना की सहायता राशि प्राप्त करने की घटना सामने आई है। बताया जाता है कि सहायता राशि पाने के लिए 30 जितने आवेदकों ने साणोदा प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र के मेडिकल ऑफीसर के फर्जी प्रमाण पत्र के साथ आवेदन किया था। तहसीलदार कचहरी के एडीवीटी में सेवारत उप तहसीलदार कौशलकुमार भीमजीभाई चौधरी ने फर्जी प्रमाण पत्र के आधार पर सहायता राशि लेने के मामले में 30 लोगों के खिलाफ देहेगाम पुलिस थाने में एफआईआर दर्ज करवाई थी। इस मामले में 13 आरोपियों को गिरफ्तार कर आगे की कार्यवाही शुरू की है।

11 सितंबर को अहमदाबाद को मिलेगा नया महापौर

अहमदाबाद। आगामी 11 सितंबर को अहमदाबाद के नए महापौर की घोषणा की जाएगी। वैसे तो महापौर के रेस में कई नाम है, लेकिन तीन सबसे आगे हैं। मौजूदा महापौर किरीट परमार की ढाई साल की अवधि पूर्ण हो रही है और उनका स्थान किसी मिलेगा यह 11 सितंबर को सामने आ जाएगा। 11 सितंबर को अहमदाबाद महानगर पालिका में होनेवाली सामान्य सभा में नई महिला महापौर के नाम का ऐलान किया जाएगा। जिसके बाद स्थायी समिति समेत अन्य पदाधिकारियों के नामों की घोषणा की जाएगी। अहमदाबाद के महापौर के तौर पर किसके नाम पर मुहर लगेगी, इस पर अटकलें तेज हो गई हैं। महापौर पद की दौड़ में जैन, पटेल और क्षत्रिय समाज से आई तीन महिला नगर पार्षदों के नाम सबसे आगे हैं। पहला नाम है प्रतिभा जैन जो राजस्थानी जैन समाज से आती हैं और अहमदाबाद के शाहीबाग से नगर पार्षद हैं। प्रतिभा जैन की तीसरी टर्म है और वह फिलहाल महिला एवं बाल विकास समिति की प्रमुख हैं। दूसरा नाम है शीतल डागा का जो वर्षों से भाजपा से जुड़ी हुई हैं और दूसरी बार नगर पार्षद बनी हैं। शीतल डागा के पति भी नगर पार्षद रह चुके हैं। महापौर की दौड़ मे तीसरा नाम गीता पटेल का है जो उप महापौर हैं।

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, सम्पादक: संजय रमाशंकर मिश्रा द्वारा ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सुरत (गुजरात) प्रिन्टर्स- भूनेश्वरा प्रिन्टर्स, प्लाट नं. 29, परमानन्द इण्डस्ट्रीयल सोसायटी, चौकसी मील के पास, उधना मगदल्ला रोड़ (गुजरात) से मुद्रित एवं ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सूरत (गुजरात) से प्रकाशित। कार्यालय फोन: 0261-2274271, (न्यायिक क्षेत्र सूरत रहेगा)